THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

सेना ने 2 आतंकियों के स्कैच जारी किए

श्रीनगर, 6 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पुंछ में 4 मई को एयरफोर्स के काफिले पर हमला हुआ था, जिसमें 1 जवान कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद हो गए थे और 4 अन्य जवान घायल हो गए थे। सोमवार को सेना ने हमले में शामिल आतंकियों के स्कैच जारी किए हैं। साथ ही उन पर 20 लाख के इनाम का ऐलान भी किया है। इसी हमले के सिलसिले में पुलिस ने पूछताछ के लिए करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं पुंछ के डन्ना टॉप, शाहस्टार, शिंद्रा और सनाई टॉप इलाकों में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान तीसरे दिन भी जारी है। हमले में शहीद हुए एयरफोर्स के जवान विक्की पहाड़े का गृह ग्राम नोनिया करबल (छिंदवाड़ा) में अंतिम संस्कार किया गया।

वर्ष-29 अंक : 45 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख कृ.14 2081 मंगलवार, 7 मई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

ओडिशा में कांग्रेस पस्त, बीजेडी अस्त : मोदी

> 4 जून राज्य की बीजेडी सरकार की एक्सपायरी डेट
> नई सरकार का निमंत्रण देने आया हूं

बहरामपुर/नवरंगपुर, 6 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के बहरामपुर और नवरंगपुर में रैली की। उन्होंने कहा, कल मैं प्रभु राम की नगरी अयोध्या में था। आज महाप्रभु जगन्नाथ की धरती पर आया हूं। ओडिशा में इस बार 2 यज्ञ एक साथ हो रहे हैं। एक यज्ञ देश में, हिंदुस्तान में मजबूत सरकार बनाने के लिए है। और दूसरा यज्ञ ओडिशा में भाजपा के नेतृत्व वाली मजबूत राज्य सरकार बनाने का है। आप जानते हैं कि भाजपा जो कहती है, वो करके दिखाती है। इसलिए, यहां सरकार बनने के बाद हम पूरी शक्ति से संकल्प पत्र में की गई घोषणाओं पर अमल करेंगे। ये मोदी की गारंटी है।

4 जून पर यहां की बीजेडी सरकार की एक्सपायरी डेट लिखी हुई है। आज 6 मई है, 6 जून को बीजेपी के मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय होगा। 10 जून को भुवनेश्वर में भाजपा के मुख्यमंत्री का शपथ समारोह होगा। मैं आज सबको भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के शपथ समारोह के लिए निमंत्रण देने आया हूं। मोदी बोले- ओडिशा में बीजेडी अस्त है, कांग्रेस पस्त है और लोग भाजपा पर आश्वस्त हैं। सिर्फ भाजपा उम्मीदों का नया सूरज बनकर आई है। ओडिशा में करीब 50 साल तक कांग्रेस और करीब 25 साल तक बीजेडी रही, लेकिन क्या हुआ, सबने देखा।

अमीर ओडिशा के लोग गरीब बने हुए हैं

प्रधानमंत्री ने कहा- ओडिशा में उपजाऊ भूमि, खनिज संसाधन, समुद्री तट, बरहामपुर जैसा व्यापार केंद्र, संस्कृति, विरासत और न जाने क्या-क्या है। फिर भी, इस 'अमीर' ओडिशा के लोग गरीब बने हुए हैं। इस पाप के लिए कौन जिम्मेदार है? जवाब है कांग्रेस और बीजेडी! बीजेडी के छोटे-छोटे नेता भी बड़े-बड़े बंगलों के मालिक हो गए हैं।

पीएम बोले, केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के लिए 10 हजार करोड़ रुपये ओडिशा को दिए। वो पैसे यहां की सरकार सही से खर्च ही नहीं कर पाई। मोदी गांव में सड़कें बनाने के लिए पैसा भेजता है, लेकिन यहां गांवों में सड़कों की हालत खराब है। मोदी दिल्ली से मुफ्त चावल के लिए पैसे भेजता है, लेकिन बीजेडी सरकार इस योजना पर भी अपना फोटो चिपका देती है। प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा ने बहुत गौरव से ओडिशा की मिट्टी में जन्मी, ओडिशा की बेटी को देश का सबसे बड़ा पद दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से कहा-कलेक्टरों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें

अवैध रेत खनन से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। रेत के अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय से कहा कि वे तमिलनाडु के पांच जिला अधिकारियों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। दरअसल, राज्य ने अदालत में शिकायत करते हुए कहा था कि उनके अधिकारियों को रात साढ़े आठ बजे तक ईडी दफ्तर में बैठाया रखा गया। बता दें. इससे पहले दो अप्रैल को अदालत ने पांचों जिला अधिकारियों को ईडी के समक्ष पेश न होने के कारण फटकार लगाई थी। साथ ही अदालत ने पांचों अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे 25 अप्रैल तक ईडी के समक्ष पेश हों। सोमवार को न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि जिला कलेक्टर ईडी के सामने पेश हुए थे। इस पर ईडी के वकील ने कहा कि वे ईडी के समझ पेश जरूर हुए लेकिन उन्होंने अभी तक एजेंसी को एक भी दस्तावेज नहीं सौंपे हैं। सिब्बल ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि जांच एजेंसी ने समन के जरिए जो कुछ भी मांगा था, वह सब कुछ दे दिया गया है। इस पर ईडी के वकील ने कहा कि ऐसा कोई भी दस्तावेज जमा नहीं किया गया है और हम मामले में हलफनामा भी दायर कर सकते हैं। इस पर पीठ ने कहा कि वे साफ करें कि अभी तक अधिकारियों ने कौन-कौन से दस्तावेज जमा नहीं किए हैं और इस बारे में एक रिपोर्ट दायर की जाए। पीठ ने मामले की सुनवाई जुलाई तक के लिए टाल दी है। दो अप्रैल को मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के पांचों कलेक्टरों को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर वे रेत खनन मामले में समन का जवाब देने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं होते तो मुश्किल में पड़ सकते हैं।

आप दिलीप घोष को जिता दो, गुंडो को हम सीधा कर देंगे : अमित शाह

कोलकाता, 6 मई (एजेंसियां)। तीसरे चरण के मतदान से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में चुनाव प्रचार किया। दुर्गापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर तंज करते हुए कहा कि टीएमसी के गुंडे यहं की गरीब मजदूरों की मजदूरी की उगाही करके भतीजे को देते हैं।

रैली में भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष का समर्थन करते हुए अमित शाह ने कहा, एक बार यहां से दिलीप घोष को जिता दो, इन गुंडों को हम सीधा कर देंगे। उन्होंने टीएमसी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ये लोग कटमनी चलाते हैं, घुसपैठ कराकर अपना वोट बैंक बनाते हैं। ममता दीदी, आपको शर्म आनी चाहिए, सरहदी राज्य में आप घुसपैठ को बढ़ावा देती हो और घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाती हो। सोमवार को हुगली में बस विस्फोट पर अमित शाह ने कहा कि बंगाल में भ्रष्टाचार और चुनावी हिंसा आम हो चुकी है। ममता बनर्जी डराना चाहती है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने केंद्रीय बलों को तैनात किया है। अमित शाह ने लोगों से कहा कि उन्हें ममता बनर्जी से डरने की कोई जरूरत नहीं है।

हम रिजर्वेशन को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाएंगे : राहुल

भोपाल, 6 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने कहा कि हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे ले जाएंगे। कोर्ट ने 50 प्रतिशत का लिमिट लगा रखा है, उसे हटा देंगे। राहुल गांधी सोमवार को मध्यप्रदेश के आलीराजपुर के जोबट और खरगोन के सेगांव में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। दोनों ही सभाओं में उन्होंने ये बात कही।

राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस संविधान खत्म करना चाहते है। इसलिए उन्होंने 400 पार का नारा दिया है। लेकिन 400 सीट तो छोड़िए, इन्हें 150 सीटें भी नहीं मिलेंगी। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी आपका आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। उनके नेताओं ने साफ कहा है कि अगर हमारी सरकार आएगी। हम आदिवासियों से, दलितों से, पिछड़े वर्ग से आरक्षण छीन लेंगे, आरक्षण को खत्म कर देंगे। मैं आपको आज यहां ये बताने आया हूं, वो छीनने की बात कर रहे हैं। हम आरक्षण को बढ़ा देंगे। 50 प्रतिशत से ज्यादा कर देंगे।

आज 50 प्रतिशत का लिमिट है। इस लिमिट को हम परे करके, 50 प्रतिशत लिमिट को रद्द करके, हम आपका रिजर्वेशन, गरीबों का रिजर्वेशन बढ़ाएंगे। राहुल गांधी ने कहा, आप मोदी जी से पूछिए, आपके लोग आदिवासियों पर पेशाब क्यों करते हैं। आपके लोग संविधान को क्यों रद्द करना चाहते हैं। आपके लोग आरक्षण क्यों खत्म करना चाहते हैं। आप देश को बताइए क्या आप सचमुच में आरक्षण को खत्म करना चाहते हो। हां या ना?

200 वाइस चांसलर-प्रोफेसर का राहुल को लेटर

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। देश की कई यूनिवर्सिटीज के लगभग 200 कुलपतियों (वाइस चांसलर्स) और प्रोफेसर्स ने राहुल गांधी को ओपन लेटर लिखा है। जिसमें प्रोफेसरों और कुलपतियों के सिलेक्शन प्रोसेस पर सवाल उठाने की आलोचना की गई है। साथ ही राहुल गांधी के लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। इस लेटर में यह भी लिखा है कि राहुल गांधी ने राजनीतिक लाभ उठाने के लिए झूठ का सहारा लिया है और पूरे सिस्टम को बदनाम किया है। हम अपील करते हैं कि कानून के मुताबिक उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। राहुल गांधी की एक्स पोस्ट और ओपन सोर्स से हमें पता चला है कि यह दावा किया है कि कुलपतियों की नियुक्ति, योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि किसी संगठन से जुड़े होने के आधार पर की जाती है। जिससे कुलपतियों की चयन प्रक्रिया की पर सवाल उठता है। हम ऐसे दावों को खारिज करते हैं।

मैनिफेस्टो पर चिदंबरम बोले-भाजपा नेता आंखों का इलाज कराएं

कांग्रेस की सरकार होती तो आज इकोनॉमी 200 लाख करोड़ होती

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने सोमवार (6 मई) को संपत्ति कर को लेकर कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना करने वाले नेताओं को आंखों का इलाज कराने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि आज अगर कांग्रेस की सरकार होती तो 2023-24 में देश की इकोनॉमी 200 लाख करोड़ के पार पहुंच चुकी होती। कांग्रेस नेता का ये बयान डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ वेल्थ यानी संपत्ति के पुनर्वितरण और विरासत कर को लेकर कांग्रेस पर हो रहे लगातार हमलों के बीच आया है। मैनिफेस्टो तैयार करने वाली कमेटी के अध्यक्ष चिदंबरम ने कहा कि जो नेता कांग्रेस के मैनिफेस्टो में जनरेशन ऑफ वेल्थ को डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ वेल्थ बता रहे हैं, उन्हें या तो फिर से मिडिल स्कूल की पढ़ाई करनी चाहिए या फिर किसी आंखों के डॉक्टर से मिलना चाहिए। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने घोषणा पत्र के माध्यम से उन नीतियों पर बात करती है जो गुड्स और सर्विसेज के प्रोडक्शन को बढ़ाएगी। साथ ही उन नियमों को भी बदला जाएगा, जो फ्री एंड फेयर ट्रेड को रोकते हैं।

ट्रैक्टर पलटने से चार नाबालिगों सहित पांच की मौत

जबलपुर, 6 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर से बड़ी घटना सामने आई है। तेज रफ्तार ट्रैक्टर पलटने में पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में चार नाबालिग हैं तो एक 18 वर्ष का युवक शामिल है। जानकारी के मुताबिक घटना जबलपुर के थाना चरगवां अंतर्गत ग्राम तिनेटा की है।

बताया गया कि ट्रैक्टर पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई। साथ ही दो बच्चे घायल हुए हैं। ट्रैक्टर को धर्मेंद्र ठाकुर (18) निवासी ग्राम तिनेटा देवी चला रहा था। तेज गति से चलाने की वजह से ही ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। सभी लोग ट्रैक्टर के नीचे दब गए। सभी को मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। वहीं जिला प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनों को 50,000 एवं घायलों को 10,000 की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

26/11 पर सियासत

'पाक कुछ नहीं बोला हमारे लोग राजनीति कर रहे'

कांग्रेस नेता वडेट्टीवार पर भड़के उज्जवल निकम

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार के एक बयान से राज्य की सियासत में हंगामा मचा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) के पूर्व प्रमुख आईपीएस हेमंत करकरे को 2008 के मुंबई हमलों के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादियों ने नहीं मारा था। इसी बयान पर अब मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार उज्जवल निकम ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नेता सिर्फ राजनीति कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान क्या कहेगा।

यह है मामला : महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने दावा किया कि एटीएस के पूर्व प्रमुख आईपीएस हेमंत करकरे को 2008 के मुंबई हमलों के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादियों ने नहीं मारा था। उन्होंने कहा था, 'बिरयानी का मुद्दा उठाकर निकम ने कांग्रेस को बदनाम किया।

क्या कोई कसाब को बिरयानी देगा? बाद में उज्ज्वल निकम ने इसे स्वीकार कर लिया, कैसा वकील है, गद्दार है जिसने कोर्ट में गवाही ही नहीं दी। जिस गोली से मुंबई पुलिस के अधिकारी हेमंत करकरे की मौत हुई वह कसाब की बन्दूक से नहीं, उस समय आरएसएस के वफादार पुलिस अधिकारी की गोली से चली थी, अगर कोर्ट से यह सच छुपाने वाले गद्दार को भाजपा टिकट दे रही है तो सवाल उठता है कि भाजपा इन गद्दारों का समर्थन क्यों कर रही है।'

उज्जवल निकम ने किया पलटवार

उज्जवल निकम ने कांग्रेस नेता के दावों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। साथ ही आरोप लगाया कि कांग्रेस हिटलर के सहयोगी और नाजी पार्टी के प्रमुख प्रचारक जोसेफ गोएबल्स का जिक्र करते हुए गोएबल्स का दुष्प्रचार करना चाहती है।

भाजपा नेता ने आगे कहा, 'यह देखिए कि न्यायिक निष्कर्ष क्या है? कसाब ने कबूल किया था कि जब वह और उसका दोस्त कामा अस्पताल के बाहर पहुंचे, तो उन्होंने एक पुलिस जीप देखी और उन दोनों ने गोलियां चलाईं, जिसमें तीन पुलिस अधिकारी मारे गए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों के शवों को वाहन के पीछे रखा और चले गए। हमने इसकी जांच की और पाया कि यह पुलिसकर्मी नहीं था बल्कि एक ड्राइवर था जो अपनी कार को पीछे कर रहा था। वह चश्मदीद गवाह था। हमारे पास उस व्यक्ति का भी बयान है जो वाहन में हेमंत करकरे और विजय सालस्कर के साथ था। उस समय यह आपका नियम था। आप मेरी उम्मीदवारी के बाद यह बयान दे रहे हैं।'

निकम ने कहा कि जब लोगों ने वडेट्टीवार के आरोपों की आलोचना की तो उन्होंने सफाई दी कि इसका जिक्र महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक एसएम मुशरिफ द्वारा लिखी गई किताब में है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'आप क्या आरोप लगा रहे हैं? क्या कहेगा पाकिस्तान? पाकिस्तान ने इससे कभी इनकार नहीं किया। क्योंकि हमने न्यायिक प्रमाण पेश किए। लेकिन हमारे खुद के नेता राजनीति कर रहे हैं। आप सिर्फ प्रचार करना चाहते हैं वह भी गोएबल्स का प्रचार। इससे मैं बदनाम नहीं हो रहा हूं। आप ही बदनाम होंगे।'

उन्होंने कहा, 'मैं विजय वडेट्टीवार के आरोपों से परेशान नहीं हूं, लेकिन यह तथ्य कि कसाब और उसके सहयोगी अबू इस्माइल ने हेमंत करकरे की हत्या की। पाकिस्तान ने भी कभी इस पर विवाद नहीं किया था, लेकिन विपक्ष के नेता पूरे मामले पर सवाल उठा रहे हैं, यह सिर्फ मारे गए 166 लोगों का अपमान नहीं है बल्कि हमारे सभी शहीदों का अपमान है। मुझे दुख है कि एक विपक्षी नेता जिन्हें पूरी बात भी नहीं पता, वो एक किताब पर विश्वास करते हैं और आधारहीन बयान देते हैं। इसका मतलब है कि आप हेमंत करकरे का अपमान कर रहे हैं।'

उज्जवल निकम ने कहा, 'विपक्षी दलों के नेता उनके इस बयान का साथ नहीं दे रहे हैं। इसका मतलब है कि आप अपने दम पर जो चाहें बोलें। वे आपके साथ नहीं हैं। हम इंतजार कर रहे हैं कि इस तरह के और कितने झूठ सामने आएंगे। फिर हम देखेंगे कि क्या किया जाना है। हमारे पास भी ऐसी कई बातें हैं।'

शिवसेना ने भी की आलोचना

शिवसेना ने वडेट्टीवार की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता मुंबई में 26/11 आतंकवादी हमले के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाली बहादुर पुलिस के बारे में अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं।

रोचक खबरें

पांचवी के छात्र से पूछा सवाल-कैसे रोकोगे ईंधन का दुरूपयोग

ऊटपटांग जवाब पढ़ बेहोश हुआ टीचर

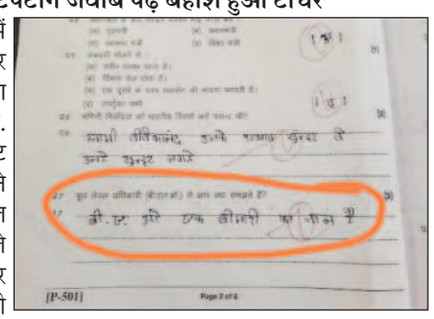

भारत में परीक्षाओं का दौर अब लगभग खत्म हो गया है. ज्यादातर स्टेट बोर्ड्स ने अपने परिणाम निकाल दिए हैं. पहले सिर्फ दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं की ही चर्चा होती थी. जब एग्जाम चलते थे तब स्टूडेंट के रिएक्शन, फिर उनकी उत्तरपुस्तिका के वीडियोज और रिजल्ट के बाद उनके हालात चर्चा में रहते थे. लेकिन समय के साथ अब पांचवी कक्षा के बोर्ड एग्जाम की भी चर्चा होने लगी है।

हाल ही में राजस्थान में हुए पांचवी के बोर्ड परीक्षा की आंसर शीट खूब वायरल हो रही है. परीक्षा में पूछे गए कुछ सवालों के ऐसे जवाब दिए गए हैं, जिसे पढ़कर आपकी हंसी नहीं रुकेगी. छात्रों ने ऐसे जवाब लिखे हैं, जिसकी उम्मीद नहीं की जा सकती. गलत जवाब देना एक बार के लिए समझ आता है लेकिन ऐसे जवाब उम्मीद के परे हैं. आइये आपको बताते हैं ऐसे कुछ सवाल और उनके मजेदार जवाब।

सोशल मीडिया पर हुए वायरल

पांचवी बोर्ड की परीक्षा के बाद हाल ही में उत्तरपुस्तिका जांचने का कार्य शुरू किया गया. इसी के साथ सोशल मीडिया पर आंसर शीट्स की तस्वीरें भी शेयर कर दी गई. इनमें लिखे जवाब पढ़कर हर कोई हैरान रह गया. परीक्षा में पूछा गया कि बीएलओ यानी बूथ लेवल अधिकारी से आप क्या समझते हैं, तो एक छात्र ने लिखा कि ये एक बीमारी का नाम है. वहीं दूसरे छात्र ने लिखा कि ये एक दवा है जिससे कई बीमारियां ठीक होती है। परीक्षा में छात्रों से पूछा गया कि गांव में ईंधन का दुरूपयोग कैसे रोकेंगे. स्लोगन के जरिये बताइये तो एक छात्र ने लिखा कि उसे नहीं पता, उससे ना पूछा जाए. आखिर में उसने जय श्री राम लिख दिया. इसी के साथ ऐसे कई सवाल थे, जिसके जवाब में स्टूडेंट्स ने लिखा कि उन्हें नहीं पता, उनसे ना पूछें. जब इन आंसर शीट्स की तस्वीरें शेयर की गई, तो देखा गया कि ऐसे जवाब पर भी शिक्षक ने अंक दिए हैं. इससे सोशल मीडिया पर बहस का दौर शुरू हो गया. कई ने टीचर्स की दरियादिली को भी संदेह की दृष्टि से देख कर इसपर कमेंट शुरू कर दिया।

फारूक अब्दुल्ला बोले पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी

हम पर उसका एटम बम गिरेगा-राजनाथ सिंह के पीओके पर दिए बयान पर कमेंट किया

जम्मू, 6 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने कहा, पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं और उसके पास परमाणु बम भी हैं जो हम पर गिरेंगे।" उनकी ये टिप्पणी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 'पीओके का भारत में विलय होगा' के बयान पर आई है।

अप्रैल महीने में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रैली को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत में हो रहे विकास को देखते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग खुद भारत के साथ रहने की मांग करेंगे।

पीओके हमारा था, है और हमारा रहेगा

राजनाथ सिंह ने कहा था कि चिंता मत करें, पीओके हमारा था, है और हमारा रहेगा। भारत की ताकत बढ़ रही है। दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है और हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। अब पीओके में हमारे भाई-बहन खुद भारत के साथ आने की मांग करेंगे।

पुंछ हमले पर भी सवाल उठाए

फारूक अब्दुल्ला ने पुंछ हमले पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि, 'यह बहुत अफसोसजनक है। वे (बीजेपी) कहते थे कि आतंकवाद के लिए 370 जिम्मेदार है तो आज 370 नहीं है, अब इस देश में आतंकवाद है या नहीं, इसका जवाब आप गृह मंत्री अमित शाह से पूछें? हमारे सिपाही रोज शहीद होते हैं लेकिन वे खामोश हैं।'

जम्मू-कश्मीर का हिस्सा है पीओके

पीओके यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का वह हिस्सा है जो पाकिस्तान के साथ लगता है। 1947 में बंटवारे के बाद पाकिस्तान ने कबीलाई विद्रोहियों की मदद से जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से पर कब्जा कर लिया था। भारतीय फौज इस हिस्से को वापस लेने के लिए लड़ रही थी, मगर उसी समय भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू कश्मीर के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) चले गए। यूएन ने दखल देकर दोनों देशों के बीच युद्ध विराम करवा दिया और 'जो जहां था, वहीं काबिज हो गया।' उसी समय से दोनों देशों की फौजें इंटरनेशनल सरहद की जगह लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के दोनों तरफ डटी हैं। एलओसी दोनों मुल्कों के बीच खींची गई 840 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा है।

एसआईटी ने महिलाओं के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर

पीड़िताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करेगी टीम

बंगलूरू, 6 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में हासन के जेडीएस सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पीड़ित महिलाओं के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। एसआईटी प्रमुख और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बीके सिंह ने एक बयान में बताया कि पीड़ित महिलाएं 6360938947 नंबर पर कॉल कर सकती हैं।

बीके सिंह ने कहा कि पीड़ितों को एसआईटी कार्यालय में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि टीम उन्हें राहत देने के लिए व्यक्तिगत रूप से उनसे संपर्क करेगी। इसी के साथ एसआईटी ने लोगों को प्रज्ज्वल रेवन्ना के यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ वाले वीडियो सोशल मीडिया पर साझा न करने की चेतावनी दी है। उन्होंने बताया कि ऐसे वीडियो साझा करने से पीड़ित महिलाओं की प्रतिष्ठा और सम्मान को नुकसान पहुंचेगा। बता दें कि प्रज्ज्वल रेवन्ना हासन लोकसभा क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। इस क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। मतदान के एक दिन बाद ही प्रज्ज्वल रेवन्ना विदेश चले गए। उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। हासन सांसद के खिलाफ यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के मामले दर्ज किए गए हैं।

हुगली में बम विस्फोट से एक बच्चे की मौत, दो घायल-भाजपा ने टीएमसी पर लगाए आरोप

कोलकाता, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हुगली में रहस्यमय विस्फोट के कारण एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। यह घटना पांडुआ में तिन्ना नेताजी कॉलोनी में घटी। विस्फोट उस स्थान पर हुआ, जहां बच्चे खेल रहे थे।

घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने इस बम विस्फोट को लेकर टीएमसी को घेरा है। उन्होंने दावा किया कि पांडुआ में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के चुनाव प्रचार से पहले सत्तारूढ़ पार्टी यहां डर फैला रही है।

ये है विधवाओं का गांव! शादी के तुरंत बाद मर जाता है पति, श्राप नहीं

भारत में शादियों को काफी महत्व दिया जाता है. लोग अपने घर की बेटियों को काफी छानबीन कर दूसरे घर भेजते हैं. इस बात का ख़ास ध्यान रखा जाता है कि दूसरे घर में बेटी को किसी तरह की कोई तकलीफ ना हो. ऐसे में हम आपको राजस्थान के एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां शायद ही कोई मां-बाप अपनी बेटी की शादी करवाना चाहेगा. इस गांव में ब्याह कर आने वाली ज्यादातर महिलाएं कुछ महीने बाद ही विधवा हो जाती हैं।

राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित बुधपुरा गांव को विधवाओं का गांव भी कहा जाता है. जी हां, इस गांव में रहने वाली ज्यादातर महिलाएं विधवा हैं. चूंकि, शादी के कुछ ही समय बाद इनके पतियों की मौत हो जाती है, ऐसे में ज्यादातर के पास अपने छोटे से बच्चे को पलने की बड़ी जिम्मेदारी भी होती है. अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इनके पति की मौत कैसे हो जाती है? आइये आपको इस बात का जवाब बताएं. अगर आपको ऐसा लग रहा है कि इस गांव पर किसी का श्राप है या किसी रहस्यमई वजह से यहां के मर्दों की मौत हो जाती है तो आप गलत हैं. कई रिपोर्ट्स के बाद ये साफ़ हो चुका है कि यहां के मर्दों की मौत सिलिकोसिस नाम की बीमारी से होती है. दरअसल, इस गांव के ज्यादातर मर्द खदानों में काम करते हैं. इसके अंदर काम करने वालों को ये बीमारी हो जाती है. समय पर सही इलाज ना मिल पाने की वजह से इनकी मौत हो जाती है।

जेट एयरवेज फाउंडर नरेश गोयल को अंतरिम जमानत

> *मनी लॉन्ड्रिंग केस में सितंबर से जेल में,* > *जनवरी में कहा था-जेल में ही मर जाऊंगा*

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल को मेडिकल के आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दे दी। उन्हें एक लाख रुपए का बॉन्ड भरना होगा और वह मुंबई से बाहर भी नहीं जा पाएंगे। गोयल को सितंबर में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

गोयल ने चिकित्सा और मानवीय कारणों का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत मांगी थी। वह और उनकी पत्नी अनीता गोयल दोनों को कैंसर है। 3 मई को हुई सुनवाई बॉम्बे हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। ईडी ने जमानत का विरोध किया था। साथ ही कहा था कि प्राइवेट अस्पताल में उनका रहना एक महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है। केनरा बैंक के साथ धोखाधड़ी के आरोपी जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल 6 जनवरी को मुंबई के स्पेशल कोर्ट में रोने लगे थे। तब उन्होंने कोर्ट से कहा कि मैं जिंदगी की आस खो चुका हूं। मेरा स्वास्थ्य बहुत बिगड़ गया है। बेहतर होगा कि जेल में मर जाऊं। ये कहने के साथ ही नरेश गोयल ने हाथ जोड़ लिए थे। गोयल ने यह भी कहा था- मुझे अपनी पत्नी अनीता की कमी बहुत खलती है। वह कैंसर की लास्ट स्टेज में हैं। इसके बाद जज ने कहा कि आपको बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा।

केनरा बैंक से धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार हुए थे गोयल

गोयल पर केनरा बैंक के साथ 538 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। ईडी ने कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में पिछले साल एक सितंबर को नरेश गोयल को गिरफ्तार किया था। नरेश की पत्नी अनीता गोयल को पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उनकी उम्र और हेल्थ को देखते हुए उन्हें जमानत दे दी गई थी।

गोयल की पत्नी के पास कुछ ही महीनों का समय : वकील

3 मई को हुई सुनवाई में गोयल ने उनके और उनकी पत्नी अनीता गोयल के कैंसर पेशेंट होने का हवाला देते हुए पिछले सप्ताह मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत मांगी थी। इससे पहले फरवरी में स्पेशल कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था, लेकिन इलाज की छूट दी थी। बाद में गोयल ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

जमानत की मांग करते हुए नरेश के वकील हरीश साल्वे ने कहा गोयल पर लगे आरोप गंभीर हैं, लेकिन उनकी पत्नी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं और उनके पास कुछ महीनों का समय बचा है। ऐसे में ह्यूमन बेसिस पर गोयल को पत्नी के साथ उनके अंतिम समय में रहने दिया जाए।

बैंक का आरोप- पैसों की हेराफेरी की गई

केनरा बैंक ने आरोप लगाया था कि जेट एयरवेज की फोरेंसिक ऑडिट में पाया गया कि जेट ने अपने से जुड़ी कंपनियों यानी 'रिलेटेड कंपनियों' को 1,410.41 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। ऐसा कंपनी के अकाउंट से पैसा निकालने के लिए किया गया। गोयल परिवार के पर्सनल खर्च- जैसे स्टाफ की सैलरी, फोन बिल और व्हीकल एक्सपेंस, सब जेट एयरवेज से ही होते थे। गोयल ने 1993 में जेट एयरवेज की स्थापना की थी। 2019 में एयरलाइन चेयरमैन पद छोड़ दिया था।

उमर अंसारी को मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को अग्रिम जमानत दे दी है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और पीके मिश्रा की पीठ ने उन्हें इस मामले में अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा था।

शीर्ष अदालत ने 25 जनवरी को उमर अंसारी को इस मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पिछले साल 19 दिसंबर को उनकी अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि मामले की तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अपराध बनता है। बता दें कि अब्बास अंसारी, उमर अंसारी और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ चार मार्च 2022 में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप लगाया गया कि तीन मार्च को पहाड़पुर ग्राउंड में अब्बास अंसारी, उमर अंसारी और आयोजक मंसूर अहमद अंसारी ने मऊ प्रशासन के साथ हिसाब-किताब तय करने का आह्वान किया था। इसे आचार संहिता का उल्लंघन माना गया है।

'जवानों को लेकर राजनीति करना कांग्रेस के संस्कार', चन्नी के बयान पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय वायुसेना के वाहन पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले को कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने स्टंटबाजी बताया था। उन्होंने कहा था कि हमले नहीं हो रहे हैं। जब भी चुनाव आता है तो भाजपा को जिताने के लिए ऐसे स्टंट खेले जाते हैं। उनके इस बयान ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी। चरणजीत सिंह चन्नी के बयान को लेकर कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई है। इस बयान को लेकर भाजपा ने भी पलटवार किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने इसके जवाब में कहा कि देश के जवानों को लेकर घटिया राजनीति केवल कांग्रेस ही कर सकती है। भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा, चरणजीत सिंह चन्नी का दिमाग खराब हो गया है। किसी मुख्यमंत्री की तरफ से ऐसा बयान शोभा देता है? देश के जवानों को लेकर ऐसी घटिया राजनीति केवल कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है। यही उनका संस्कार है।

आतंकवादी हमले को लेकर चरणजीत सिंह चन्नी का बयान

पुंछ पर वायुसेना के वाहन पर हुए हमले को लेकर चरणजीत सिंह ने मीडिया से बात की थी। उन्होंने कहा कि जब इलेक्शन आते हैं तो ऐसे स्टंट खेले जाते हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा, ये तैयार करके हमले करवाए जाते हैं। भाजपा को जिताने का स्टंट होता है, इसमें सच्चाई नहीं होती। लोगों को मरवाने और लोगों की लाशों पर खेलना ये भाजपा को आता है।

वैज्ञानिकों ने शहर में ही बनाया 'मंगल ग्रह'

4 साल बाद लाल ग्रह पर जाने का इरादा, रोवर हो रहा तैयार

एक समय था पृथ्वी के लगभग अधिकांश देशों पर अंग्रेजों का राज था. लेकिन पृथ्वी से बाहर जाने में अंग्रेजों कभी रुचि नहीं दिखाई. पर अब लगता है हालात बदल रहे हैं. अब ब्रिटेन अंतरिक्ष के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, यहां कि अब तो मंगल ग्रह पर जाने की ही तैयारी है. यहां के स्पेस साइंटिस्ट ने स्टीवनेज में 'मंगल ग्रह' का निर्माण किया है।

फ्रांसीसी एयरोस्पेस दिग्गज एयरबस ने अपने एक्सोमार्स रोवर का परीक्षण करने के लिए हर्टफोर्डशायर शहर में एक औद्योगिक संपत्ति पर 2.25 करोड़ किमी दूर ग्रह की सतह के जैसे हालात बनाने के लिए लाल रेत और चट्टानों का उपयोग किया है. 2028 में यान मंगल ग्रह पर पानी और संभावित जीवन के संकेत खोजने के मिशन पर रवाना होगा. एयरबस ने स्टीवनेज में रोवर का निर्माण किया है, जो यूके में अंतरिक्ष क्षेत्र में 3,500 लोगों को रोजगार देता है। कंपनी शीघ्र ही यूरोपीय स्पेस एजेंसी के साथ उस लैंडिंग मॉड्यूल के लिए थ्रस्टर्स बनाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करेगी जिसकी आपूर्ति रूसियों को यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले करनी थी. इस बीच इसके प्रदर्शन को इसके विशेष रूप से निर्मित ब्रिटिश 'मार्स यार्ड' में तैयार किया जाएगा. एयरबस के एक्सप्लोरेशन रोवर्स प्रोग्राम मैनेजर क्रिस ड्रेपर ने कहा कि इसका अंतरिक्ष अभियान "यूके में हमारे लिए एक वास्तविक सफलता की कहानी" रहा है. उन्होंने कहा, "स्टीवनेज में रोवर का निर्माण करने के बाद अब हम लैंडर को डिजाइन करने का एक बड़ा हिस्सा होंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह सुरक्षित रूप से नीचे उतर सके." यह परियोजना एक संपन्न यूके अंतरिक्ष उद्योग का हिस्सा है जो 50,000 लोगों को रोजगार देता है और देश की धरती से एक भी रॉकेट लॉन्च किए बिना अर्थव्यवस्था में हर साल 18 खरब 34 अरब 56 करोड़ रूपये पंप करता है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 7 मई, 2024 3

युविचार

मनुष्य कर्म से महान होता है, जन्म से नहीं।

मुस्लिम लीग एजेंडे पर चल रहे कांग्रेस, बीआरएस, एआईएमआईएम

बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने विपक्षियों पर जमकर साधा निशाना

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम पर मुस्लिम लीग के एजेंडे पर चलने का आरोप लगाया। एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम तबलीगी जमात के समर्थक हैं और वे मुख्यधारा को परेशान करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तीनों पार्टियां रजाकारों की समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि वे हैदराबाद मुक्ति दिवस नहीं मना सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा 17 सितंबर, 1948 को हमेशा याद रखेगी। एक बार जब हमारी सरकार तेलंगाना में सत्ता में आएगी, तो हम हर साल हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाएंगे।

कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने इसे राम विरोधी, सनातन विरोधी पार्टी बताया और आरोप लगाया कि इसने राष्ट्र विरोधी ताकतों से हाथ मिला लिया है। उन्होंने पुंछ में हाल ही में हुए आतंकी हमले को भाजपा का 'चुनाव पूर्व स्टंट' बताने के लिए पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर हमला बोला। कांग्रेस के पास ऐसे राष्ट्रविरोधी नेता हैं। उन्होंने देश को गुमराह किया। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में बाधाएं पैदा कीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जेएनयू में देश विरोधी नारे लगाने वालों के साथ खड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसे नारे लगाने वाले नेता को सांसद का टिकट भी दिया गया।

कांग्रेस के इस आरोप पर कि भाजपा देश में आरक्षण व्यवस्था को खत्म करना चाहती है, नड्डा ने कहा कि यह केतली को काला कहने का क्लासिक मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कांग्रेस ही थी जिसने संयुक्त आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में मुसलमानों को आरक्षण देकर एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीन लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को देश की कोई चिंता नहीं है और वह मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर चलने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को भ्रष्टाचार, नीतिगत पंगुता और ढुलमुल सरकार के युग में वापस ले जाना चाहती है।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान देश ने झूठे वादे, झूठे नारे, वोट बैंक की राजनीति, माफिया और अपराध, परिवार की राजनीति और भ्रष्टाचार देखा। यह दावा करते हुए कि पिछले 10 वर्षों के दौरान देश ने एक मजबूत और निर्णायक सरकार देखी, उन्होंने कहा कि भाजपा रिपोर्ट कार्ड और जवाबदेही की राजनीति में विश्वास करती है। हमने वह किया है जो हमने वादा किया था और हमने वह भी किया है जो हमने वादा नहीं किया था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है और आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और इन 10 वर्षों में यह पांचवें स्थान पर आ गया। उन्होंने विश्वास जताया कि पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

14 तक बढ़ाई गई आधार कार्ड मुफ्त सेवा की समय-सीमा

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने हाल ही में ट्विटर के माध्यम से घोषणा की कि वे इस साल 14 जून तक मुफ्त में ऑनलाइन दस्तावेज़ अपलोड करने की अनुमति दे रहे हैं। यूएडीएआई के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा है कि यूआईडीएआई लाखों आधार कार्ड धारकों की मदद के लिए लोगों को 14 जून, 2024 तक मुफ्त में ऑनलाइन दस्तावेज़ अपलोड करने की सुविधा दे रहा है। आप इस मुफ्त सेवा का उपयोग केवल मायआधार वेबसाइट पर कर सकते हैं। यूआईडीएआई चाहता है कि लोग अपने आधार कार्ड के दस्तावेजों को अपडेट रखें।

इससे पहले, व्यक्ति 14 मार्च तक अपने आधार कार्ड विवरण को मुफ्त में अपडेट कर सकते थे। यह दूसरी बार है जब यूआईडीएआई ने समय-सीमा बढ़ा दी है। लोगों के लिए, विशेष रूप से जिनके पास 10 साल पुराने आधार कार्ड हैं, उनके लिए अपनी जानकारी अपडेट करना महत्वपूर्ण है। यह प्रक्रिया 14 जून तक एमआधार पोर्टल पर नि:शुल्क पूरी की जा सकती है।

महत्वपूर्ण बिंदु

1. आधार वेबसाइट पर जाएं और अपने मोबाइल नंबर पर भेजे गए वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) दर्ज करके लॉग इन करें। 2. सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अपने वर्तमान दस्तावेज़ों की समीक्षा करें। यदि वे सही हैं, तो 'मैं सत्यापित करता हूं कि उपरोक्त विवरण सही हैं' विकल्प पर क्लिक करें। यदि वे ग़लत हैं, तो इन चरणों का पालन करें: 3. ड्रॉप-डाउन मेनू से पहचान दस्तावेज़ का प्रकार चुनें। 4. चयनित दस्तावेज़ को 2 एमबी से कम फ़ाइल आकार के साथ पीएनजी, जेपीईजी, या पीडीएफ प्रारूप में अपलोड करें। 5. ड्रॉप-डाउन मेनू से पता दस्तावेज़ चुनें। 6. पता दस्तावेज़ को 2 एमबी से कम फ़ाइल आकार के साथ पीएनजी, जेपीईजी, या पीडीएफ प्रारूप में अपलोड करें।

7. अपने दस्तावेज़ों की पुष्टि करने के लिए 'सबमिट' पर क्लिक करें।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने की जिम्मेदारी लें : विकास राज

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की राजधानी में सभी चुनावों में सबसे कम प्रतिशत दर्ज किए जाने के बाद, मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज ने लोगों से आग्रह किया है कि हैदराबाद जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सभी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। विकास राज ने जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस, हैदराबाद पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी के साथ सोमवार को यहां एलबी स्टेडियम में बाइक टैक्सी रैली को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए, सीईओ ने कहा कि हैदराबाद जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए पिछले दो से तीन महीनों से बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और लोगों से लोकतंत्र की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में मतदान में भाग लेने के लिए कहा। वोट डालना हमारी जिम्मेदारी है। सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि हैदराबाद में 60 से 65 प्रतिशत मतदान हो। जिला चुनाव अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा कि जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महिला समूह घर-घर जाकर लोगों को वोट के अधिकार के बारे में जागरूक कर रहे हैं। रोनाल्ड रॉस ने कहा कि लोगों को पिछले संसदीय चुनावों की तुलना में जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपना पूरा सहयोग देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने रैपिडो मतदान केंद्रों की व्यवस्था करने और मतदान केंद्रों से मतदाताओं को घर ले जाने के लिए वाहन उपलब्ध कराने वालों को बधाई दी। रोनाल्ड रॉस ने

अधिकारियों से जिले के सभी मतदान केंद्रों में ऐसी सुविधा प्रदान करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने आगे बताया कि मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है ताकि लोगों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

मतदान के तौर-तरीकों की बारीकी से जांच होनी चाहिए : रोनाल्ड रॉस

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रॉस ने माइक्रो पर्यवेक्षकों को चुनाव में महत्वपूर्ण मतदान प्रक्रिया के हर पहलू पर बारीकी से नजर रखने का निर्देश दिया है।

सूक्ष्म स्तर पर मतदान पैटर्न का निरीक्षण करने के लिए नियुक्त सूक्ष्म पर्यवेक्षकों के लिए सोमवार को बंजारा हिल्स में कोमाराम भीम आदिवासी भवन में प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की गईं। इस मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी रोनाल्ड रॉस ने कहा कि चुनाव आयोग से अपने कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने का आग्रह किया, ताकि चुनाव आयोग के नियमों को सही ढंग से लागू किया जा सके और शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। माइक्रो पर्यवेक्षकों को मतदान से जुड़े हर पहलू की स्पष्ट समझ होनी चाहिए तभी वे मतदान के पैटर्न पर बारीकी से नजर रख पाएंगे। खास तौर पर मतदान से पहले सुबह निर्धारित समय पर वितरण केंद्र पर पहुंचकर यह जांच करने की सलाह दी जाती है कि मतदान कर्मियों को उपलब्ध करायी गयी सामग्री ठीक से प्राप्त हुई है या नहीं, फिर मतदान कर्मियों के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचें। प्रत्येक चरण में माइक्रो ऑब्जर्वर की भूमिका निर्णायक होगी तथा नियमानुसार मॉक पोलिंग करायी जाय। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन प्रातः 5.30 बजे अभिकर्ताओं की उपस्थिति में मॉक पोल कराया जाये, यदि कोई अभिकर्ता उपस्थित न हो तो 15 मिनट के इंतजार के बाद माइक्रो ऑब्जर्वर की उपस्थिति में मॉक पोल कराया जाये।

यह सुझाव दिया जाता है कि मॉक पोल और उसके बाद की मतदान प्रक्रियाओं का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया जाना चाहिए कि क्या वे नियमों के अनुसार और पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से आयोजित की जा रही हैं या नहीं, और मतदान की शुरूआत से सामान्य पर्यवेक्षक को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रदान की जानी चाहिए। वे यह जांचना चाहते हैं कि मतदान केंद्रों पर बुनियादी ढांचा है या नहीं और गुप्त मतदान कक्ष ठीक से स्थापित किया गया है या नहीं। यदि कहीं तकनीकी गड़बड़ी के कारण ईवीएम काम नहीं कर रही है तो उसकी जगह दूसरी ईवीएम कैसे लगाई जा रही हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। मतदान केन्द्रों पर पीठासीन, सहायक पीठासीन एवं अन्य अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले कर्तव्यों का पालन किया जाये।

सुझाव दिया गया है कि मतदान की गोपनीयता बनाए रखने के लिए माइको पर्यवेक्षक जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करते हुए मतदान शुरू होने से लेकर समाप्ति तक सभी पहलुओं का अवलोकन करें और समय-समय पर इसे सामान्य पर्यवेक्षक के ध्यान में लाते रहें। मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम छह बजे तक चलेगा। समस्याग्रस्त केन्द्रों पर अधिक विशेष ध्यान केन्द्रित करने तथा मतदान केन्द्र के बाहर तथा आसपास के क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं पर नजर रखते हुए सतर्क होकर कार्य करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से माइक्रो ऑब्जर्वर के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व से संबंधित विषयों को समझाया। माइक्रो ऑब्जर्वरों को पूरी सूझबूझ के साथ अपने कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने की सलाह दी गई। हैदराबाद संसद निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक पी.आई. श्रीविद्या ने कहा कि चुनाव में माइक्रो ऑब्जर्वर की भूमिका अहम होती है। इस मौके पर उन्होंने माइक्रो ऑब्जर्वर को कई निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर की ड्यूटी जिम्मेदार होती है और माइक्रो ऑब्जर्वर आंख और कान की तरह होते हैं और उन्हें मतदान केंद्रों में हर पहलू की जांच करनी चाहिए और मतदान शुरू होने से लेकर मतदान खत्म होने तक किसी भी घटना को उनके संज्ञान में लाना चाहिए। सुझाव है कि माइक्रो ऑब्जर्वर इस तरह से काम करें कि मतदान की गोपनीयता बरकरार रहे। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई गलती न हो। चुनाव स्वतंत्र रूप से कराए जाने चाहिए। खासकर

चुनाव में माइक्रो पर्यवेक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : श्रीविद्या

मतदान केंद्रों पर न्यूनतम आधारभूत संरचना सुनिश्चित करने के लिए माइक्रो पर्यवेक्षकों को प्रत्येक रिपोर्ट सीधे सामान्य पर्यवेक्षक को देनी होगी। मतदान प्रक्रिया चुनाव आयोग के नियमों के अनुरूप कराई जाए।

उन्होंने कहा कि सीसी कैमरा मतदान कक्ष की ओर नहीं होना चाहिए और सभी मामलों की सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। इसके बाद माइक्रो ऑब्जर्वरों को ईवीएम और वीवीपैट के प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।इन प्रशिक्षण वर्गों में माइक्रो पर्यवेक्षक, जिला निर्वाचन प्रशिक्षण नोडल अधिकारी अपर आयुक्त (यूबीडी) सुनंदा, निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

हैदराबाद में अंडे की कमी के बीच बढ़ीं कीमतें

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आपूर्ति में कमी के कारण अंडे की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

पिछली गर्मियों की तुलना में शहर में अंडे की कीमत काफी बढ़ गई है। प्रति 100 यूनिट अंडे की कीमत पिछले साल 4 मई को 420 रुपये से बढ़कर इस साल 445 रुपये हो गई है। बाजार विशेषज्ञ अंडे की कीमतों में वृद्धि का कारण बढ़ते तापमान और मुर्गियों के बीच उच्च मृत्यु दर को मानते हैं। पिछले महीने से अंडे की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। 5 अप्रैल से 4 मई के बीच प्रति यूनिट लागत 70 पैसे बढ़ी। उदाहरण के लिए, जिस अंडे की कीमत 5 अप्रैल को 4.35 रुपये थी, अब 5 मई को इसकी कीमत 5.25 रुपये हो गई है। पिछले 5 दिनों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी हुई, पूरे मई में एक अंडे की कीमत में प्रतिदिन वृद्धि हुई, 1 मई को 4.25 रुपये से शुरू होकर 5 मई को 5.25 रुपये तक पहुंच गई।

शहर में अंडे के खुदरा विक्रेता मोहम्मद आरिफ बताते हैं कि हालिया कीमत में उछाल, खासकर पिछले 4 दिनों में, चिलचिलाती गर्मी के कारण उत्पादन में कमी के कारण है। पिछले साल तुलनात्मक रूप से कम कीमतों का कारण देश के कुछ हिस्सों में बारिश थी।

मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में 2 गिरफ्तार

चोरी की 14 मोटरसाइकिलें बरामद

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स (दक्षिण पूर्व) टीम ने सोमवार को 2 लोगों को पकड़ा जो कथित तौर पर हैदराबाद में मोटरसाइकिल चोरी में शामिल थे। पुलिस ने उनके पास से 14 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति शम्स बिलाल (26) और रासुरी सुकेश्वर उर्फ लोकेश (23) हैं, जो विलासितापूर्ण जीवन शैली के आदी हैं और खर्च को पूरा करने के लिए शहर में मोटरसाइकिल और स्कूटर चोरी कर रहे थे। बरामद किए गए वाहन मधुरानगर, खैरताबाद, मीरपेट, राजेंद्रनगर, हुमायूंनगर, पाटनचेरुवु, गुडिमल्कापुर, आबिद रोड, सरूरनगर, चंद्रयानगुट्टा, हुमायूंनगर और अन्य पुलिस स्टेशनों से चुराए गए थे।

गर्मी के कारण झीलों में मर रही हैं मछलियां

किसानों को उठाना पड़ रहा नुकसान

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की झीलों में भीषण गर्मी के चलते मछलियां मरने लगी हैं, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। बढ़ते तापमान के कारण, पोलकम्मा चेरुवु और कामुनी चेरुवु सहित झीलों का पानी अत्यधिक गर्म हो रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर मछलियां मर रही हैं। तापमान में वृद्धि के साथ, घुलनशील ऑक्सीजन की घुलनशीलता कम हो जाती है और इसकी उपलब्धता कम हो जाती है। इसके साथ ही, तापमान में वृद्धि से चयापचय बढ़ता है, जिससे ऑक्सीजन की मांग बढ़ जाती है। इस प्रकार, जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है, जबकि इसकी मांग बढ़ जाती है, जिससे मांग-आपूर्ति में असंतुलन पैदा हो जाता है। इसके अतिरिक्त, मछलियों के पास पानी के अधिकतम तापमान के संबंध में सहनशीलता की सीमा होती है जिसमें वे जीवित रह सकती हैं।

राज्य में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है, जिससे तेलंगाना भर की झीलों में मछलियों की मौत हो रही है। इसके अलावा, तेलंगाना के कई जिलों में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। हैदराबाद में भी तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मोबाइल फोन टावर से कूदकर युवक ने दी जान

एक माह पूर्व पत्नी छोड़कर चली गई थी मायके

कुमराम भीम आसिफाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोउटाला मंडल के गुरुडुपेट गांव में शनिवार रात एक मोबाइल फोन टावर से कूदने के बाद एक 34 वर्षीय व्यक्ति की कथित तौर पर मौत हो गई। कोटाला के उप-निरीक्षक एन मधुकर ने कहा कि गुरुदपेट के बोगरापु भीम राव टॉवर से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश के बाद टॉवर के बीच में मृत पाए गए। वह कथित तौर पर तब उदास था जब उसकी पत्नी एक महीने पहले उसे छोड़कर चली गई थी।

उसने कथित तौर पर शराब के नशे में पहले भी इसी तरह के प्रयास किए थे। कथित तौर पर राव शराब का आदी था और बेरोजगार था। वह कथित तौर पर नशे की हालत में अपनी पत्नी सौजन्या के साथ बहस करता था। उसके व्यवहार से परेशान होकर सौजन्या हाल ही में अपने माता-पिता के घर वापस चली गई।

प्रसव के बाद महिला की मौत, लापरवाही का आरोप

मंचेरियल, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को यहां एक निजी अस्पताल में कथित तौर पर डॉक्टरों की लापरवाही के कारण एक महिला की बच्चे को जन्म देने के बाद मौत हो गई। बेल्लमपल्ली शहर की रावलिका (25) ने नंदिनी अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया था। प्रसव के बाद जब उसे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ तो उसे मेडलाइफ अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, इलाज के दौरान उन्होंने आखिरी सांस ली। महिला के माता-पिता और परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण उसकी मौत हुई। उन्होंने डॉक्टरों को उसकी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए धरना दिया। हालांकि, जब पुलिस ने उन्हें घटना की जांच करके न्याय का आश्वासन दिया, तो उन्होंने अपना विरोध वापस ले लिया।

पूछे जाने पर अस्पताल के डॉक्टर कुमार स्वामी ने आरोप से इनकार किया और कहा कि डॉक्टरों ने महिला को बचाने की पूरी कोशिश की थी। प्रसव के बाद उसे गंभीर रक्तस्राव हुआ, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और सुबह उनकी हालत बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि दोपहर तक उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि रावलिका के परिवार के सदस्यों से मिली शिकायत के आधार पर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

फुटपाथ विक्रेता की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुड़ीमलकापुर पुलिस ने सोमवार को एक किशोर सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने कथित तौर पर एक फुटपाथ विक्रेता की हत्या कर दी थी जब उसने उसका मोबाइल फोन छीनने की कोशिश का विरोध किया था। पुलिस ने कहा कि उन्होंने दोनों के पास से एक चाकू बरामद किया है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने सोमवार को कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति गोलकुंडा निवासी मोहम्मद अजीज कुरेशी उर्फ सोहेल (19), 17 वर्षीय किशोर के साथ 30 अप्रैल को चोरी की बाइक पर गुडीमलकापुर गए थे। मृतक सनाउल्लाह, जिसके हाथ में उसका मोबाइल फोन था, को देखते ही संदिग्धों ने मौका पाकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित ने उनका विरोध किया और उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तभी एक संदिग्ध ने उस पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने विशेष टीमें बनाकर उनका पता लगाया और सोमवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक फुटपाथ विक्रेता सनाउल्लाह की हत्या के मामले से पहले आरोपी कुरेशी चोरी, डकैती और हत्या के प्रयास के आठ मामलों में शामिल है। हैदराबाद सीपी ने कहा कि हमें पता चला है कि चोरी किए गए फोन को श्रीलंका, मलेशिया और सूडान में तस्करी कर लाया जा रहा है, जहां उन्हें नवीनीकृत किया जाता है और बाजार में बेचा जाता है। हैदराबाद सीपी ने कहा कि पुलिस यह पता लगाएगी कि जब घटना हुई तो आसपास कोई पुलिस गश्ती क्यों नहीं थी? अधिकारी ने कहा कि यह जांचने के लिए एक अध्ययन किया जाएगा कि गश्ती पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचने में देरी क्यों हो रही है?

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Asokan. T s/o Kunjakkan R/o Vill : Palayad Nada, PO:Palayada Nada, Teh:Vadakara ,Dist Kozhikode State Kerala, pin: 673521. have changed my date of birth and Name from 06 march 1964 Asokan T to 20 March 1965 Asokan vide Affidavit dt 06/05/2024 before Judicial magistrate court Hyderabad..

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सपा ने चुनाव के बीच प्रदेश अध्यक्ष बदला

8 साल बाद नरेश उत्तम की जगह श्यामलाल पाल को जिम्मेदारी; गैर-यादव पर अखिलेश का फोकस

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के 2 चरण के बाद समाजवादी पार्टी ने अपना प्रदेश अध्यक्ष बदल दिया है। नरेश उत्तम पटेल की जगह श्यामलाल पाल को नियुक्त किया है। नरेश फतेहपुर लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। अखिलेश यादव का यह फैसला पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक यानी पीडीए फार्मूले के तहत देखा जा रहा है।

श्याम लाल पाल प्रयागराज के रहने वाले हैं। पार्टी में प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे पहले महासचिव रहे हैं। गैर- यादव ओबीसी के पाल समुदाय से हैं। जबकि नरेश उत्तम ओबीसी के कुर्मी समुदाय से थे। श्यामलाल 2007 से सपा से जुड़े हैं। वह मोहिउद्दीनपुर गांव के रहने वाले हैं। इंटर कॉलेज से प्रधानाचार्य के पद से रिटायर हैं। अपना दल के टिकट पर प्रतापपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए। सपा ने 8 साल बाद प्रदेश अध्यक्ष बदला है। साल 2017 में जब अखिलेश और चाचा शिवपाल के बीच विवाद हुआ तो अखिलेश ने शिवपाल को अध्यक्ष पद से हटाकर नरेश को कुर्सी सौंपी थी। यूपी में करीब 52% ओबीसी वोट बैंक हैं। यह अखिलेश का बड़ा प्रयोग माना जा रहा है।

श्याम लाल पाल
नए प्रदेश अध्यक्ष

नरेश उत्तम पटेल
अध्यक्ष पद से हटाया

क्यों बदला गया प्रदेश अध्यक्ष

पश्चिम यूपी में 2 फेज में चुनाव हो चुका है। श्यामलाल पाल प्रयागराज के रहने वाले हैं। पूर्वांचल से जुड़ी कुछ सीटों पर उनका प्रभाव है। श्यामलाल जिस पाल समुदाय से हैं। पूर्वांचल की 10 से 12 सीटों पर पाल जाति का वोट बैंक 3 से 5% के बीच है। अखिलेश ने अब तक परिवार के अलावा किसी यादव प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया। इसलिए, वह ओबीसी की दूसरी जातियों पर फोकस कर रहे हैं। श्याम लाल के सोशल मीडिया X पर 1300 जबकि नरेश पाल उत्तम के 2.70 लाख फॉलोअर हैं। वहीं, शिवपाल यादव के 12 लाख फॉलोअर रहे हैं।

बसपा ने भी पाल समुदाय से बनाया था प्रदेश अध्यक्ष

राजनीतिक जानकार कहते हैं कि पाल समुदाय बसपा का वोट बैंक माना जाता है। लोकसभा चुनाव से पहले मायावती ने भीम राजभर की जगह विश्वनाथ पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। अखिलेश का श्याम पाल को अध्यक्ष बनाने का फैसला बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी माना जा रहा है। पूर्वांचल के अलावा, बुंदेलखंड और रुहेलखंड में भी पाल जाति का असर है। पाल जाति ओबीसी की अति पिछड़ी जातियों में है, जिसे गड़रिया और बघेल जातियों के नाम से जाना जाता है। यह वोट बैंक बदायूं से लेकर बरेली, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, हाथरस जैसे जिलों में भी अच्छी-खासी तादाद में है।

रिश्तेदारी में आए तीन युवकों की घाघरा नदी में डूबकर मौत

बहराइच, 6 मई (एजेंसियां)। बहराइच जिले के जरवलरोड थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदारी में लखनऊ से आए पांच लोग सोमवार को घाघरा नदी में नहाते समय डूब गए। इनमें से तीन लोगों की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची पुलिस में स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को पानी से बाहर निकलवाया उसके बाद तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की माने तो क्षेत्र के ग्राम तप्पेसिपाह के पूर्व बीडीसी रामतेज निषाद के यहां बीते माह 25 अप्रैल को उनके लड़के धर्मेंद्र निषाद की शादी लखनऊ से हुई थी। शादी के बाद लखनऊ से लड़की का भाई श्रवण निषाद अन्य चार युवकों के साथ अपनी बहन की विदाई करवाने तप्पेसीपाह आए थे। पांचों युवक नहाने के लिए घाघरा नदी पहुंच गए। नदी में नहाते समय एक युवक डूबने लगा जिसे अन्य चारों युवक बचाने लगे। पानी गहरा होने के कारण दो और युवक डूब गए और दो किसी तरह जान बचा पाए।

प्रमोद कृष्णम बोले- राहुल राममंदिर पर फैसला पलटना चाहते हैं

करीबियों से कहा था-सरकार बनी तो शाह बानो केस की तर्ज पर फैसला पलटेंगे

मुरादाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह राम मंदिर पर फैसला पलटना चाहते हैं। सोमवार को यूपी के संभल में एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा-जब राम मंदिर का फैसला आया तो राहुल गांधी ने अपने करीबियों के साथ बैठक की थी। उसमें राहुल ने कहा था- कांग्रेस की सरकार बनने के बाद वह एक सुपर पावर कमेटी बनाएंगे। राम मंदिर के फैसले को वैसे ही पलट देंगे, जैसे राजीव गांधी ने शाह बानो के फैसले को पलट दिया था। प्रमोद कृष्णम ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी टीम देश को किसी न किसी बहाने से तोड़ना चाहती है। मैं कांग्रेस में 32 साल से ज्यादा समय तक रहा हूं। पहले की कांग्रेस और वर्तमान कांग्रेस में काफी फर्क है।

राहुल की टीम- देश को जाति, धर्म और भाषा के नाम पर बांट रही

प्रमोद कृष्णम ने कहा- कांग्रेस पार्टी की जब स्थापना हुई थी तो देशभक्त नेता थे। उस वक्त की कांग्रेस ने देश को जोड़ने का काम किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने भारत को जोड़ने का काम किया। वर्तमान की कांग्रेस देश को तोड़ना चाहती है। राहुल गांधी और उनकी टीम देश को जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर तोड़ने में जुटी हुई है। इसलिए वह गलत बयानबाजी कर रहे हैं।

मंदिर जाने से कोई हिंदू नहीं हो जाता

प्रमोद कृष्णम ने कहा- मंदिर जाने से कोई हिंदू नहीं बन जाता या सिर्फ मस्जिद में जाने से कोई मुसलमान नहीं बन जाता। जो ईसा मसीह में विश्वास नहीं करता, वह ईसाई नहीं हो सकता। उसी तरह, जो भगवान राम से नफरत करता है, वह हिंदू नहीं हो सकता। दुनिया जानती है कि राम मंदिर निर्माण को रोकने के प्रयासों ने सनातन धर्म में विश्वास करने वालों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इस तथ्य पर कोई पर्दा नहीं है कि भगवान राम से कौन प्यार करता है या कौन नफरत करता है।

कृष्णम ने कांग्रेस से दो बार लड़ा लोकसभा चुनाव

प्रमोद कृष्णम (59) संभल के गांव ऐचोड़ा कम्बोह के रहने वाले हैं। फिलहाल गाजियाबाद और दिल्ली में रहते हैं। कांग्रेस ने साल 2014 में संभल और 2019 में लखनऊ से प्रत्याशी बनाया था। संभल में 2014 में मोदी लहर में मात्र 16034 वोट मिले थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रमोद कृष्णम को लखनऊ लोकसभा सीट से 1 लाख 80 हजार 11 वोट मिले।

दूसरे के बदले नीट एग्जाम देते पकड़े गए 11 लोग

पटना-पूर्णिया से 7 मेडिकल स्टूडेंट गिरफ्तार

पटना, 6 मई (एजेंसियां)। बिहार के साथ पूरे देश में रविवार को नीट की परीक्षा ली गई। इसमें पूरे देश से करीब 24 लाख से ज्यादा कैंडिडेट शामिल हुए। बिहार में नीट की परीक्षा में सॉल्वर गैंग के 11 लोग गिरफ्तार हुए हैं। ये दूसरे के बदले परीक्षा दे रहे थे। पटना पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 3 मेडिकल स्टूडेंट हैं। वहीं पूर्णिया से भी 4 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। सभी मेडिकल स्टूडेंट हैं। इसको साथ ही गोपालगंज पुलिस ने भी एक छात्र को गिरफ्तार किया है।

पूर्णिया से पकड़े गए डमी कैंडिडेट राजस्थान के जालौर, भोजपुर, बेगूसराय और सीतामढ़ी के हैं। सभी परीक्षार्थी को शहर के मधुबनी टीओपी थाना के एसआरडीएसी स्कूल के एग्जाम सेंटर से पकड़ा गया है। वहीं, गोपालगंज से पकड़ा गया छात्र राजस्थान का रहने वाला है। उसकी पहचान बाड़मेर जिले के कुडला गांव निवासी प्रह्लाद राम के बेटे सतीश कुमार के रूप में की गई है। इस मामले को लेकर राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने मोदी सरकार को घेरा है। राहुल ने कहा कि मोदी सरकार सभी के लिए अभिशाप बन चुकी है। पूर्णिया में रविवार को नीट की परीक्षा के दौरान परीक्षा का पेपर लिखते 4 मुन्ना भाई पकड़े गए थे। ये डमी कैंडिडेट दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे थे। डील 20 लाख में तय हुई थी। पेपर पूरी होने के बाद प्रति कैंडिडेट 5 लाख मिलने थे। पकड़े गए परीक्षार्थी से पूछताछ जारी है। पकड़े गए पहले डमी कैंडिडेट्स की पहचान राजस्थान के जालौर जिले के सांचौर थाने के खाका राम गांव निवासी कमलेश कुमार के रूप में हुई है।

स्वामी प्रसाद पर जूता फेंकने वाले पर 11 लाख इनाम

पार्टी प्रत्याशी बोले-हाथ काटने वाले को दूंगा, 3 दिन पहले किया था हमला

आगरा, 6 मई (एजेंसियां)। फतेहपुर सीकरी से स्वामी प्रसाद की पार्टी के प्रत्याशी होतम सिंह ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा- स्वामी पर जूता फेंकने वाले का हाथ काटने पर 11 लाख का इनाम देंगे। स्वामी 3 मई को होतम सिंह का प्रचार करने गए थे, तभी उन पर हमला हुआ। होतम सिंह ने वीडियो बयान जारी किया। कहा- धर्मेंद्र धाकड़ ने हमारे नेता पर काली स्याही फेंकी। काले झंडे दिखाए। इससे भी मन नहीं भरा, तो भरी सभा में जूता फेंका। यह ओबीसी और निषाद समाज का अपमान है। निषाद समाज दरिया में डुबाना जानता है, तो निकालना भी जानता है।

होतम सिंह ने कहा- सामंतवादी विचारधारा के लोगों को निषाद समाज के बेटे का सजाया मंच रास नहीं आया। इसलिए यह काम किया। धर्मेंद्र धाकड़ का हाथ और हिंदुत्ववादी नेता संजय जाट की जुबान काटकर लाने वाले को 11 लाख का इनाम दूंगा। होतम सिंह के इस बयान के बाद हिंदू संगठन के नेताओं ने धर्मेंद्र धाकड़ को पुलिस सुरक्षा देने की मांग की है।

रामचरितमानस की पंक्तियों पर बोले होतम

वीडियो में होतम सिंह निषाद ने कहा- हिंदुत्व और सनातन के बारे में स्वामी बहुत जानकारी रखते हैं। तुलसीदास ने शूद्रों की ढोल, गंवार और पशुओं से तुलना की। शूद्र चाहे कितना भी विद्वान हो जाए, पूज्यनीय नहीं है। ब्राह्मण हर हाल में पूज्यनीय है। यह विवादित है। वाल्मीकि की लिखी गई रामायण पर कोई सवाल क्यों नहीं उठाता? होतम सिंह ने कहा-पुलिस ने जूता मारने वाले के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद हिंदू महासभा की ओर से भड़काने वाला वीडियो जारी किया गया। कोई हमारे नेता और समाज को गाली देगा, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। मेरे लिए चुनाव बाद में है, पहले समाज है। समाज की ओर से 11 लाख रुपए का इनाम चंदा कर दिया जाएगा।

होतम सिंह के पास है 88.07 लाख की संपत्ति

चुनावी हलफनामे के मुताबिक, होतम सिंह के पास कुल 88.07 लाख की संपत्ति है। इसमें चल 6.27 लाख और अचल संपत्ति 81.8 लाख है। उन पर 3.82 लाख का लोन है। सोर्स ऑफ इनकम हलवाईगीरी और खेती-किसानी बताया गया। होतम ने साल 2012 में बीएससी किया था। 2022 में भी लड़ा था चुनाव

होतम सिंह फतेहाबाद के रहने वाले हैं। 2022 में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर फतेहाबाद विधानसभा से चुनाव लड़ा था। इसमें वह हार गए थे। इस बार वह स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) से चुनाव लड़ रहे हैं।

तेजस्वी की हालत केजरीवाल और सोरेन जैसी होगी

विजय सिन्हा बोले-चुनाव के बाद उनके कामों की जांच करेंगे; करप्शन से संपत्ति जमा की है

बेगूसराय, 6 मई (एजेंसियां)। बेगूसराय में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद तेजस्वी यादव के कार्यकाल में किए गए कामों की जांच कराई जाएगी। उपमुख्यमंत्री और पांच विभाग के मंत्री रहते हुए तेजस्वी यादव ने बड़ी गड़बड़ी की है। विजय सिन्हा ने कहा कि अगुवानी घाट पुल ध्वस्त होने के मामले में तेजस्वी ने गड़बड़ी की थी। उस पर कार्रवाई करने के बदले माल लेकर लीपापोती कर दी। लोगों ने इसकी शिकायत की है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कराएंगे। ऐसे भ्रष्ट कार्यों से जो अकूत संपत्ति अर्जित की गई है, चुनाव के बाद उसकी जांच होगी। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा था हम बख्शेंगे नहीं, इसलिए वह लोग भयभीत हैं। जिनको इन्होंने प्रमोशन दिया, जिसे इन लोगों ने प्रभावित होकर बढ़ाने का कार्य किया है, वह बख्शे नहीं जाएंगे। अकूत संपत्ति बनाने का काम किया है। पीएचईडी विभाग के 1100 टेंडर हमने एक बार में रद्द करने का आदेश दे दिया है। बालू माफिया पर शिकंजा कसने का आदेश दिया है, चुनाव के बाद इसका असर दिखाई देने लगेगा। विजय सिन्हा के बयान पर राजद ने पलटवार करते हुए कहा है कि सबको पता है नीतीश जी के नेतृत्व में मंत्री काम कर रहे थे।

केजरीवाल और सोरेन जैसी होगी हालत

विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इनकी भी वही दशा होगी जो दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की हुई है। जिसने जनता की गाढ़ी कमाई लूटी है, उसकी दुर्दशा तय है। विजय सिन्हा ने आगे कहा कि बड़बोले पिता के बड़बोले पुत्र झूठ और भय का वातावरण बना रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले

आतंकवाद का हुआ सफाया, अब देश में पटाखा भी फूटने पर पाकिस्तान देता सफाई

उन्नाव, 6 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को उन्नाव के भगवंतनगर में चुनावी जनसभा करने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सिद्धपीठ मां चंडिका देवी को नमन किया, कलम और तलवार की धरती को प्रणाम करते हुए प्रथम स्वाधीनता संग्राम के सेनानियों, क्रांतिकारियों और सहित्यकारों को नमन करते हुए भाषण शुरुआत की। सीएम ने सरकार की योजनाएं गिनाईं, वहीं विपक्षी दलों पर हमला भी बोला। सपा पर हमला करते हुए कहा कि सपा सरकार में नौजवानों के हाथ में तमंचा होता था, हमारी सरकार में टेबलेट है। सरकार सौ प्रतिशत रोजगार देने जा रही है। दस साल में हुए बदलावों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत को वैश्विक सम्मान मिला, देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। हमने आतंकवाद और नक्सलवाद की कमर तोड़ी है। गरीब कल्याण की योजनाओं की तो गिनती ही नहीं है। कहा कि मोदी जी ने आतंकवाद का खात्मा कर दिया। आज हमारे देश में पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सामने आकर सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर पर आतंकी हमला हुआ, आतंकवादी के मुकदमों को समाजवादी ने वापस लिया था। इंडिया गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि भगवान राम के सब द्रोही हैं और जो राम का विरोधी वो हमारा विरोधी है।

लव कुश पटेल होंगे लोक सभा के प्रत्याशी

बस्ती, 6 मई (एजेंसियां)। नामांकन के आखिरी दिन 7 मई को जिले में बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिला। बसपा से घोषित उम्मीदवार दयाशंकर मिश्र के टिकट कटने की अचानक खबर तैरने लगी। इससे सियासी गणितज्ञों की उलझन बढ़ गई। कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर से लेकर सोशल मीडिया तक बसपा प्रत्याशी के टिकट कटने की चर्चाएं आम हो गई। इसी बीच नामांकन के आखिरी लम्हों में लगभग 2.30 बजे बसपा के नए प्रत्याशी के रूप में लवकुश पटेल अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित नामांकन कक्ष में दाखिल हो गए। उन्होंने बसपा सुप्रीमो के पत्रक के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और बसपा के अधिकृत प्रत्याशी होने का दावा किया।

बाहुबली अनंत सिंह की सीएम नीतीश ने की खूब तारीफ

विधायक नीलम देवी की तरफ देखकर कही यह बातें

पटना, 6 मई (एजेंसियां)। 13 मई को मुंगेर में लोक सभा चुनाव का मतदान है, जहां ललन सिंह एनडीए के उम्मीदवार हैं। ललन सिंह की जीत को सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रचार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुंगेर संसदीय क्षेत्र के पंडारक में आयोजित चुनावी सभी में पहुंचे। उस चूनावी सभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंच पर मोकामा विधायक व बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी भी मौजूद थी। नीतीश कुमार अपने भाषण के दौरान कहा कि बीच में थोड़ा-बहुत इधर-उधर हो गये थे लेकिन अब देखिए वह भी साथ आ गई हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाहुबली अनंत सिंह की भी जमकर तारीफ़ की।

तेजस्वी यादव पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि यह लोग पूरा गड़बड़ कर रहा था. माल कमाने के चक्कर में था, इसलिए हमने उन लोगों का साथ छोड़ दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के बाद तो हम जांच तो करायेंगे ही। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1995 से हम लोग भाजपा के साथ हैं। बीच में दो बार हम इधर-उधर हो गये थे, लेकिन अब हम साथ साथ हैं।

अनंत सिंह की पत्नी को देखकर कही यह बात

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी और जनता दल यूनाइटेड की विधायक नीलम देवी की ओर देखते हुए कहा कि इनके पति से हमारा संबंध पुराना है। बीच में थोड़ा बहुत इधर-उधर हुआ, लेकिन वह खत्म होकर फिर दोबारा आ गए हैं। इनके पिताजी से हमारे पिताजी का पुराना रिश्ता था। हम लोग 95 से साथ हैं ।

ललन सिंह को जिताने की मांग

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी ललन सिंह को जीताने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपलोगों ने हमें पांच बार जीताकर संसद भेजा है, उसी तरह से अब ललन सिंह यहां से आपके सांसद हैं। इन्होने बिना किसी की कोई जाति को देखते हुए सबके लिए काम किया है। इसलिए आपलोग इनकी जीत को सुनिश्चित कीजिये।

5 करोड़ की जमीन पर लॉ-फर्म बनाने वाला था अतीक

हाईकोर्ट के पास 14 लाख में जबरन लिखवाई थी भूमि, कुर्की की फाइल शासन को भेजी

प्रयागराज, 6 मई (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद, अशरफ और उनके परिवार की नामी-बेनामी संपत्तियों की जांच जारी है। अतीक की 5 करोड़ कीमत की जमीन की जांच कर दस्तावेजों को शासन को भेजा जा रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के पास अतीक 5 करोड़ की जमीन पर लॉ फर्म बनाने वाला था। इस जमीन की रजिस्ट्री अतीक ने जबरन 14 लाख में अपने नाम कराई थी। अब सरकार इसे कुर्क करने की तैयारी में है।

असल में माफिया अतीक अपने बड़े बेटे उमर अहमद को बड़ा वकील बनाने का सपना देख रहा था। उमर दिल्ली में रहकर लॉ की पढ़ाई भी करने लगा था। अतीक चाहता था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के आसपास उसके बेटे की लॉ फर्म बने। यहीं से बैठकर उसका बेटा वकालत करे। अब इसी जमीन को अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति के तहत कुर्क करने की तैयारी है।

हाईकोर्ट के पास जमीनों पर रसूखदारों ने कब्जा किया तो हुआ खुलासा

उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक के आईएस-227 गैंग पर कार्रवाई शुरू हुई तो बेनामी-नामी करोड़ों की संपत्तियां ईडी और पुलिस की निगाह में आ गईं। इसी बीच अतीक और अशरफ की हत्या हो गई। इसके बाद हाईकोर्ट के पास इस जमीन पर कुछ रसूखदार लोगों ने कब्जे की कोशिश की। मामले को लेकर हंगामा मचा तो प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने जांच कर जमीन पर से कब्जा हटवा दिया।

अब इस जमीन के दस्तावेज खंगाले गए तो अतीक की इस जमीन का पर्दाफाश हुआ। साफ हुआ कि अतीक ने औने-पौने दाम पर इस जमीन का सौदा किया था। माफिया ने दबंगई के बल पर इस जमीन को 14 लाख रुपए में लिया था। जबकि मौजूदा वक्त में इसकी कीमत बिल्डर पांच करोड़ तक बता रहे हैं।

जौनपुर से धनंजय सिंह की पत्नी का टिकट कटा:श्याम सिंह यादव को उतारा

जौनपुर, 6 मई (एजेंसियां)। जौनपुर से बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी का टिकट मायावती ने ऐनवक्त पर काट दिया। बसपा ने सांसद श्याम सिंह यादव को मैदान में उतारा है। श्याम सिंह जौनपुर से बसपा के मौजूदा सांसद हैं। दोपहर 2 बजे श्याम सिंह ने नामांकन कर दिया। जौनपुर में 6वें चरण में 25 मई को वोटिंग है।

इस सीट पर आज नामांकन की आखिरी तारीख है। बसपा के जिला अध्यक्ष संग्राम भारती ने श्रीकला का टिकट काटे जाने की पुष्टि की है। श्याम सिंह यादव ने दैनिक भास्कर से कहा- मुझे आज लखनऊ से मुंबई जाना था। रात करीब 1 बजे बहन मायावती का फोन आया। उन्होंने कहा कल सुबह आपको नामांकन करना है। कागजात तैयार कर लीजिए। हमने कहा ठीक है।

1 मई को श्रीकला ने किया था नामांकन

बसपा ने 16 अप्रैल को जौनपुर से श्रीकला रेड्डी को टिकट दिया था। 1 मई को श्रीकला ने नामांकन किया। धनंजय सिंह उसी दिन बरेली जेल से जमानत पर रिहा हुए थे। भाजपा ने यहां से महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह को मैदान में उतारा है। सपा ने यूपी सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके बाबू सिंह कुशवाह को टिकट दिया है। यादव प्रत्याशी मैदान में उतरने से जौनपुर से सपा प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाह के सामने चैलेंज बढ़े हैं। अगर यादव वोट बंटा तो भाजपा की राह आसान हो सकती है। बसपा ने इससे पहले मैनपुरी से टिकट बदला था। गुलशन देव शाक्य का टिकट काटकर डिंपल यादव के सामने यादव प्रत्याशी शिव प्रसाद यादव को उतारा था। बसपा की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं दी गई। बसपा जिलाध्यक्ष संग्राम भारती से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा-टिकट काटने की वजह उन्हें नहीं पता है। यह शीर्ष नेतृत्व का फैसला है। हालांकि, जानकारों के मुताबिक इसकी दो वजह दिख रहीं हैं।

तीसरा फेज, 11 राज्यों की 93 सीटों पर वोटिंग आज

एमपी में मामा, महाराजा और राजा की किस्मत दांव पर; महाराष्ट्र में ननद-भौजाई मैदान में

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज में मंगलवार (7 मई) को 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर वोटिंग होगी। पहले इस फेज में 10 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 95 सीटें थीं, लेकिन 21 अप्रैल को सूरत से कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा रद्द होने और 8 कैंडिडेट के नामांकन वापस लेने के बाद भाजपा के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

वहीं जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम की वजह से अनंतनाग-राजौरी सीट का चुनाव टाल दिया गया है। अब यहां छठे फेज में 25 मई को वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा मध्य प्रदेश की बैतूल सीट से बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद सेकेंड फेज (26 अप्रैल) को होने वाली वोटिंग 7 मई को शिफ्ट कर दी गई।

मध्य प्रदेश की तीन सीटों- विदिशा से शिवराज सिंह चौहान (मामा), गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया (महाराजा) और राजगढ़ से दिग्विजय सिंह (राजा) की किस्मत दांव पर है। इसके अलावा महाराष्ट्र की अमरावती सीट पर शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार यानी ननद-भौजाई के बीच सीधा मुकाबला है। चुनाव आयोग के अनुसार, तीसरे फेज में कुल 1352 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1229 पुरुष और 123 (9%) महिला हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, 244 कैंडिडेट्स आपराधिक छवि के हैं। 392 कैंडिडेट्स के पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति हैं।

एडीआर की रिपोर्ट बताती है, 244 (18%) उम्मीदवारों पर आपराधिक केस हैं। इनमें से 172 (13%) पर हत्या, अपहरण, बलात्कार जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं। 5 उम्मीदवारों पर हत्या और 24 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। 38 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इनमें से दो पर बलात्कार के मामले चल रहे हैं। वहीं, 17 कैंडिडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं।

तीसरे चरण में 392 उम्मीदवार करोड़पति

एडीआर के मुताबिक, तीसरे फेज के 1352 उम्मीदवारों में से 392 यानी 29% उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास औसतन 5.66 करोड़ रुपए की संपत्ति है। वहीं, पांच उम्मीदवार ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपनी संपत्ति शून्य बताई है। महाराष्ट्र की कोल्हापुर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी इरफान अबूतालिब चांद की संपत्ति सबसे कम केवल 100 रुपए है। वहीं, गुजरात की बारडोली सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रत्याशी रेखाबेन हरसिंहभाई चौधरी ने अपनी संपत्ति 2000 रुपए घोषित की है।

647 उम्मीदवारों पर कर्जदारी

तीसरे चरण के 647 (48%) प्रत्याशियों पर उधारी चल रही है। मध्य प्रदेश की मुरैना सीट से बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग के ऊपर सबसे ज्यादा देनदारी है। हैरान करने वाली बात यह है कि उनके ऊपर 351.61 करोड़ रुपए की देनदारी है, जबकि उनकी कुल संपत्ति करीब 16.47 करोड़ रुपए की है। सबसे ज्यादा सालाना आय के मामले में महाराष्ट्र की माढा सीट से भाजपा के रंजीतसिंह हिंदूराव नाइक निंबालकर टॉप पर हैं। उनकी कुल वार्षिक आय करीब 44.57 करोड़ रुपए है। इन्होंने व्यापार और कृषि को अपनी आय का स्रोत बताया है। कुल 1352 उम्मीदवारों में से 591 (44%) उम्मीदवार ग्रेजुएट हैं, जबकि 19 उम्मीदवारों ने खुद को निरक्षर बताया है। वहीं, 411 (30%) उम्मीदवारों की आयु 25 से 40 साल और 228 (17%) की आयु 61 से 80 साल के बीच है, जबकि एक प्रत्याशी की आयु 84 साल है।

जेपी नड्डा, अमित मालवीय और बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ एफआईआर

कर्नाटक कांग्रेस का आरोप-भाजपा ने एससी-एसटी समुदाय को भड़काने वाली पोस्ट की

बेंगलुरु, 6 मई (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय और कर्नाटक भाजपा यूनिट के प्रमुख बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ कर्नाटक कांग्रेस ने एफआईआर दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एससी-एसटी समुदाय के लोगों को डराने की कोशिश की है, ताकि वे एक खास कैंडिकेट के लिए वोट न करें।

रविवार को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इलेक्शन कमीशन और बेंगलुरु पुलिस के पास आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, भाजपा नेताओं के खिलाफ रेप्रिजेंटन ऑफ पीपुल्स एक्ट और आईपीसी के सेक्शन 505 (2) (समुदायों के बीच नफरत, दुश्मनी या बैर बढ़ाने के लिए बयान देना) के तहत केस दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एनिमेटिड वीडियो पर हुआ विवाद

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एंड कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन रमेश बाबू ने शिकायत में लिखा है कि कहा कि जिस पोस्ट की बात हो रही है, वह एक एनिमेटिड वीडियो था। इसमें राहुल गांधी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के ऐनिमेटिड किरदार दिखाए गए थे।

इस क्लिप में एससी, एसटी, ओबीसी समुदायों को एक घोंसलें में अंडों की तरह दिखाया गया है और ऐसा बताया गया है कि राहुल गांधी मुस्लिम समुदाय नाम का एक बड़ा अंडा इस घोंसलें में रख रहे हैं। वीडियो में ऐसा दिखाने की कोशिश की गई है कि सारे फंड्स मुस्लिम समुदाय वाले अंडे से निकले चूजे को खिलाए जा रहे हैं, और यह चूजा बाद में एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय को घोंसले से बाहर कर रहा है।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बोले- भाजपा ने एस/एसटी समुदाय का अपमान किया

रमेश बाबू ने कहा कि कर्नाटक भाजपा ने अपने आधिकारिक X हैंडल पर यह वीडियो पोस्ट किया था, जिससे पता चलता है कि भाजपा दिखाना चाहती है कि कांग्रेस मुस्लिम समुदाय को ज्यादा तवज्जो देता है। ऐसा करके भाजपा वोट पाना चाहती है। लेकिन, भाजपा के इस एक्शन से भाजपा के राष्ट्रीय अधक्ष जेपी नड्डा, सोशल मीडिया हेड अमित मालवीय और कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष और सोशल मीडिया इनचार्ज बीवाई विजयेंद्र यह एससी-एसटी समुदाय को अपमानजनक तरीके से दिखाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वीडियो में एससी-एसटी समुदाय को मुस्लिम समुदाय से किक पड़ते हुए दिखाकर भाजपा एससी-एसटी समुदाय के लोगों को कांग्रेस के कैंडिडेट को वोट करने से रोकना चाहती है। भाजपा यह दिखाना चाहती है कि अगर एससी-एसटी समुदाय ने कांग्रेस के कैंडिडेट को वोट किया तो उनके हिस्से के फंड्स को कांग्रेस मुस्लिमों में बांट देगी।

भाजपा का यह एक्शन एससी/एसटी प्रिवेंशन ऑफ एट्रॉसिटीज एक्ट, 1989 के तहत दंडनीय है। कर्नाटक कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन में भी जेपी नड्डा, अमित मालवीय और बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

मुंबई दंगा मामले में निर्देशों का पालन न होने पर कोर्ट नाराज

कहा-रिपोर्ट दाखिल करे राज्य सरकार

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया है कि 1992 में मुंबई दंगों में लापता लोगों के परिजनों को मुआवजा देने के लिए जारी किए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। इससे पहले 4 नवंबर 2022 को मामले में कुछ निर्देश दिए थे लेकिन इनका पालन नहीं किया जा रहा था। इस पर न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्ज्वल भुयान की पीठ ने नाराजगी जताई है। महाराष्ट्र के डीजीपी और गृह विभाग को दिए निर्देश शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक और राज्य के गृह विभाग से जस्टिस बी एन श्रीकृष्णा आयोग की सिफारिशों पर गौर करने को कहा है। यह भी निर्देश दिया है कि इसे लेकर 19 जुलाई से पहले एक अनुपालन रिपोर्ट भी दाखिल करें। इस मामले में एक स्वतः संज्ञान वाली याचिका पर अब 26 जुलाई को अगली सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुंबई दंगों की परिस्थितियों, घटनाओं, कारणों और तमाम पहलुओं की जांच के लिए, 25 जनवरी 1993 को राज्य सरकार द्वारा न्यायमूर्ति श्रीकृष्णा की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया था। 2022 में श्रीकृष्णा आयोग की सिफारिशों को राज्य सरकार ने स्वीकार किया था। इस मामले में अदालत ने राज्य सरकार को एक महीने के भीतर 97 मामलों की निष्क्रिय फाइलों का विवरण बॉम्बे हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार इन मामलों में लापता हुए आरोपियों का पता लगाने के लिए जल्द से जल्द एक स्पेशल सेल का गठन करें, ताकि मुकदमे पर आगे की कार्यवाही की जाए।

अदालत में दाखिल करें रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में राज्य सरकार को यह निर्देश भी दिया है कि मुंबई दंगों में लापता हुए 168 लोगों की जानकारी को लेकर एक रिपोर्ट अदालत में दाखिल करें। बता दें कि मार्च 2020 में महाराष्ट्र के गृह विभाग ने अदालत में एक हलफनामा दिया था। इसमें बताया गया था कि मुंबई दंगों के दौरान 900 लोगों की मौत हुई थी और 168 लोग लापता हो गए थे। 168 लापता लोगों में से 60 लोगों के परिवारों को मुआवजा दिया गया है।

आम आदमी पार्टी के कैंपेन सॉन्ग 'जेल का जवाब वोट से' को मंजूरी

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के कैंपेन सॉन्ग 'जेल का जवाब वोट से' को चुनाव आयोग ने अधिकारिक मंजूरी दे दी है। सोमवार को पार्टी मुख्यालय में यह जानकारी साझा करते हुए आप के वरिष्ठ नेता दिलीप पांडे ने कहा कि हम भाजपा के दबाव में नहीं झुके। इसका परिणाम यह हुआ कि चुनाव आयोग को हमारे कैंपेन सॉन्ग को अनुमति देनी पड़ी। हमने आयोग की किसी भी आपत्ति को स्वीकार नहीं किया, बल्कि उसकी आपत्ति पर ही सवाल उठाया। 27 अप्रैल को चुनाव आयोग ने आप के कैंपेन सॉन्ग पर रोक लगाकर मान लिया कि भाजपा की केंद्र सरकार तानाशाही है। आप के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि बीजेपी की सरकार बदगुमानी में सभी संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या कर रही है और संविधान को मिट्टी में मिला रही है।

सतर्कता अदालत से सीएम विजयन की बेटी को मिली राहत

कोर्ट की निगरानी में जांच की याचिका खारिज

तिरुवनंतपुरम, 6 मई (एजेंसियां)। सतर्कता अदालत से कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझालनादन को झटका लगा है। उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें एक निजी खनन कंपनी और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी टी वीणा की बंद हो चुकी आईटी कंपनी के बीच कथित वित्तीय लेनदेन की अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई थी।

यह दी थी याचिका

कुझालनादन ने विशेष सतर्कता अदालत का रुख किया था। उन्होंने कहा था कि सतर्कता विभाग ने कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीणा की कंपनी एक्सलॉजिक के बीच वित्तीय लेनदेन की जांच करने से इनकार कर दिया है।

अदालत की निगरानी में जांच की मांग

पिछले महीने जब अदालत को अपना फैसला सुनाना था, तो कुझालनादन ने एक नई मांग रखी की अदालत की निगरानी में जांच की जाए। इससे अदालत नाराज हो गई, जिसने उनसे पूछा कि क्या उन्हें यकीन है कि मामले में उनका पक्ष क्या है।

तब कुझालनादन ने कहा कि वह और सबूत प्रस्तुत करेंगे।अदालत ने उनकी नई मांग पर विचार करने का फैसला किया। कांग्रेस विधायक द्वारा सौंपे गए दस्तावेजों पर विस्तृत सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी। इस बीच, कुझालनादन ने कहा कि कहा, 'चूंकि मैं पेशे से एक वकील हूं, इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या मैं अपील के लिए जाऊंगा। मुझे अभी तक फैसले की प्रति नहीं मिली है और इसे पढ़ने के बाद, मैं जवाब दूंगा। जैसा कि मैंने पहले कहा, मैं भागने वाला नहीं हूं।'

कुल 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान होने पर मामला सामने आया

केरल में एक निजी खनिज कंपनी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी टी वीणा और उनकी आईटी फर्म के बीच कुछ वित्तीय लेनदेन को लेकर पिछले साल विवाद छिड़ गया था। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी का सत्तारूढ़ माकपा के साथ-साथ विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के शीर्ष नेताओं के साथ लेनदेन हुआ। यह मुद्दा तब सामने आया जब हाल ही में एक मलयालम दैनिक ने रिपोर्ट दी कि कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लि. (सीएमआरएल) ने 2017 और 2020 के बीच तीन साल की अवधि के दौरान सीएम की बेटी को कुल 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान किया। मामले को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री विजयन पर हमला किया था और उनसे अपनी बेटी के खिलाफ लग रहे आरोपों पर चुप्पी तोड़ने को कहा था।

अमित जेठवा हत्याकांड में पूर्व बीजेपी सांसद समेत 7 बरी

आरटीआई कार्यकर्ता की हाईकोर्ट के बाहर गोली मारकर कर दी गई थी हत्या

अहमदाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट ने आरटीआई कार्यकर्ता अमित जेठवा की हत्या के मामले में पूर्व भाजपा सांसद दीनू सोलंकी और छह अन्य को बरी कर दिया है। जेठवा की 20 जुलाई 2010 को अहमदाबाद में गुजरात हाईकोर्ट परिसर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पूरी जांच लापरवाही और पूर्वाग्रह से ग्रस्त : हाईकोर्ट

न्यायमूर्ति एएस सुपेहिया और न्यायमूर्ति विमल के व्यास की खंडपीठ ने सोलंकी और छह अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाने वाले सीबीआई अदालत के आदेश को रद्द कर दिया।

एचसी पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'हम दोहराते हैं कि अपराध की शुरुआत से ही पूरी जांच लापरवाही और पूर्वाग्रह से ग्रस्त प्रतीत होती है। दीनू सोलंकी समेत 7 लोगों को हत्या और आपराधिक साजिश के मामले में 2019 में सीबीआई अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के अलावा 15 लाख रुपये का जुर्माना भरने का भी आदेश दिया था। हालांकि, बाद में हाई कोर्ट ने दीनू सोलंकी और उसके भतीजे शिवा सोलंकी की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित कर दिया था।

क्या था मामला?

जेठवा सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत जानकारी मांगकर कथित तौर पर दीनू सोलंकी से जुड़ी अवैध खनन गतिविधियों को उजागर करने की कोशिश कर रहे थे। जेठवा ने एशियाई शेरों के वास स्थान गिर वन क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दायर की थी।

अपराध शाखा द्वारा सोलंकी को क्लीनचिट दिए जाने के बाद गुजरात उच्च न्यायालय ने इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंप दी थी। वर्ष 2009 से 2014 तक गुजरात के जूनागढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके सोलंकी को उनके चचेरे भाई शिव सोलंकी और पांच अन्य के साथ भारतीय दंड संहिता के तहत हत्या और आपराधिक साजिश रचने के आरोपों का दोषी माना था। बता दें, मृतक के पिता भीखाभाई जेठवा के उच्च न्यायालय का रुख करने के बाद अदालत ने मामले की नए सिरे से जांच का आदेश दिया था। उन्होंने उच्च न्यायालय से कहा था कि आरोपियों द्वारा दबाव डालने और भयादोहन करने के चलते करीब 105 गवाह मुकर गए।

आंधी-तूफान में गिरे पेड़ की चपेट में आई मोरी जा रहे युवकों की बाइक

दोनों की मौके पर मौत

उत्तरकाशी, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तरकाशी जिले की मोरी तहसील के पास सोमवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। देहरादून से मोरी जा रहे दो बाइक सवार आंधी-तूफान से गिरे पेड़ की चपेट में आ गए। इस दौरान दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, घटना शाम चार बजे की है। मृतकों की पहचान प्रकाश चंद नौटियाल निवासी डागोली टिकोची व शाहिद हाल निवासी मोरी बाजार के रूप में हुई है। प्रकाश चंद सरकारी शिक्षक थे तो वहीं शाहिद नाई का काम करता था।

हिंदू नेता सुधीर सूरी का हत्यारोपी लड़ेगा चुनाव!

अमृतसर से बतौर आजाद उम्मीदवार उतरेगा मैदान में

अमृतसर, 6 मई (एजेंसियां)। शिवसेना टकसाली के प्रमुख सुधीर सूरी की हत्या के आरोपी संदीप सिंह उर्फ सन्नी अमृतसर से लोकसभा चुनाव लड़ सकता है। कुछ गर्म विचारधारा वाले संगठनों ने सन्नी को अमृतसर से उम्मीदवार बनाए जाने का प्रचार शुरू कर दिया है।

डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह की ओर से खडूर साहिब से चुनाव लड़ने के लिए एलान के बाद सन्नी को भी आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव अमृतसर सीट से लड़ाने की कवायद शुरू हो गई है। हालांकि अभी तक सन्नी के परिवार वालों की ओर से सन्नी द्वारा चुनाव लड़े जाने की कोई भी पुष्टि नहीं की गई है। सन्नी अमृतपाल सिंह से प्रभावित था और उसी की विचारधारा को अपनाते हुए उसने मंदिर के बाहर एक मुद्दे को लेकर अपने साथियों समेत धरना दे रहे सुधीर सूरी की

गोलियां मार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद पाकिस्तान में बैठे आतंकी गोपल सिंह चावला ने वीडिया जारी कर तालियां बजाते हुए सन्नी की तारीफ की थी। सन्नी फिलहाल जेल में बंद है लेकिन गर्म विचारधारा वाली कुछ जत्थेबंदियों के प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को लेकर दो दिन पहले गुरुद्वारा अटारी साहिब में एक बैठक की थी। इस बैठक में अमृतसर से सन्नी को आजाद चुनाव लड़ाने की चर्चा की गई थी। इस बैठक में मौके पर ही फैसला लिया गया कि सन्नी अमृतसर से पंथक जत्थेबंदियों का आजाद उम्मीदवार होगा। इस बैठक में अलग अलग जत्थेबंदियों के दिलबाग सिंह सुल्तानविंड, बीर दविंदर सिंह, बलबीर सिंह मुच्छल, सुखदेव सिंह हरियां, मनिंदर कौर, डा सुपिंदर सिंह, राजन नागी, प्रितपाल सिंह मीरांकोट, हरदीप सिंह, मनदीप सिंह, कुलदीप सिंह धारड़ और क्रांति सिंह आदि मौजूद थे।

कांग्रेस से दो चुनाव हारकर बीजेपी प्रवक्ता बने गौरववल्लभ ने दिया पंजाब के पूर्व सीएम चन्नी के बयान का जवाब

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के टिकट पर दो-दो चुनाव हारने के बाद बीजेपी में शामिल हुए गौरववल्लभ अब बीजेपी के बचाव में कांग्रेस नेताओं के बयानों पर जवाब दे रहे हैं। गौरववल्लभ ने सोमवार को कांग्रेस नेता एवं पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के वायुसेना हमले पर दिए बयान का जवाब दिया है।

गौरववल्लभ ने कहा-पुंछ में भारतीय वायुसेना पर आतंकवादी हमले पर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी की स्टंटबाज़ी वाली टिप्पणी पर भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने कहा, जब आप(चन्नी) कनाडा चले गए, उसे स्टंटबाज़ी कहते हैं। जिस जवान ने अपना बेटा खोया है उसका परिवार आपका ये बयान सुनकर आपको कोस रहा होगा। इससे पहले पुलवामा में भी कांग्रेस के लोगों ने स्टंटबाज़ी कहा था। लानत है आपकी सोच पर, आपके ज्ञान पर... मुझे लगता है कि देश की राजनीति में इससे बुरी बात कोई नहीं कह सकता।

दिल्ली एलजी की सिफारिश–केजरीवाल की एनआईए जांच हो

दिल्ली सीएम पर आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से 133 करोड़ रुपए लेने का आरोप

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल ने बैन किए गए आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से पॉलिटिकल फंडिंग ली है। एलजी के पास वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया की शिकायत आई थी, जिसमें कहा गया था कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी आतंकी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर यानी 133 करोड़ रुपए लिए थे, ताकि देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई कराई जा सके। इस शिकायत के आधार पर एलजी ने यह सिफारिश की है। इस लेटर में लिखा है कि 1 मई को एलजी के पास वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया ने एक शिकायत भेजी थी। इसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर आम आदमी पार्टी के पूर्व कार्यकर्ता डॉ. मुनीष कुमार रायजादा के कुछ पोस्ट का प्रिंटआउट, एक लेटर और एक पेनड्राइव भी थी। अपनी शिकायत में आशू मोंगिया ने पेनड्राइव के एक वीडियो का जिक्र किया था, जिसमें खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस का फाउंडर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने यह दावा किया था कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर यानी 133.60 करोड़ रुपए की फंडिंग ली है। इसमें यह दावा भी किया गया था कि 2014 में केजरीवाल ने न्यूयॉर्क के गुरुद्वारा रिचमंड हिल में खालिस्तान समर्थक सिखों से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में केजरीवाल ने वादा किया था कि अगर आम आदमी पार्टी को खालिस्तानी समूहों से फंडिंग मिलती रहेगी तो वे देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई में मदद करेंगे। सिख फॉर जस्टिस यानी एसएफजे सिखों के लिए अलग खालिस्तान की मांग करने वाला एक संगठन है। 2007 में अमेरिका में इसकी स्थापना की गई थी। गुरपतवंत सिंह पन्नू एएफजे के संस्थापकों में से एक है। एसएफजे अपने अलगाववादी अभियान 'रेफरेंडम 2020' के तहत पंजाब को भारतीय से मुक्त कराने की बात करता है। एसएफजे ने अपने अगस्त 2018 में लंदन डिक्लेरेशन में भारत से अलग होने और पंजाब को एक स्वतंत्र देश के रूप में फिर से स्थापित करने के सवाल पर दुनिया भर में रहने वाले सिख समुदाय के बीच पहला जनमत संग्रह कराने की घोषणा की थी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 मई - 2024

मतदान की तीसरी आहुति आज

लोकतंत्र के महायज्ञ की आधी से ज्यादा आहुति आज सात मई को पूरी हो जाएगी। इसके साथ ही लगभग यह भी तय हो जाएगा कि मतदाता आखिर क्या और किसे चाहते हैं। बता दें कि पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में आज 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। इसके साथ ही काफी हद तक परिणाम के अंदाजे का अनुमान भी पुख्ता हो जाएगा। कम वोटिंग होगी तो उसके अलग मायने निकाले जाएंगे और ज्यादा हुआ तो भी मतलब किसके लिए क्या? इससे किसे फ़ायदा और किसे नुकसान? चर्चाएँ हर गली, नुक्कड़ व चौराहों पर गर्म होंगी। आज के मतदान के बाद नेताओं के भाषणों, आरोपों- प्रत्यारोपों में, और अधिक तल्ख़ी देखने को मिलेगी। भाषणों में काफी हद तक हल्कापन आने के भी योग दिख रहे हैं। हो सकता है कि नेताओं में आक्रामकता के साथ यकायक गुस्से का भी इजहार होने लगे। इस बीच राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर चर्चा न की जाए तो वह भी बेईमानी होगी। इन अटकलबाजियों पर तब विराम लग गया जब राहुल ने अमेठी की बजाय रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से वंचित रह गईं। कांग्रेस प्रियंका को चुनाव लड़ाने से बचती फिरी, इसकी वजह किसी के समझ में नहीं आ रहा है। संभव है कि यह निर्णय भी प्रियंका का अपना रहा हो, लेकिन इतनी सक्रियता के बाद भी उनका इस तरह से चुनाव से हट जाना किसी को हजम नहीं हो रहा है। देखा जाए तो सत्ता पक्ष के आरोपों का सही और सटीक जवाब जिस तरह से प्रियंका गांधी दे रही हैं, वैसी मारक शब्दों का उपयोग अन्य नेता नहीं कर पा रहे हैं। लोग भी धीरे-धीरे उनकी वाकपटुता के कायल होने लगे हैं। लोगों का कहना तो यहां तक है कि प्रियंका नेतृत्व क्षमता से लबरेज हैं लेकिन कांग्रेस पता नहीं क्यों उनके हाथों में कमान सौंपने से डर रही है। अगर राहुल अमेठी से चुनाव लड़ते और प्रियंका रायबरेली से तो चुनावी माहौल में काफी उफान आ सकता था। अमेठी की बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ने के राहुल के निर्णय के बाद भाजपा उन्हें भगोड़ा कहने लगी है! भाजपा ने तो यहाँ तक कह दिया कि राहुल गांधी जी बार- बार सीटें बदलने से कुछ नहीं होने वाला है। क्योंकि दिक़्क़त सीटों में नहीं, आप में है! इस नए आरोप के सामने कांग्रेस को कोई जवाब नहीं सूझ रहा है। ऐसे में सबकी उम्मीदें प्रियंका पर ही टिकी हैं कि वह इसका जवाब किस तरह से देती हैं। बाक़ी कांग्रेसी नेता तो बात भी नहीं कर पाते तो वह जवाब क्या देंगे, इसे समझा जा सकता है। इक्का- दुक्का कोई बोल भी रहा है तो, या तो उनकी कोई सुन नहीं रहा है या सुन भी रहा है तो उसे नजरंदाज कर रहा है। भाजपा उत्तर और मध्य भारत में पहले से ही अधिकतम सीटों के साथ चुनाव लड रही है लेकिन इस बार कुछ सीटें कम होने की आशंका मात्र से परेशान है, वहीं कांग्रेस इन इक्का- दुक्का सीटों को जीतने की संभावना से ही ख़ुश होती नजर आ रही है। विपक्ष को इस तरह कमजोर स्थिति में देखना ठीक तो नहीं लगता, लेकिन समय और परिस्थितियों का कोई क्या कर सकता है? अभी भी कांग्रेस के कितने दुर्दिन आएंगे यह कहना मुश्किल ही है।

बढ़ती ही जा रही है जंगलों में आग की घटनाएँ

अशोक भाटिया

उत्तराखंड के जंगलों में आग कहर बरपा रही है। 3 लोगों की मौत हो गई है और हजारों जानवर जलकर राख हो गए हैं। आग से अब तक 1100 हेक्टेयर जंगल वीरान हो चुका है। राज्य में अब तक आग लगने के 886 मामले सामने आ चुके हैं। 61 लोगों के खिलाफ आगजनी के मामले दर्ज किए गए हैं। लगातार जल रही आग के कारण जंगल ही नहीं बल्कि पूरा इको सिस्टम अब खतरे में पड़ गया है। इसे लेकर वैज्ञानिकों ने भी चिंता जताई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक आग से न सिर्फ तापमान बढ़ रहा है बल्कि लगातार बड़ी मात्रा में ब्लैक कार्बन भी निकल रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो ग्लेशियर भी पिघल सकते हैं।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आग से पूरा इको सिस्टम खतरे में है। आग की वजह से बढ़ती गर्मी और उससे निकलने वाले ब्लैक कार्बन के कारण वायु प्रदूषण हो रहा है और इस वजह से हवा में ब्लैक कार्बन की मात्रा बढ़ रही है। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग की गंभीरता को भांपते हुए फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया ने कई अलर्ट जारी किए हैं।वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के पूर्व वैज्ञानिक पीएस नेगी ने ब्लैक कार्बन की वजह से ग्लेशियरों के पिघलने को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि गर्मियों में वनाग्नि के कारण ब्लैक कार्बन की मात्रा बढ़ने से हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने का खतरा बढ़ गया है और पूरा पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में है।

विश्व बैंक के एक शोध से पता चला है कि ग्लेशियरों के पिघलने में ब्लैक कार्बन की क्या भूमिका होती है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर किसी इलाके में ज्यादा मात्रा में ब्लैक कार्बन छोड़ा जाता है तो इससे ग्लेशियरों के पिघलने की दर बढ़ जाती है। इसका कारण यह है कि अगर ग्लेशियर के आसपास ब्लैक कार्बन जमा हो जाए तो सूरज की रोशनी का परावर्तन कम हो जाता है, जिससे ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगता है। इस कारण हवा का तापमान भी बढ़ जाता है, ग्लेशियरों के पिघलने का यह भी एक बड़ा कारण है।

जेसी कुनियाल समेत जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट के शोधकर्ताओं ने हिमालयी क्षेत्र में जमा हो रहे ब्लैक कार्बन के कई स्रोतों के बारे में जानकारी जुटाई है। जेसी कुनियाल ने कहा है कि जंगल की आग, सीमा पार प्रदूषण और वाहनों के कारण भी वातावरण में ब्लैक कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है। वहीं विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी चेतावनी जारी की है कि ग्लेशियरों के तेजी से घटने से क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा की आशंका बढ़ रही है। जिसमें हिमालय की झीलों से बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है।

हालिया समाचारों के अनुसार उत्तराखंड में गर्मी का प्रकोप जंगलों पर बरस रहा है। उत्तराखंड के जंगल पिछले कई दिनों से धधक रहे हैं। अल्मोड़ा जिले के दूनागिरी मंदिर के पास भी जंगलों में पिछले एक हफ्ते से आग लगी हुई है और रविवार को आग दूनागिरी मंदिर तक पहुंच गई।दूनागिरी मंदिर तक आग पहुंचने के कारण वहां मौजूद श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। आग की लपटों से घिरे श्रद्धालु खौफ में आ गए और जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गनीमत रही कि वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।वन विभाग के कर्मचारियों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। श्रद्धालुओं को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है। इस दौरान कुमाऊं फॉरेस्ट चीफ पी।के। पात्रों और मुख्य वन संरक्षक कुमाऊं कोको रोशे ने भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को आग पर जल्द नियंत्रण पाने के निर्देश दिए गए हैं।

28 अप्रैल को नासा के जरिए सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों में उत्तराखंड में लगी जंगल की आग की भयावता दिखाई दे रही थी । अगर मार्च अप्रैल 2023 और 2024 में उत्तराखंड में जंगलों में लगी आग के बीच तुलना करें तो 2024 में स्थिति ज्यादा गंभीर हो गई है।

मार्च अप्रैल 2023 में अल्मोड़ा जिले में आग लगने की 299 घटनाएं हुई थी तो 2024 में इन्हीं दो महीना में आगजनी की 909 घटनाएं हो चुकी हैं। इसी तरह चंपावत जिले में साल 2023 में 120 जंगल की आज की घटनाएं हुई तो 2024 में यह 1025 हो चुकी है। गढ़वाल जिले में भी मार्च अप्रैल 2023 में 378 राजधानी की घटनाएं हुई तो इस साल 742 का आंकड़ा पार हो चुका है। इसी तरह नैनीताल में पिछले साल 207 आग लगने की घटनाएं 2 महीने में दर्ज की गई जो कि इस साल दो महीना में 1524 हो चुकी हैं।

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2023 के मार्च महीने में जंगल में आगलगने की 804 घटनाएं के सामने आई थी तो 2024 में मार्च महीने में 585 आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं लेकिन अप्रैल महीने की स्थिति ज्यादा चिंताजनक है क्योंकि अप्रैल 2023 में आग लगने की 1046 घटनाएं दर्ज हुई थी जबकि 2024 में अब तक अप्रैल महीने में 5710 आगे ने की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं।

बताया जाता है कि उत्तराखण्ड के जंगलों में आग लगने की समस्या खासतौर पर फरवरी से जून के महीनों के दौरान देखी जाती है क्योंकि इस समय मौसम शुष्क और गर्म होता है। नैनीताल के जंगलों में आग लगने का प्रमुख कारण नमी की कमी है। जंगल में मौजूद सूखी पत्तियां और अन्य ज्वलनशील पदार्थ तेज गर्मी की वजह से आग पकड़ लेते हैं।

कई बार स्थानीय लोगों और पर्यटकों की लापरवाही के कारण भी जंगलों में आग लग जाती है। दरअसल, स्थानीय लोग अच्छी गुणवत्ता वाली घास उगाने, पेड़ों की अवैध कटाई को छुपाने, अवैध शिकार आदि के लिए जंगलों में आग लगा देते हैं, जिसकी वजह से आग पूरे जंगल में फैल जाती है। इसके अलावा टूरिस्ट कई बार जलती हुई सिगरेट या दूसरे पदार्थ जंगल में फेंक देते हैं, जिसके कारण आग पूरे जंगल में फैल जाती है। प्राकृतिक कारणों से भी जंगलों में आग लग जाती है। सूखी पत्तियों के साथ बिजली के तारों के घर्षण से भी जंगल में आग लगती है, जैसे बिजली गिरती है। वहीं बदलते जलवायु पैटर्न के कारण मौसम गर्म और शुष्क हो रहा है जिसकी वजह से जंगलों में आग देखने को मिल रही है।

उत्तराखंड में एडिशनल प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर कपिल जोशी कहते हैं, ₹उत्तराखंड में जंगल में आग लगने की कई प्रतिकूल परिस्थितियों हैं और जितनी ज्यादा प्रतिकूल परिस्थितियों होगी, उतनी ही ज्यादा जंगल में आग लगने की घटनाएं होंगी। नमी का स्तर, लंबे समय तक शुष्क व उच्च तापमान, हवा की दिशा और बारिश का समय जैसी प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों इसमें योगदान करती हैं क्योंकि पिछले कुछ सालों में जलवायु की बदलती परिस्थितियों ने इन प्रतिकूल परिस्थितियों को और बद्तर बना दिया है लेकिन यह भी एक तथ्य है कि क्षेत्र में जंगल में आग लगा एक सामान्य घटना है। हम आग पर काबू पाने में भी बेहतर स्थिति में हैं।₹

मॉनसूनी आपदा हो या वनाग्नि, उत्तराखंड जितना खूबसूरत है, उतनी ही कठिन देवभूमि की जिंदगी है। कहते हैं स्वयं भगवान ही यहां की रक्षा करते हैं। वनाग्नि जब विकराल रूप ले रही होती है तो मॉनसून उस आग से यहां के वासियों को छुटकारा दिलाता है। आइए जानते हैं इस एक्सक्लूसिव डेटा से कि वनाग्नि ने पिछले 5 सालों में कितनी तबाही मचाई है।

30 जून 2019 तक उपलब्ध आंकडों के अनुसार, 2158 वन अग्नियों की घटनाएं हुई जिनमे 2981.55 हेक्टेयर वन भूमि जल कर खाक हो गई। इन हादसों में 15 लोग घायल हुए, 1 व्यक्ति और 6 वन्यजीवों की मौत हो गई थी।

मोदी की मेहनत और लम्बी चुनाव प्रक्रिया

राज सक्सेना

किसी भी देश की सरकार चलाने के लिए राजनीतिक प्रतिनिधियों को चुनने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की नींव समान होते हैं। मताधिकार नागरिकों के लिए मौलिक अधिकार होता है। सच तो यह है कि मतदान के तरीके स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मतदाताओं की पसंद को राजनीतिक जनादेश में बदल देते हैं जो शासकीय नीतिनिर्माण की नींव बनता है। हालांकि व्यवहार में लोकतंत्र में चुनावी परिणामों को आकार देने में अवैध प्रयास होना, कोई असामान्य बात नहीं है। वर्ष 2013 में और इस चुनाव में भी पाकिस्तान के आम चुनाव में इमरान खान के नेतृत्व वाले मुख्य विरोधी दल तहरीक-ए-इंसाफ ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) पर चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया था। उनके द्वारा किए गए विरोध के कारण इस्लामाबाद कई दिनों तक बंद रहा था। उसके बाद 2015 में हुआ तुर्की का आम चुनाव विवादों से भरा हुआ था। यूरोपीय संसदीय परिषद (पार्लियामेंटरी असेंबली आफ़ द काउंसिल आफ़ यूरोप) ने चुनाव को 'अनुचित' घोषित कर दिया था जबकि यूरोपीय सुरक्षा एवं सहयोग संगठन (ऑर्गनाइजेशन फॉर सिक्योरिटी एंड को-ऑपरेशन इन यूरोप) ने चुनाव की निष्पक्षता के बारे में 'गंभीर चिंता' प्रकट की थी।

वायनाड से चुनाव लड़ने के बाद राहुल गांधी ने रायबरेली से भी अपना नामांकन करा दिया है। वन नेशन वन इलेक्शन की रूपरेखा जब भी बने, चुनाव नियमावली में एक सुधार तो जरूर होना चाहिए। कोई प्रत्याशी जब दो जगह से लड़े तो नियम हो कि जिस सीट से वह त्यागपत्र देगा वहां से दूसरे नंबर पर रहे प्रत्याशी को विजेता घोषित कर दिया जाएगा। इससे दोबारा चुनाव में होने वाला करोड़ों का खर्च तो बचेगा ही। विपक्षी को एक सीट का तोहफा भी मिल जाएगा उसे और सरकार को दोबारा अपना समय और धन खर्च नहीं करना पड़ेगा।

इसके अतिरिक्त गलत मतदाताओं का निबंधन, मतदाताओं को कोई भी लालच देकर खरीदना, धमकाना, और गिनती की प्रक्रिया में अनियमितता जैसी चुनावी धोखाधड़ी चुनाव के परिणामों को आकार देने के छिपे और अवैध प्रयास होते हैं। अवैध प्रकृति का होने के कारण इन व्यवहारों के प्रभावों का अध्ययन करना मुश्किल होता है क्योंकि राजनीतिक एजेंट सतर्क रहते हैं कि कोई सबूत नहीं छूटे। मतदान की प्रौद्योगिकी को चुनने के साथ जुड़े विवादों के पीछे एक महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि मतदान प्रौद्योगिकी और चुनाव संबंधी परिणामों के बीच संबध पर बहुत कम प्रयोगसिद्ध प्रमाण मौजूद हैं। चुनावी धोखाधड़ी राजनीतिक संस्थाओं के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर कर देती है। जिससे राजनीतिक अस्थिरता पैदा होती है, और दीर्घकालिक विकास प्रभावित हो सकता है।

इतने बड़े देश के लिए एक या दो चरणों में चुनाव करा लेना किसी भी दशा में सम्भव नहीं था। शायद इसलिए ही चुनाव आयोग ने इतनी लम्बी मतदान प्रक्रिया का चयन किया है मगर विपक्षी दल इसे मोदी की चाल के रूप में प्रचारित करने से नहीं चूक रहे हैं। गुजरात में एक सीट पर भाजपा के अतिरिक्त कोई अन्य नामांकन नियमानुकूल न होना मध्यप्रदेश की खजुराहो सीट पर प्रस्तावकों के हस्ताक्षर न होने से नामांकन खारिज हो जाना और इंदौर से कांग्रेस के प्रत्याशी द्वारा नाम वापस लेलेना भी मोदी के कारनामों में जोड़ कर विपक्षी दलों द्वारा प्रचारित किया जा रहा है। पुरी सीट से कांग्रेस की अधिकृत उम्मीदवार ने नामांकन से पहले ही चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। उनका आरोप है कि पार्टी वित्तीय सहायता बिलकुल नहीं करना चाहती। इसका ठीकरा भी मोदी के सर फोड़ा जा रहा है।

सच बात तो यह है कि दो चरणों के चुनाव के बाद ही कांग्रेस, सपा, राजद दौड़ में हाफ़ने लगीं हैं। चुनाव में काले धन के खर्च पर चुनाव आयोग की सख्ती के कारण, लगभग रोक लग चुकी है। जो पार्टियां बिना कैडर के आख़िर में केवल धनबल से चुनाव का माहौल बनाने का ख़्वाब देखती थीं, उनके लिए यह चुनाव बड़े ख़तरे की घंटी है। भाजपा अपने कैडर कर बल पर ही पूरे देश में चुनाव लड़ रही है। विपक्षी दलों को भी अपना कैडर खड़ा करना चाहिए, उसके बिना भारत जैसे विशाल, बहुभाषीय देश में चुनाव लड़ना असम्भव नहीं तो मुश्किल जरूर है। इतनी लम्बी चुनावी प्रक्रिया में स्वास्थ्य की दृष्टि से भी नेताओं को फिट रहना अब मजबूरी बन रहा है। दिन रात एसी और हीटरों के बीच गद्देदार कुर्सियों पर अपना समय बिताने वाले और अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही शाही खानदानों के शहजादों को भारी पड़ रही है। तेजस्वी यादव की हालत ख़राब हो गई, विगत दिन से उनका चलना फिरना दूभर हो गया है। राहुल को बीच बीच में लम्बा ब्रेक लेना पड़ रहा है। मोदी के बाद ममता और तेजस्वी यहीं दो नेता धुआँधार प्रचार में लगे हैं। अखिलेश यूपी तक में कोई ख़ास मेहनत नहीं कर रहे हैं। मोदी जी और ममता बनर्जी दोनों लोग अपने स्वास्थ्य के लिए बला के जागरूक हैं। इसलिए दोनों लोग एकदम फिट हैं। मोदी हल्की फुलकी कसरत के अलावा योग और ध्यान पर बहुत जोर देते हैं। ममता बनर्जी प्रतिदिन 20 किलोमीटर दौड़ती हैं वह भी इस उम्र में। इतने ब्रेकों के बाद भी राहुल गांधी यदि पाँचवां चरण आते आते थककर आराम करने विदेश निकल जायें तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए?।

इसमें कोई संशय नही है कि मोदी के पक्ष में जनता में लहर नहीं सुनामी चल रही है। प्रचंड बहुमत से मोदी की वापसी हो रही है। विपक्ष अपना अपना अस्तित्व बचाने मात्र की लड़ाई लड़ रहा है। राहुल गांधी ने कल स्पष्ट इशारा कर दिया कि परिणाम क्या आने वाले हैं। जनता अब स्थानीय नेताओं के हाथ में नहीं है। अधिकांश लोगों की एक जाति है और वह है लाभार्थी, एक नेता है और वह है मोदी, एक उम्मीदवार है और वह है कमल का फूल।उत्तर दक्षिण भारत का भी भेद काफी हद तक मिट चुका है। तेलंगाना में भाजपा की सीट तीन से चार गुना हो सकती हैं। केरल में कई जगहों पर खाता खुल रहा है, आंध्र में भी अच्छी सम्भावना है। तमिलनाडु में मत प्रतिशत के आधार पर प्रमुख विपक्षी दल भाजपा बन सकती है। इसके बाद कांग्रेस यह भी भेद नहीं बढ़ा पाएगी कि उत्तर भारत अलग है और दक्षिण भारत अलग। बस जनता अपने कर्तव्यों का निर्धारण ठीक से करे। स्वयं वोट डालें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

उदासीन जनता, बेचैन भाजपा

गौतम चौधरी

विगत कुछ दिनों से संसदीय आम चुनाव 2024 का आकलन कर रहा हूं। वैसे 2014 और 2019 का भी आम चुनाव तसल्ली से देखा था। उन दोनों चुनाव में जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी आक्रामक तेबर के साथ चुनाव मैदान में डटी थी वह आक्रामकता इस बार देखने को नहीं मिल रही है। हो सकता है मेरा आकलन कमजोर हो लेकिन भाजपा के कई समर्थक इस चुनाव को लेकर आशंकित दिख रहे हैं। यदि भाजपा के नेताओं की बात करें तो उनमें इस चुनाव को लेकर घोर निराशा दिख रही है।

विगत दो-तीन चुनाव में झारखंड प्रदेश भाजपा का खास प्रबंधन देखने वाले एक नेता ने तो यहां तक बताया कि पूरे प्रदेश से जो रिपोर्ट आ रही है, वह भाजपा के हित में नहीं है। उन्होंने एक बात यह भी बताया कि चतरा लोकसभा सीट पर जिस राजधानी यादव ने वहां के प्रत्याशी कालीचरण सिंह का विरोध किया ,उसे ही वहां के कई मामलों का प्रभारी बना दिया गया है। इसका परिणाम यह है कि जिस काम की जिम्मेदारी राजधानी यादव को मिली है, वह काम अभी तक प्रारंभ ही नहीं हो पाया है। मसलन, कालीचरण सिंह खुद की व्यवस्था नहीं किए होते तो उनका काम हो ही नहीं पाता और चुनाव हार भी सकते थे। प्रदेश की ओर से चतरा के प्रभारी राज्यसभा सांसद आदित्य साहू को बनाया गया है, जब इस संदर्भ में उन्हें बताया गया तो उन्होंने कहा कि मुख्यालय में गलत रिपोर्टिंग हुहै है। वहां किसी प्रकार की कोई समस्या ही नहीं है। कमोबेस सभी संसदीय क्षेत्र की यही स्थिति है।

जानकार सूत्रों की मानें तो भाजपा अपनी ओर से सभी संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार सामग्री पहुंच चुकी है लेकिन उसे बांटने वाले नहीं मिल रहे हैं क्योंकि इस बार जो प्रदेश की चुनाव अभियान संचालन समिति का गठन किया गया है उसमें से अधिक अनुभवहीन और काम करने में सक्षम नहीं हैं। प्रदेश भाजपा के कुछ क्षद्मपंथी जिन्हें टिकट की आस थी और टिकट प्राप्त करने में असफल रहे, वे महत्वपूर्ण दायित्व में हैं। रांची और चतरा उनके टारगेट में हैं। उन्हें लगता है कि अगर इस बार प्रत्याशी चुनाव हार जाते हैं तो अगली बार उन्हें टिकट जरूर मिलेगा। इसलिए वे लगातार कन्नी काट रहे हैं। जानकारों का तो यहां तक कहना है कि प्रदेश के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह यहां के लिए नए हैं और उन्हें झारखंड के विषय में मुकम्मल जानकारी नहीं है। यही स्थिति प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी की भी है। सूत्रों से मिली खबर में बताया गया है कि विगत दिनों वाजपेयी ने चुनाव प्रबंधन को लेकर एक राज्यसभा सांसद को डांट भी पिलाई है। वैसे संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह ने प्रदेश कार्यालय मंत्री हेमंत दास को कई बार डांट चुके हैं लेकिन काम में किसी प्रकार का कोई फर्क देखने को नहीं मिल रहा है। इधर क्षेत्रीय संगठन मंत्री नागेन्द्र नाथ बिहार के चुनाव में व्यस्त हैं।

प्रदेश का चुनाव मीडिया सेंटर शहर के नामी शमशान घाट हरमू स्थित मारू कंप्लेक्श में सिफ्ट कर दिया गया है। ज्योतिष के जानकार एक पंडित ने बताया कि शमशान घाट पर कोई शुभ काम नहीं किया जाता है। वैसे भी मारू कंप्लेक्श को नकारात्मक ऊर्जा वाला माना जाता है। यही कारण है कि कंप्लेक्श अभी भी अधूरा पड़ा है। इस मामले को लेकर भी मीडिया के एक खास वर्ग में चर्चा आम है। विगत दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी ओर से आरोग्य भवन, बरियातू में समन्वय की एक बैठक बुलायी थी। उस बैठक में संघ के विविध क्षेत्र के प्रभारी और नेता मौजूद थे। वहां इस बात पर चर्चा हुई की आखिर वोटरों को कैसे निकाला जाए। इसी विषय में से एक विषय यह भी निकल कर सामने आया कि आखिर वोटरों को निकालने में पैसे भी खर्च होते हैं। वह कहां से प्राप्त होगा। इस बात पर संघ के एक अधिकारी ने पैसे उपलब्ध कराने की बात तो कही लेकिन नीचे के स्वयंसेवकों में अभी तक उत्साह का संचार नहीं दिख रहा है।

आम तौर पर देखने को मिल रहा है कि भाजपा वोटर के अंदर उदासीनता व्याप्त है। इसका सीधा कारण भावात्मक जुड़ाव की समाप्ति बताया जा रहा है। वो तमाम मुददे जिन पर भाजपा वोटर जोश से भर जाया करता था, वो पार्श्व में जा चुके हैं। धारा 370 हट चुका है, राम मंदिर बन चुका है, ट्रिपल तलाक का मुद्दा भी लगभग समाप्त है। अब क्या? भाजपा वोटर किस बात पर सीना चौड़ा करें, अब किसके लिए बाहर निकले? उसके मतलब के सारे काम तो हो लिए।

जहां तक समान नागरिक संहिता और एक देश एक चुनाव की बात है तो यह मुद्दा भाजपा को अपने वोटरों से जोड़ने के लिए काफी नहीं हो पा रहा है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले राम और धर्म की बात करते थे लेकिन अब भ्रष्टाचार और जाति पर उतर आए हैं। इसी से साबित हो रहा है कि भाजपा सभी मोर्चों पर कमजोर पड़ने लगी है। सिलिंडर, आवास, राशन ठीक है लेकिन कब तक इस पर वोट लिया जा सकता है? भाजपा के नेता अब मुद्दों को लेकर परेशान हैं।

दूसरी बात कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का कट्टर समर्थक भी इन दिनों अंदर से डगमगाया हुआ लग रहा है। वह भी जानता है कि काला धन, रोजगार, भ्रष्टाचार, महंगाई आदि के मुद्दे पर भाजपा ने केवल बातें ही की है उस पर अमल अभी तक नहीं हो पाया है। क्षेत्र में जनता के सामने समर्थकों को ही जवाब देना होता है। बहस भी उन्हें ही करनी होती है। इस मामले में वे निरुत्तर हो जाते हैं। यही नहीं, बाहर से आयातित नेता ने भी भाजपा के समर्थक और रूट वाले नेताओं को परेशान किया है। झारखंड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

बड़ा बनने की होड़

डॉ. नीरज भारद्वाज

सड़क पर भागते-तोड़ते वाहनों को देखकर मन मस्तिष्क में विचार एकदम तेजी से दौड़ा, देखा कि सभी एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ा-होड़ी में लगे हुए हैं। पता नहीं यह होड़ा-होड़ी कब रूकेगी। इस होड़ा-होड़ी में दो विश्वयुद्ध तो मानव समाज देख ही चुका है, साथ ही कहीं न कहीं देशों के बीच युद्ध अभी भी जारी है। मानव मस्तिष्क में भी जो युद्ध चल रहा होता है, वह ज्यादा अद्भुत होता है। सही मायनों में मस्तिष्क विचारों का कोश है, यह विचारकोश ही कोष अर्थात खजाना बन जाता है, हम सभी को धनवान बना सकता है। जिसका विचारकोश और शब्दकोश अच्छा, उसका कोष भी अच्छा होता है। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दृष्टि से वह व्यक्ति बहुत धनवान और शक्तिशाली बनता चला जाता है, जिसका विचारकोश अच्छा होता है। हमारे संतों, महात्माओं, विचारकों के पास शुद्ध, सात्विक, आध्यात्मिक आदि विचारों का खजाना रहा है। वह किसी भी जन सामान्य को कितनी भी बड़ी मुश्किल से पल भर में ही अपने ज्ञान से, अपनी दिव्य वाणी से, संकटों से निकाल देते हैं। भगवान की अनुपम कृपा होने पर ही मस्तिष्क में शब्दों, विचारों का खजाना बढ़ता है, वरना यह जीवन तो हम सभी चला ही रहे हैं। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में हर एक व्यक्ति बड़ा बनने के चक्कर में लगा हुआ है। कोई धन इकट्ठा करके बड़ा बनने के चक्कर में है। कोई समाज में सभी उसकी बातें मानें, इस चक्कर में बड़ा बनने की कोशिश में लगा हुआ है। चारों ओर दिखावे का माहौल नजर आता है। भागम-भागी मची हुई है। गांव छोड़कर शहर आए, शहर छोड़ कर महानगर में आए, महानगर छोड़कर विदेश में गए। लेकिन लौटकर फिर संतों-महात्माओं, देवी-देवताओं के चरणों में आ गए। तीर्थों के दर्शन और सत्कर्म में लग गए। कोरोनावायरस आया तो सभी को फिर गांव याद आ गया था, भाग-भाग कर गांव की ओर चले आ रहे थे। जीवन की सभी अवस्थाओं को भोगने के बाद बुढ़ापे में पता चलता है कि हमारे शास्त्रों, संत-महात्माओं आदि में बहुत बड़ी शक्ति है। लेकिन कुछ को जीवन के प्रारंभिक क्षणों में ही इन सब बातों का ज्ञान हो जाता है, इसलिए वह भटकाव से बच जाते हैं। अंत समय में व्यक्ति के साथ कुछ जाता है तो वह है, हरि का नाम और व्यक्ति के कर्मों का लेखा-जोखा। फिर भी हम बड़ा बनने के चक्कर में पता नहीं किस-किस के सिर पर पांव रख देते हैं। स्वार्थ के चलते कितने ही पाप कर्म कर देते हैं और अपने पाप की गठरी का बोझ अपने ही कंधों पर रखें आगे बढ़ते रहते हैं। अंत में इस पाप के नीचे दबकर मर भी जाते हैं।

सही मायनों में बड़ा बनने के लिए बड़ी सोच, बड़े विचार, लोगों की भलाई, जीव से प्रेम, देश के प्रति चिंतन जरूरी है। देश की शक्ति को बढ़ाने और स्वयं को समाज, राष्ट्र और विश्व कल्याण में लगा देना ही बड़ा बनना है। ऐसा माना और समझा जाता है। अपने अधिकारों के प्रति सजग होने के साथ-साथ हमें अपने कर्तव्यों को भी निष्ठा के साथ निभाना पड़ता है, तभी बड़ा बना जाता है। किसने क्या किया और क्यों किया, इस प्रश्न के उत्तर में अपने को नहीं उलझाना है बल्कि यह देखना है कि हम जहां भी, जिस भी स्थिति में हैं, हमें अपने कर्तव्यों का पालन सही से करना है। अपने कर्म पथ से भ्रमित नहीं होना है। समाज में अपनी भूमिका बराबर निभाएं चलते जाना है। लोगों की संभव मदद करना, घर-परिवार, समाज सभी में अपनी अहम भूमिका निभाना। उससे वापस लौटाने का कभी भी कोई प्रयास या भाव नहीं रखना है। जब हम भाषा विज्ञान को पढ़ते हैं, तो वहां बताया और समझाया जाता है कि भाषा समाज की वस्तु है। भाषा सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से बनती है। जैसे-जैसे समाज में परिवर्तन होता है, वैसे-वैसे भाषा में भी परिवर्तन होता है। भाषा को हम अर्जित करते हैं, यहां से बहुत सारी बातें स्पष्ट हो जा रही हैं कि हमारे बोलने में समाज का योगदान है। हमारी संस्कृति और संस्कारों में समाज का योगदान है। हम सभी कुछ समाज से अर्जित करते हैं, लेकिन इसके बदले में हमने कितना समाज को दिया? कितना अपने राष्ट्र अर्थात देश को दिया? क्या हम केवल उदरपूर्ति के लिए ही यहां आए हैं? क्या हम भोगवृत्ति को पूरा करने आए हैं?

भारत के पहले विश्वकवि रविंद्रनाथ टैगोर

'गुरुदेव' के नाम से विख्यात कवि लेखक संगीतकार एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी तथा राष्ट्रगान जन गण मन के रचयिता और भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता रविंद्र नाथ टैगोर ने साहित्य, शिक्षा, संगीत, कला, रंगमंच और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से वह स्थान प्राप्त किया है जो विरले ही प्राप्त कर पाते हैं । अपने मानवतावादी दृष्टिकोण के चलते रविंद्र बाबू को विश्वकवि का दर्जा दिया गया है ।

टैगोर सही मायनों में भारत से पहले विश्वकवि हैं । उनके काव्य के मानवतावाद ने उन्हें दुनिया भर में पहचान दिलाई। दुनिया की अनेक भाषाओं में उनकी रचनाओं का अनुवाद हुआ । टैगोर की रचनाएं बांग्ला साहित्य में एक नई शैली एवं चिंतन लेकर आई। 7 मई 1861 को कोलकाता में जन्मे, माता पिता की तेरहवीं संतान रविंद्र नाथ टैगोर ने बचपन में ही 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए आठ वर्ष की उम्र में पहली कविता लिखकर अपने कवि हृदय

रविंद्र जयंती पर विशेष

होने का परिचय दिया तो मात्र 16 वर्ष की उम्र में उनकी पहली प्रथम रचना एक लघु कथा के रूप में प्रकाशित हुई । एक दर्जन से अधिक उपन्यासों में चोखेर बाली, घरे बाहिरे, गोरा आदि शामिल हैं। रविंद्र नाथ टैगोर के उपन्यासों में मध्यमवर्गीय समाज का बहुत नजदीकी से यथार्थपरक चित्रण किया गया है। टैगोर का कथा साहित्य क्लासिक साहित्य में बहुत ऊंचा स्थान रखता है। समीक्षकों के अनुसार उनकी कृति 'गोरा' एक अद्भुत रचना है और आज भी इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है।

रवींद्रनाथ टैगोर की रचनात्मक प्रतिभा कविताओं एवं संगीत में सबसे ज्यादा मुखरित हुई । उनकी कविताओं में नदी और बादल की अठखेलियों से लेकर अध्यात्म तक के विभिन्न विषयों को बखूबी उकेरा गया है तो उपनिषद जैसी भावनाएं भी अभिव्यक्त हुई हैं। साहित्य की शायद ही कोई शाखा हो जिनमें उनकी रचनाएं नहीं हों। उन्होंने कविता, गीत, कहानी, उपन्यास, नाटक विधाओं में प्रमुख रूप से रचना की। टैगोर की कई कृतियों के अंग्रेजी अनुवाद के बाद पूरा विश्व उनकी प्रतिभा से परिचित हुआ। उनके नाटक मुख्यतया सांकेतिक हैं ,डाकघर, राजा, विसर्जन आदि इसके प्रमाण हैं। भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता टैगोर दुनिया के संभवतः एकमात्र ऐसे कवि हैं जिनकी रचनाओं को दो देशों ने अपना राष्ट्रगान बनाया। भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' तथा बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' रविंद्र नाथ टैगोर की ही कलम से निकले हैं। रविन्द्र ने दो हजार से अधिक गीतों की रचना की। उनका रवींद्र संगीत बांग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग बन गया है। टैगोर की प्रमुख रचनाओं में गीतांजलि, गोरा एवं घरे बाईरे प्रमुख हैं । 'गुरुदेव' की कविताओं में एक अनूठी लय है। वर्ष 1877 में उनकी रचना 'भिखारिन' खासी चर्चित रही। उन्हें बंगाल का सांस्कृतिक उपदेशक भी कहा जाता है।

डॉ घनश्याम बादल

23 साल बाद अक्षय तृतीया पर बन रहा अनोखा संयोग लेकिन नहीं बजेगी शहनाई

सनातन धर्म में अक्षय तृतीया का बड़ा महत्व माना जाता है।धार्मिक मान्यता के मुताबिक अक्षय तृतीया के दिन स्वर्ण आभूषण की खरीदारी की जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन विवाह अथवा मांगलिक कार्य के लिए भी बेहद शुभ माना जाता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक इस वर्ष अक्षय तृतीया का पर्व 10 मई को मनाया जाएगा। लेकिन लगभग 23 वर्षों बाद ऐसा संयोग बन रहा है, जब अक्षय तृतीया पर विवाह का कोई मुहूर्त नहीं बन रहा है इस साल अक्षय तृतीया पर शुक्र और गुरु का तारा अस्त होने से इस दिन विवाह का कोई शुभ मुहूर्त नहीं बनेगा।

सनातन धर्म में अक्षय तृतीया का पर्व बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। ज्योतिषीय गणना के मुताबिक इस दिन आभूषण खरीदने का भी विधान है। साथ ही इस दिन शुभ कार्य किए जाते हैं। जैसे शादी विवाह और मुंडन। लेकिन 23 वर्षों बाद ऐसा संयोग बन रहा है कि अक्षय तृतीया पर इस वर्ष विवाह का कोई मुहूर्त नहीं है। क्योंकि अक्षय तृतीया के दिन गुरु और शुक्र का तारा अस्त होने की वजह से विवाह का कोई भी मुहूर्त नहीं है ।

वहीं जुलाई माह में 9 ,11 ,12 ,13 ,14 और 15 तारीख को विवाह का शुभ मुहूर्त बन रहा है। इसके बाद 17 जुलाई से चातुर्मास की शुरुआत हो जाएगी। जिसका समापन 12 नवंबर को होगा। हिंदू धर्म में चातुर्मास के बाद ही विवाह गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्य किए जाते हैं ।

अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। परशुराम जी को श्रीहरि भगवान विष्णु जी का अवतार माना जाता है। इसलिए इस दिन को पुण्य दिवस मनाया जाता है। अक्षय तृतीया के दिन गुड्डा गुड़िया का विवाह भी कराया जाता है और मांगलिक कार्य किया जाता है। लेकिन इस साल 2024 में अक्षय तृतीया 10 मई को पड़ रहा है और इस बार इस समय गुरु और शुक्र का अस्त में है और इसलिए कोई भी मांगलिक कार्य वर्जित है। इसमें तालाब कुआं खुदवाना है, गुरु दीक्षा लेना है, गृह प्रवेश करना है, सभी को वर्जित रहता है। मांगलिक कार्य के लिए कोई भी लग्न नहीं है।

अक्षय तृतीया के दिन शुभ काम

गुरु और शुक्र का अस्त होने के कारण मांगलिक कार्य के लिए कोई भी लग्न नहीं है लेकिन अक्षय तृतीया के दिन शुभ मानकर विवाह, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही इस दिन घड़ा दान, गुड़ दान, चूड़ा गुड़ का प्रसाद वितरण किया जाता है ये सब भी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि शादी के लिए मुहूर्त 07 जुलाई के बाद है क्योंकि इस दिन शुक्र का पश्चिम में उदय होगा इसके बाद ही शुभ कार्य को किया जाएगा।

अक्षय तृतीया पर बनेगा गजकेसरी योग, इन राशि वालों को मिल सकता है अचानक लाभ

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का त्योहार मनाया जाता है। अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त माना गया है यानी इस दिन बिना मुहूर्त विचार के कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य किया जा सकता है। इस दिन सोने-चांदी से बने आभूषण की खरीदारी और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने का विधान होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोने-चांदी की चीजों की खरीदारी से व्यक्ति के जीवन में खुशियां और धन संपदा हमेशा बनी रहती है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 10 मई को मनाई जाएगी और इस बार गजकेसरी राजयोग का निर्माण भी होगा। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में गजकेसरी योग को बहुत शुभ योग माना जाता है। यह गजकेसरी राजयोग गुरु और चंद्रमा की युति से बनता है। आपको बता दें कि 100 साल बाद अक्षय तृतीया पर गजकेसरी राजयोग बन रहा है। अक्षय तृतीया पर गजकेसरी राजयोग बनने से कुछ राशि वालों के लिए आने वाला समय बहुत अच्छा साबित हो सकता है। आइए जानते हैं अक्षय तृतीया पर किन राशि वालों के ऊपर मां लक्ष्मी मेहरबान रहेंगी।

मेष राशि

अक्षय तृतीया पर गुरु-चंद्र की युति से बनने वाला गजकेसरी राजयोग मेष राशि के जातकों के लिए बहुत ही अनुकूल सिद्ध हो सकता है। यह राजयोग आपकी कुंडली के धन और वाणी भाव में बन रहा है। ऐसे में आपके ऊपर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहेगी। अचानक से धन लाभ की प्राप्ति होगी। नौकरीपेशा जातकों के लिए आने वाला समय बहुत ही अच्छा साबित होगा। कार्यक्षेत्र में सफलताएं मिलेंगी। धन लाभ के सुनहरे और बेहतर मौके मिलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। आपके अंदर किसी काम को करने में अच्छा आत्मविश्वास रहेगा। अपनी वाणी और कौशल के बल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब रहेंगे।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए गजकेसरी राजयोग दशम भाव में बनेगा। ऐसे में यह राजयोग बहुत ही लाभदायक रहेगा। धन लाभ और तरक्की को योग बन रहे हैं। व्यापार में अपने काम-धंधे पर ज्यादा जोर रहेगा जिससे अच्छा मुनाफा मिलेगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। जो लोग नौकरी की तलाश हैं उन्हे अच्छे अवसरों की प्राप्ति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और कारोबार में विस्तार की अच्छी संभावना है।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के ऊपर गजकेसरी योग का विशेष प्रभाव पड़ेगा। आपके अच्छे दिन की शुरुआत हो सकती है। यह राजयोग आपकी कुंडली के नवम भाव में बनने जा रहा है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। धन लाभ के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। करियर से जुड़े मामलों में विस्तार मिलेगा। शुभ समाचारों की प्राप्ति हो सकती है। दोस्तों और परिवार के सदस्यों का साथ मिलेगा। आपके ऊपर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा पूरे साल बनी रहेगी।

वैशाख अमावस्या पर क्या है दान-स्नान का शुभ मुहूर्त?

वैशाख अमावस्या महत्व

इस बार वैशाख अमावस्या 8 मई को मनाई जाएगी। वैशाख अमावस्या के दिन स्नान-दान की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण या कर्मकांड करने से बहुत पुण्य मिलता है। आप चाहें तो वैशाख अमावस्या के दिन बहते हुए जल में तिल का प्रवाह कर सकते हैं। इससे जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता का संचार होता है। वैशाख अमावस्या के दिन सूर्य देव को अर्घ्य देना बेहद शुभ होता है। स्नान और पूजन के बाद अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करना भी बेहद फलदायी माना गया है। वैशाख अमावस्या पर कुछ सरल उपाय से कुंडली के कालसर्प दोष को भी दूर किया जा सकता है। इस दिन विधिवत पूजन के बाद पीपल के पेड़ को जल अर्पित करना भी शुभ होता है।

तिथि और स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

8 मई को सुबह 8 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी। हालांकि वैशाख अमावस्या 8 मई को ही मान्य है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 4 ।10 बजे से सुबह 4 ।52 बजे तक अमावस्या तिथि का स्नान किया जा सकता है। जबकि दान पुण्य के कार्य लाभ चौघड़िया में सुबह 5 ।34 बजेट से सुबह 7 ।15 बजे तक करना शुभ रहेगा।

पौराणिक कथा

वैशाख अमावस्या के महत्व से जुड़ी एक कथा पौराणिक ग्रंथों में मिलती है। प्राचीन काल में धर्मवर्ण नाम का एक ब्राह्मण था। वो बहुत ही धार्मिक और ऋषि-मुनियों का आदर करने वाला व्यक्ति था। एक बार उन्होंने किसी महात्मा के मुख से सुना कि कलियुग में भगवान विष्णु के नाम स्मरण से ज्यादा पुण्य किसी भी कार्य में नहीं है। धर्मवर्ण ने इस बात को आत्मसात कर लिया और सांसारिक जीवन छोड़कर संन्यास लेकर भ्रमण करने लगा।

एक दिन घूमते हुए वह पितृलोक पहुंचा। वहां धर्मवर्ण के पितृ बहुत कष्ट में थे। पितरों ने उसे बताया कि उनकी ऐसी हालत तुम्हारे संन्यास के कारण हुई है। क्योंकि अब उनके लिए पिंडदान करने वाला कोई शेष नहीं है। यदि तुम वापस जाकर गृहस्थ जीवन की शुरुआत करो, संतान उत्पन्न करो तो हमें राहत मिल सकती है। साथ ही, वैशाख अमावस्या के दिन विधि-विधान से पिंडदान करो। धर्मवर्ण ने उन्हें वचन दिया कि वह उनकी अपेक्षाओं को अवश्य पूर्ण करेगा। इसके बाद धर्मवर्ण ने संन्यासी जीवन छोड़कर पुनः सांसारिक जीवन को अपनाया और वैशाख अमावस्या पर विधि विधान से पिंडदान कर अपने पितरों को मुक्ति दिलाई।

शनिवार के दिन न खरीदें झाड़ू

आपने सुना होगा कि शनिवार के दिन तेल और लोहे का सामान खरीदने की मनाही होती है लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार शनिवार के दिन झाड़ू खरीदने से माता लक्ष्मी की कृपा आप पर नहीं बरसती। शनिवार के दिन भी झाड़ू खरीदना शुभ नहीं माना जाता है, इसलिए आप जीवन में लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं, तो शनिवार को झाड़ू न खरीदें। साथ ही आप शनि प्रकोप से भी पीड़ित हो सकते हैं।

झाड़ू कब खरीदना है शुभ

आप अगर घर के लिए झाड़ू खरीदना चाहते हैं, तो आपको शुक्रवार, मंगलवार के दिन ही झाड़ू खरीदनी चाहिए। इससे न केवल आपके जीवन में माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, बल्कि आपका भाग्य भी प्रबल होता है। वहीं, शुक्रवार और मंगलवार के साथ धनतेरस और दिवाली के दिन भी झाड़ू खरीदने को आर्थिक समृद्धि के लिए अच्छा माना जाता है।

पंचक में भी न खरीदें झाड़ू

धार्मिक मान्यता के अनुसार पंचक में भी झाड़ू नहीं खरीदें क्योंकि पंचक के समयकाल को अशुभ माना जाता है। वहीं, झाड़ू खरीदने के अलावा कई और धार्मिक अनुष्ठानों को भी करने को वर्जित माना जाता है। इस कारण से पंचक बीतने के बाद ही आपको झाड़ू खरीदना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार कहां रखें झाड़ू

वास्तु शास्त्र के अनुसार आप अगर जीवन में आर्थिक समृद्धि चाहते है, तो आपको झाड़ू को घर में उत्तर-पश्चिम या पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए। इससे आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इसके अलावा घर के ईशान कोण या दक्षिण पूर्व दिशा में झाड़ू कभी न रखें।

हथेली में कहां होती है शनि रेखा

जिसके होने से 40 की उम्र तक मालामाल हो सकते हैं आप

आपने ऐसे कई लोगों को देखा होगा, जो बहुत कम उम्र में भी कामयाबी की चीढ़ियों पर पहुंच जाते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार ऐसे लोगों की हथेली में शनि रेखा बहुत प्रबल होती है। शनि रेखा प्रबल होने पर व्यक्ति को बहुत कम मेहनत में भी बड़ी सफलता हाथ लग जाती है। आइए, जानते हैं हथेली में कहां होती है शनि रेखा और इसके होने से व्यक्ति को क्या-क्या लाभ मिलता है?

हथेली शनि रेखा कहां होती है

शनि रेखा की बात करें, तो इसे कुछ लोग भाग्य रेखा भी कहते हैं।

हथेली में मणिबंध या हाथ के मध्य भाग से शुरू होकर शनि पर्वत तक जाने वाली रेखा को शनि रेखा कहते हैं। शनि पर्वत हथेली की मध्यमा उंगली के नीचे होता है। हाथ में गहरी, स्पष्ट और अखंड शनि रेखा का होना बहुत शुभ होता है। शनि रेखा को भाग्य रेखा भी कहते हैं क्योंकि यह जातक का भाग्य बताती है।

शनि रेखा से हर कदम पर साथ देता है भाग्य और मिलता है हर सुख जिन लोगों के हाथों में शनि रेखा होती है, उन्हें दुनिया का हर ऐशो-आराम मिलता है। समझ लीजिए कि बहुत कम मेहनत पर भी ऐसे लोगों को जीवन में बड़ी सफलता मिलती है।

करियर की बात करें, तो हथेली में प्रबल शनि रेखा होने पर व्यक्ति को किसी अधिकारी पद पर नौकरी मिलती है और अगर ऐसा व्यक्ति कोशिश करे, तो सरकारी नौकरी के लिए मेहनत करने पर उसे सफलता भी मिलती है। ऐसे लोगों की सबसे खास बात यह होती है कि इन्हें 35 साल की उम्र तक जीवन का हर सुख और वैभव प्राप्त हो जाता है। शनि रेखा को शनिदेव की कृपा से जोड़कर भी देखा जाता है। माना जाता है कि ऐसे लोगों पर शनिदेव की कृपा भी हमेशा बनी रहती है। ऐसे लोगों की लव लाइफ भी बहुत ही अच्छी चलती है और इन्हें पार्टनर का सच्चा प्यार मिलता है।

अक्षय तृतीया पर खुलेंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

हिंदू पंचांग के अनुसार सृष्टि के आरंभ के पंद्रह दिन बाद वैशाख मास का आरम्भ होता है। यह पवित्र मास व्यक्ति को व्यष्टि से समष्टि की ओर उन्मुख होने की प्रेरणा देता है। पुराणों में इस मास को जप, तप, दान का महीना कहा गया है। अक्षय तृतीया का पावन पर्व इस मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। इस पर्व से अनेकों पौराणिक बातें जुड़ी हुई हैं। उत्तराखंड के प्रसिद्द तीर्थ स्थल बद्रीनाथ धाम के कपाट भी अक्षय तृतीया के ही के दिन पुनः खुलते हैं और इसी दिन से चारों धामों की पावन यात्रा प्रारम्भ हो जाती है।

बद्रीनाथ धाम से जुड़ी रोचक कथा

पुराणों में बद्रीनाथ को धरती का स्वर्ग माना गया है, इसके महत्व का वर्णन बहुत से पुराणों में मिलता है। मान्यता के अनुसार बद्रीनाथ भगवान विष्णु का निवास स्थान है। किन्तु बहुत कम लोगों को ये पता होगा कि बद्रीनाथ श्रीविष्णु से पहले भोलेनाथ का निवास स्थान हुआ करता था। कथा के अनुसार इस स्थान पर सतयुग में बद्री (बेर) का वन था जिस कारण इसका नाम बद्रीनाथ पड़ा। इस स्थान भगवान शिव माता पार्वती के साथ रहते थे। ये उन दोनों का विश्राम स्थल था जो उन्हें अत्यंत प्रिय था। एक बार श्रीहरि भगवान शंकर से मिलने बद्रीनाथ आए। ये स्थान उन्हें इतना प्रिय लगा कि उन्होंने इसे महादेव से मांग लिया। महादेव ने हंसते हुए कहा कि आप तो स्वयं त्रिलोक के स्वामी हैं तो ये स्थान भी आपका ही है। किन्तु आपको इसे पार्वती से मांगना होगा। माता पार्वती से वो स्थान मांगना सहज नहीं था इसीलिए नारायण ने एक युक्ति बनाई। वे एक बालक के रूप में बद्रीनाथ के द्वार पर आये और जोर जोर से रुदन करने लगे। जब माता पार्वती ने एक बालक का रुदन सुना तो उनसे रहा नहीं गया और उन्होंने बाहर आकर उसे गोद में ले लिया और अंदर आ गईं। उन्हें देखते ही भोलेनाथ समझ गए कि ये श्रीहरि यहीं हैं और अवश्य ही कोई लीला कर रहे हैं।

उन्होंने माता पार्वती से कहा कि इस बालक को द्वार पर ही छोड़ आओ, थोड़ी देर में ये स्वतः ही चला जाएगा। तब माता पार्वती ने कहा कि इतना छोटा बालक अकेला कहां जाएगा। इसे यही रहने दीजिए। ये कह कर वे उन्हें भवन के अंदर ले गयी और सुलाने लगी। भगवान शंकर समझ गए कि अब बद्रीनाथ में रहने का उनका समय समाप्त हो गया है। वैसे भी उन्होंने श्रीहरि को वो स्थान पहले ही दे दिया था।

उधर जब बहुत देर हो गयी तो माता पार्वती ने भोलेनाथ से वापस चलने को कहा। तब महादेव ने कहा कि अब हमें वापस नहीं जाना चाहिए और किसी और स्थान में जाकर बसना चाहिए। किन्तु माता को वो स्थान अत्यंत प्रिय था इसी कारण वे बार-बार वापस चलने की जिद करने लगी। अंततः भोलेनाथ और माता वापस बद्रीनाथ आ गए।

वहां पहुंच कर माता ने देखा कि द्वार तो बंद है। वे द्वार खटखटाने लगी और तब श्रीहरि ने अंदर से कहा कि हे देवी! ये स्थान मुझे अत्यंत प्रिय प्रतीत हो रहा है इसी कारण अब आप मुझे ही यहां रहने दीजिए। आप लोग कृपया कहीं अन्यत्र चले जाएं। माता ये सुन कर हैरान रह गयी और तब भोलेनाथ ने उन्हें हंसते हुए श्रीहरि की लीला के बारे मे बताया।

ये सुनकर माता पार्वती श्रीहरि की लीला समझ गईं और उन्हें इस बात की प्रसन्नता भी हुई कि कुछ समय के लिए उन्हें भी बालक रूपी श्रीहरि का लाड़ करने का अवसर मिला। तब भोलेनाथ ने कहा कि अब आप ही बताएं कि हम कहां जाएं? ये सुनकर श्रीहरि ने उन्हें वहां से 3 योजन दूर केदार नामक स्थान पर जाकर बसने का सुझाव दिया। तब महादेव माता सहित केदारनाथ चले गए और वहां केदारनाथ ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित हुए।

उस दिन से ही श्रीहरि बद्रीनाथ में और महादेव केदारनाथ में स्थित हो गए। ऐसी मान्यता है कि जो कोई भी इनमें से किसी एक भी तीर्थ पर जाता है उन्हें श्रीहरि और महादेव दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जो व्यक्ति इन दोनों तीर्थ के दर्शन करता है उसे अवश्य ही मोक्ष की प्राप्ति होती है।

विद्यार्थियों के लिए विशेष फलदाई है गणेश रुद्राक्ष

आम तौर पर एकमुखी से चौदह मुखी तक रूद्राक्ष बड़ी सरलता से देखने को मिल जाते हैं, दुर्लभ रूद्राक्ष की श्रेणी में गौरीशंकर रूद्राक्ष एवं गणेश रूद्राक्ष आते हैं जो प्रकृति की अनुपम देन हैं। इन्हें अभिमंत्रित कर धारण करने से मनोवांछित परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। परीक्षा निकट आते ही अधिकांश विद्यार्थी, परीक्षा परिणाम सुखद होगा कि नहीं, आदि बातों से विचलित हो जाते हैं, ऐसी अवस्था में ज्योतिष शास्त्र के उपाय शीघ्र काम करते हैं।

बौद्धिक विकास में सहायक गणेश रुद्राक्ष - यूं तो बुध ग्रह की कृपा एवं अनुकूलता मंत्र-जप, अनुष्ठान, औषधि- स्नान, रत्न धारण करके प्राप्त किया जा सकता है लेकिन विद्यार्थियों के लिए बौद्धिक विकास एवं पढ़ाई में शीघ्र सफलता के लिय गणेश रूदाक्ष बुधवार के दिन धारण करना विशेष फलदाई रहता है। गणेश रूदाक्ष बुध की कृपा के साथ-साथ अध्ययन के प्रति एकाग्रता में वृद्धि करता है, स्मरण शक्ति बढ़ाता है तथा लेखन की शक्ति में भी वृद्धि करता है। इसके प्रभाव से सामान्य क्षमता वाला विद्यार्थी भी बेहतर परीक्षा परिणाम प्राप्त कर सकता है।

गणेश रुद्राक्ष कैसे व कब धारण करें - गणेश रूदाक्ष धारण करने से पहले उसे गाय के कच्चे दूध तथा गंगाजल से धो लें तथा उसका पूजन करें। इसके पश्चात गणपति अर्थवशीर्ष का पाठ करें। गणेश रूद्राक्ष को हरे रंग के धागे में धारण करें। शुक्ल पक्ष मे बुधवार को सर्वाथसिद्धि योग पड़ने पर गणेश रूदाक्ष धारण करना अत्यधिक शुभ फल प्रदान करता है।

गणेश रुद्राक्ष के अन्य लाभ - यूं तो गणेश रूद्राक्ष का संबंध विघ्न-विनाशक गणपति से है, पढ़ाई में अच्छे परिणाम के साथ-साथ इस रूद्राक्ष के अन्य लाभ भी हैं। जीवन के प्रत्येक पहलू में अचूक निपुणता हेतु गणेश रूद्राक्ष धारण किया जाता है।

पुत्री के विवाह में आ रही बाधा को दूर करने हेतु भी गणेश रूद्राक्ष सहायक होता है।

सन्तान प्राप्ति एवं विलम्ब वाली स्थिति को समाप्त करने के लिए गणेश रूद्राक्ष महाशिवरात्रि अथवा मास शिवरात्रि के दिन धारण करना विशेष फलप्रद रहता है।

गणेश रुद्राक्ष के पूजन से संतान बाधा, पुत्र-पुत्री के विवाह में आ रही बाधा निश्चित रूप से दूर होती है।

दो हफ्तों से लापता हैं 'तारक मेहता' के सोढ़ी

पिता बोले- 'हम सब बहुत परेशान हैं, बेटे के वापस आने का इंतजार कर रहे'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम एक्टर गुरुचरण सिंह को गुम हुए दो हफ्ते से भी ज्यादा वक्त हो गया है। पुलिस अभी तक उनका पता नहीं लगा पाई है।

अब एक्टर की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाने वाले पिता हरगीत सिंह ने मामले पर अपनी चिंता जाहिर की है। वो अपने बेटे के बारे में कोई ठोस जानकारी ना मिलने की वजह से चिंतित हैं।

'हम उसके वापस आने का इंतजार कर रहे हैं'

टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए हरगीत ने कहा, 'जो भी हुआ वो बहुत ही शॉकिंग है। हम सभी बहुत परेशान हैं। हम पुलिस से उसके बारे में कोई अपडेट मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साथ ही उसके वापस आने का भी इंतजार कर रहे हैं।'

डिनैपिंग का केस दर्ज कर पुलिस कर रही तलाश

गुरुचरण बीते दो हफ्तों से गायब है। उनके पिता की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस किडनैपिंग का केस दर्ज करके 50 वर्षीय एक्टर की तलाश कर रही है।

एक्टर की लास्ट लोकेशन दिल्ली के पालम स्थित उनके घर से कुछ ही किलोमीटर दूर पाई गई थी। उन्होंने ATM से 7 हजार रुपए निकाले और फिर उनका फोन स्विच ऑफ हो गया था।

22 अप्रैल से नहीं कोई जानकारी

एक्टर गुरुचरण सिंह बीते 22 अप्रैल को दिल्ली से मुंबई के लिए निकले थे जिसके बाद से किसी को उनकी कोई खबर नहीं है। एक्टर ने 2020 में लॉकडाउन के वक्त पिता का ध्यान रखने के लिए टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' छोड़ दिया था। एक्टिंग से दूरी बनाने के बाद से गुरुचरण दिल्ली में अपने मां-बाप के साथ ही रहते हैं।

टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाने वाले एक्टर गुरुचरण सिंह 6 दिनों से गायब है। उनके पिता की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस किडनैपिंग का केस दर्ज करके 50 वर्षीय एक्टर की तलाश कर रही है।

यश टॉक्सिक में करीना कपूर की जगह लेंगी नयनतारा

करीना कपूर यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक से कन्नड़ सिनेमा में डेब्यू करने वाली थीं, हालांकि बिजी शेड्यूल होने के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी है। अब रिपोर्ट्स हैं कि करीना की जगह मेकर्स साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा को फिल्म में कास्ट करने वाले हैं।

नयनतारा को पसंद आई टॉक्सिक की स्क्रिप्ट

हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट में फिल्म डेवलपमेंट से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है, फिल्म टॉक्सिक के डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश की बीते हफ्ते में कई बार नयनतारा से मीटिंग हुई है। रिपोर्ट में लिखा है, नयनतारा ने फिल्म टॉक्सिक करने में इंटरेस्ट दिखाया है और फिलहाल लॉजिस्टिक्स पर काम किया जा रहा है। फिल्म में यश की बहन के किरदार को बेहतरीन ढंग से सक्रिप्ट किया गया है और वो स्ट्रॉन्ग रोल नयनतारा की छवि से काफी मेल खाता है। नयनतारा सक्रिप्ट पढ़कर गीतू मोहनदास से बेहद खुश हैं कि उन्होंने इतना स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर तैयार किया है।

करीना कपूर निभाने वाली थीं यश की बहन का रोल

बता दें कि करीना कपूर फिल्म टॉक्सिक में यश की बहन का रोल प्ले करने वाली थीं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इसका हिंट भी दिया था।

हालांकि बिजी शेड्यूल के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी है। फिल्म के मेकर्स चाहते थे कि करीना की जगह कोई पैन इंडिया प्रेजेंस वाली एक्ट्रेस फिल्म में यश की बहन का रोल प्ले करे।

नयनतारा ने बीते साल फिल्म जवान से बॉलीवुड डेब्यू किया था, जिसके बाद से ही उनकी पैन इंडिया इमेज बन चुकी है। इससे पहले नयनतारा कन्नड़ फिल्म सुपर (2010) में नजर आ चुकी हैं। अगर नयनतारा फिल्म करती हैं तो ये उनकी दूसरी कन्नड़ फिल्म होगी।

प्रभास के पास सांस लेने की नहीं है फुर्सत धड़ाधड़ फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस साल प्रभास की कई मेगा बजट फिल्में रिलीज होने वाली हैं। जिनमें 'कल्कि 2898 एडी', 'सालार 2' और 'स्पिरिट' शामिल हैं। यह तीनों ही फिल्मों का बजट काफी बड़ा है। आइए जानते है कि यह फिल्में किस पर आधारित हैं और कब रिलीज होगी।

कल्कि 2898 एडी

निर्देशक नाग अश्विन कि 'कल्कि 2898 एडी' विज्ञान-कल्पना से जुड़ी एक फिल्म है। इस फिल्म में 'बाहुबली' अभिनेता प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन अहम भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के टीजर में अमिताभ के किरदार की छोटी सी झलक देखने को मिली थी। उनके लुक पर गौर करें तो ऐसा प्रतीत होता है कि बिग बी लंबे समय तक जीवित रहने वाले व्यक्ति के किरदार में हैं। उनका लुक 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' सीरीज के गैंडालफ की भी याद दिलाता है। 'कल्कि 2898 एडी' में कमल हासन का भी दमदार रोल होगा। यह फिल्म 27 जून 2024 को रिलीज होगी।

'सालार 2'

फिल्म 'सालार' की आपार सफलता के बाद निर्देशक प्रशांत नील ने इस फिल्म का सीक्वल बनाने का फैसला लिया। इस फिल्म का सीक्वल 'सालार 2' के नाम से आएगा। इस फिल्म के पहले पार्ट ने रिलीज के बाद दुनियाभर में 600 करोड़ से अधिक की कमाई की। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन की अदाकारी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। पहले भाग के दमदार प्रदर्शन के बाद फैंस को इसके दूसरे भाग का बेसब्री से इंतजार है। 'सालार 2' की शूटिंग इस साल मई के अंत तक शुरू हो जाएगी। बताया जा रहा है कि सालार के दूसरे भाग को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में शूट किया जाएगा। प्रभास और पृथ्वीराज फिल्म 'सालार 2' के पहले शेड्यूल में शामिल होंगे। होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का एक बड़ा हिस्सा इस साल शूट किया जाएगा। वहीं, बाकी के हिस्से 2025 की पहली तिमाही में शूट किए जाएंगे। फिलहाल निर्माता सभी इंडस्ट्री के नए कलाकारों को इस फिल्म में कास्ट करने की प्रक्रिया में हैं। इस फिल्म को दिसंबर 2025 में रिलीज किया जा सकता है।

'स्पिरिट'

स्पिरिट एक आगामी बॉलीवुड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा करेंगे। इस फिल्म में प्रभास लीड रोल में नजर आयेंगें। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार हैं। यह फिल्म 2025 में रिलीज हो सकती है। फैंस को प्रभास की हर एक नई लिम का बेसब्री से इंतजार है।

वरुण-जान्हवी ने शुरू की 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' मूवी

वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का टाइटल 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' है। इसे शशांक खैतान डायरेक्ट करेंगे। वहीं करण जौहर इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। शनिवार को फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले मेकर्स ने मुहूर्त पूजा का आयोजन किया। इस पूजा सेरेमनी का वीडियो करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया।

करण ने शेयर किया पूजा सेरेमनी का वीडियो

इसे शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'एकदम सच्चा प्यार! सनी संस्कारी और तुलसी कुमारी की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हमारे परिवार को अपना प्यार और आशीर्वाद दीजिए।' करण ने अपनी इस पोस्ट में यह भी बताया कि यह फिल्म अगले साल 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वरुण के साथ तीसरी और जान्हवी के साथ दूसरी फिल्म

बात करें फिल्म की तो यह शशांक खैतान की वरुण धवन के साथ तीसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों दुल्हनिया फ्रैंचाइज की दोनों फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

इस फ्रैंचाइज की पहली फिल्म 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' 2014 में और दूसरी फिल्म 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' 2017 में रिलीज हुई थी। वहीं जान्हवी के साथ शशांक दूसरी बार काम करेंगे। इससे पहले उन्होंने एक्ट्रेस की डेब्यू फिल्म 'धड़क' डायरेक्ट की थी।

दुल्हनिया फ्रैंचाइज का हिस्सा हो सकती है यह फिल्म

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' एक लव स्टोरी है। चर्चा है कि यह फिल्म दुल्हनिया फ्रैंचाइज का हिस्सा हो सकती है। फिल्म में वरुण, सनी और जान्हवी, तुलसी नाम के किरदार में नजर आएंगी। इसमें वरुण और जान्हवी के अलावा रोहित सराफ, मनीष पॉल, सान्या मल्होत्रा और अक्षय ओबेरॉय जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कॉन्सर्ट के दौरान हुई बदतमीजी से खफा हैं सुनिधि! बोलीं- मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं

मशहूर बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान अपने गाने से फैंस का दिल जीतने में हमेशा कामयाब रहती हैं। सिंगर को हमेशा ही लाखों फॉलोअर्स और शौकीन प्रशंसकों का प्यार मिलता है। अब हाल ही में, देहरादून कॉन्सर्ट के दौरान सिंगर के साथ बदतमीजी की गई थी। भीड़ में से किसी ने गायिका पर बोतल फेंक दिया था। अब सुनिधि ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

हाल ही में, सुनिधि चौहान ने देहरादून के एक कॉलेज में दमदार परफॉर्मेंस दी। स्पोर्ट्स जर्सी स्टाइल वाली मिडी ड्रेस, ग्लैम मेकअप और खुले बालों में गायिका बेहद सेक्सी लग रही थीं। उन्होंने अपने थिरकाने वाले गाने गाए और लोगों का दिल जीत लिया। हालांकि, इन सब के बीच सिंगर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह चौंकती हुई नजर आती हैं क्योंकि दर्शकों में से एक ने उन पर बोतल फेंक दिया था।

सुनिधि ने हाल ही में, इस घटना के बारे में स्थिति स्पष्ट की और एक इंटरव्यू में बताया कि यह पहली बार है कि उनके साथ ऐसा कुछ हुआ है और उन्हें नहीं लगता कि यह जानबूझकर किया गया था। सिंगर ने कहा,, ₹मैं अपना दूसरा आखिरी गाना प्रस्तुत कर रही थी और भीड़ आनंद ले रही थी। वे हवा में बोतलें उछाल रहे थे और उनमें से एक मंच पर गिर गया क्योंकि उसमें पानी था। जब मैंने कहा, 'ये क्या हो रहा है? 'दिखाओ रुक जाएगा', तो उन्होंने मीठा जवाब दिया, 'नहीं, कृपया मत करो।' बच्चे बस मजा कर रहे थे।" उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि वीडियो वायरल हो गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि बोतल उनके माइक्रोफोन पर काफी जोर से लगी थी। उन्होंने कहा, ₹बेशक, अगर माइक मेरे मुंह के करीब होता, तो मुझे चोट लग सकती थी और शायद अलग तरह से प्रतिक्रिया देती। हालांकि, शुक्र है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ। हालांकि, उन्होंने इस घटना की निंदा भी की और कहा, "इस घटना के बाद, मुझे कुछ उदाहरणों के बारे में पता है जब लोगों ने जानबूझकर कलाकारों के साथ दुर्व्यवहार किया और उन पर चीजें फेंकी, और वह गलत है। मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं।"

अजय की प्रेमिका बन इस अभिनेत्री ने किया था डेब्यू, अब मां का किरदार भी करने को तैयार

मधु नब्बे के दशक की एक जानी-मानी कलाकार हैं। उनकी पहचान एक उतकृष्ट अभिनेता के तौर पर की जाती है। अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता की वजह से उन्होंने लगभग हर जॉनर की फिल्मों में काम किया है। हॉरर, एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा, रोमांस हर एक जॉनर में उन्होंने हिट फिल्में दी हैं। उनकी पहली फिल्म 'फूल और कांटे' में एक्शन और रोमांस का भरपूर तड़का था। इस फिल्म से मधु और अजय देवगन ने भी फिल्मी दुनिया में कदम रखा था।

अजय के साथ किया था डेब्यू

'फूल और कांटे' में अजय और मधु पहली बार पर्दे पर नजर आए थे। दोनों की यह पहली फिल्म थी। इस फिल्म में अजय, मधु से इश्क लड़ाते देखे गए थे। फिल्म की रिलीज के बाद से दोनें ने खुद को एक सफल कलाकार के तौर पर स्थापित कर लिया है। मधु ने अपने करियर में कई फिल्में कीं। वह इसके बाद 'पहचान', 'एलान', 'प्रेम योग', 'हथकड़ी', 'दिलजले' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। हाल में ही उन्होंने अपने एक पुराने बयान पर बात की है। अभिनेत्री ने एक बार कहा था कि अगर उन्हें कभी अजय की मां का किरदार दिया गया तो वह उसे निभाने से इनकार कर देंगी।

अजय की मां बनना होगी चुनौती

एक इंटरव्यू के दौरान मधु ने अपने इस बयान पर नई प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और परिपक्व हुई हैं। अब वह अजय की मां का किरदार एक चुनौती के रुप में लेंगी। अपने पुराने बयान पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा, 'उस बयान को संदर्भ से बाहर देखा गया, मैंने तब काल्पनिक रुप से ऐसा कह दिया था। अब मैं खुद को सही कर रही हूं, मैं एक कलाकार के रूप में और विकसित हुई हूं। वो बयान मैंने दो-तीन साल पहले किसी और संदर्भ में दिया था'।

'कर्तम भुगतम' में आएंगी नजर

अजय को लेकर दिए बयान पर वापस आते हुए उन्होंने कहा,'आज एक अभिनेत्री के रुप में यदि मुझे कोई किरदार मिलता है, जहां मुझे अजय से भी बड़ी दिखना है या उनकी मां का किरदार करना है। ऐसे में मैं इसे एक चुनौती के रुप में लूंगी'। बता दें कि मधु ने हिंदी के अलावा तामिल,तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में भी काम किया है। हाल में ही वह तेलुगु फिल्म गरुड़ में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्में 'कर्तम भुगतम' है। इसमें उनके साथ विजय राज और श्रेयस तलपड़े भी नजर आएंगे। इसके अलावा वह कुछ मलयालम फिल्मों का भी हिस्सा है।

'मैं चाहे मणिपुर जाऊं', अमिताभ बच्चन से खुद की तुलना करने पर ट्रोल हुई कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह लगभग हर मुद्दे पर बड़ी ही बेबाकी के साथ अपनी राय रखती नजर आती हैं। कंगना रनौत बीते काफी समय से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं, क्योंकि उन्हें बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है। इन दिनों कंगना रनौत के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी की प्रत्याशी कंगना रनौत का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में एक्ट्रेस खुद की तुलना सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से की है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया जा रहा है।

कंगना रनौत ने अमिताभ बच्चन से की खुद की तुलना

कंगना रनौत इन दिनों लगातार जनसभाएं कर रही हैं। एक्ट्रेस का एक भाषण देते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वायरल हो रहे वीडियो में कंगना रनौत कह रही हैं कि "सारा देश हैरान है, कि वो कंगना रनौत, चाहे राजस्थान चली जाऊं, चाहे मैं वेस्ट बंगाल चली जाऊं, चाहे मैं दिल्ली चली जाऊं, चाहे मणिपुर चली जाऊं, ऐसा लगता है कि मानो इतना प्यार और सम्मान मैं दावे से कह सकती हूं कि इतना प्यार और इतना सम्मान अमिताभ बच्चन जी के बाद आज किसी को इंडस्ट्री में मिलता है, तो वो मुझे मिलता है।"

यूजर्स की प्रतिक्रियाएं

कंगना रनौत के बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रियाएं देते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा मॉडर्न राखी सावंत। एक यूजर ने लिखा 'जनता इतना प्यार करती है तो इस महिला की फिल्में क्यों नहीं देखती एक के बाद एक फिल्म पिटती जाती हैं!'

कंगना ने इस वजह से राजनीति में रखा कदम

कंगना रनौत की काफी समय से फिल्में एक के बाद फ्लॉप हो रही हैं। एक्ट्रेस के राजनीति में कदम रखते ही ये सवाल उठ रहे थे कि वह अपने फिल्मों के लगातार फ्लॉप होने की वजह राजनीति में आई हैं। इस पर कुछ दिनों पर कंगना रनौत ने रिएक्शन देते हुए कहा था कि राजनीति में प्रवेश करने का उनका निर्णय उनकी हालिया फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन के कारण नहीं था। कंगना ने शाहरुख खान के करियर ग्राफ और अपनी फिल्मों- 'क्वीन' और 'मणिकर्णिका' का हवाला देते हुए कहा था कि विश्व स्तर पर फिल्म की सफलता में उतार-चढ़ाव आम है।

साउथ एक्ट्रेस आशु रेड्डी फिल्म 'येवम' को लेकर चर्चा में

साउथ एक्ट्रेस आशु रेड्डी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'येवम' को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में इसका पोस्टर शेयर किया। इसमें उन्हें कुर्सी पर बैठे सिजलिंग पोज देते हुए देखा गया था। पोस्टर को शेयर करने के साथ ही उन्होंने लिखा, 'येवम अब आपकी है।' उन्होंने फिल्म में अपने किरदार को भी रिवील किया कि वो इसमें हरिका का रोल प्ले कर रही हैं। फैंस पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म के लिए एक्साइटेड हो गए। इसी बीच एक्ट्रेस का राम गोपाल से जुड़ा एक चर्चित किस्सा भी चर्चा में आ गया है। जब फिल्ममेकर उनके पैर चूमते हुए नजर आए थे। चलिए बताते हैं।

दरअसल, ये किस्सा ज्यादा समय पुराना नहीं बल्कि पिछले साल का ही है। राम गोपाल अपनी फिल्म 'डेंजर्स' लेकर आ रहे थे। इस विवादित फिल्म को लेकर वो अक्सर ही सुर्खियों में रहे थे। इसके साथ-साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस भी काफी हेडलाइन्स में रही थी। ऐसे में फिल्म के प्रमोशन के दौरान राम गोपाल वर्मा आशु रेड्डी के शो हेप्पी डेज में पहुंचे थे। इस दौरान उनका ये सिजलिंग इंटरव्यू वायरल हो गया। वायरल वीडियो में राम गोपाल वर्मा को आशु रेड्डी के पैरों का मसाज करते हुए देखा गया था। इसके लिए दोनों को ही ट्रोल्स का सामना करना पड़ा था। राम गोपाल वर्मा को लोगों ने जमकर खरी-खोटी सुनाई थी। इस विवाद के बाद आशु रेड्डी रातों-रात लाइमलाइट में आ गईं।

कौन हैं आशु रेड्डी?

बहरहाल, अगर आशु रेड्डी के बारे में बात की जाए तो वो साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस हैं। उन्हें मुख्यतः तेलुगु फिल्मों के लिए जाना जाता है। वो एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक इन्फ्लुएंसर भी हैं। उन्होंने बतौर एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत साल 2018 में 'चल मोहन रंगा' से की थी। इसके बाद 2019 में 'बिग बॉस तेलुगु सीजन 3' का हिस्सा भी रही थीं। इसे नागार्जुन ने होस्ट किया था। हालांकि, वो शो में बहुत कम समय तक ही रही थीं।

एडल्ट सीन्स देकर बटोरी लाइमलाइट

इतना ही नहीं, आशु रेड्डी के बोल्डनेस के चर्चे भी खूब रहे हैं। वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और खुद से जुड़ी सिजलिंग पोस्ट शेयर कर अक्सर हेडलाइन्स में बनी रहती हैं। ऐसे ही राम गोपाल वर्मा के साथ विवादों के अलावा वो बोल्ड सीन्स से भी लाइमलाइट बटोर चुकी हैं। राम गोपाल की फिल्म 'डेंजरस' में एक क्राइम थ्रिलर फिल्म थी। इसकी कहानी समलैंगिक लव स्टोरी पर आधारित थी। इसमें एक्ट्रेस वे खूब एडल्ट सीन्स दिए थे, जिस पर काफी बवाल भी मचा था। इससे उन्होंने काफी सुर्खियां भी बटोरी थी। इसकी वजह से फिल्म के सेंसर बोर्ड से ए सर्टिफिकेट दिया गया था।

बड़ी समस्या है बढ़ता यूरिक एसिड, कैसे करेंगे बचाव

आजकल की बदलती जीवनशैली और ख़राब खानपान के चलते लोगों में यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या आम हो गई है। यूरिक एसिड ख़ून में पाया जाने वाला एक रसायन है जो शरीर की कोशिकाओं और प्यूरीनयुक्त खाद्य पदार्थों जैसे मीट, राजमा, गोभी आदि से बनता है। जब शरीर में प्यूरीन की मात्रा निश्चित सीमा से अधिक बढ़ जाती है तो किडनी उसे ठीक से फिल्टर नहीं कर पाती। इससे शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने लगता है जिसके कारण कई तरह की परेशानियां घेरने लगती हैं। यूरिक एसिड का बढ़ना एक गंभीर समस्या है जो जोड़ों में तेज़ दर्द के साथ अन्य बीमारियों को भी पैदा कर सकती है।

यूरिक एसिड का संतुलन है ज़रूरी

यूरिक एसिड का अधिकतर हिस्सा किडनी से फिल्टर होकर यूरिन के ज़रिए शरीर से बाहर निकल जाता है। शरीर में सामान्य रूप से यूरिक एसिड की मात्रा 3.5 से 7.2 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर तक हो सकती है। लेकिन यदि शरीर में यूरिक एसिड इससे ज़्यादा बन रहा है या किडनी इसे फिल्टर नहीं कर पा रही है तो रक्त में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है। यूरिक एसिड की इस बढ़ी हुई समस्या को

हाइपरयूरिसीमिया कहते हैं। यह बढ़ा हुआ यूरिक एसिड हड्डियों के बीच में जमा हो जाता है जिससे गाउट की समस्या पैदा हो जाती है। इसके अलावा यूरिक एसिड के बढ़ने से शरीर में कई तरह की बीमारियों का ख़तरा भी बढ़ने लगता है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड किडनी की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित कर देता है।

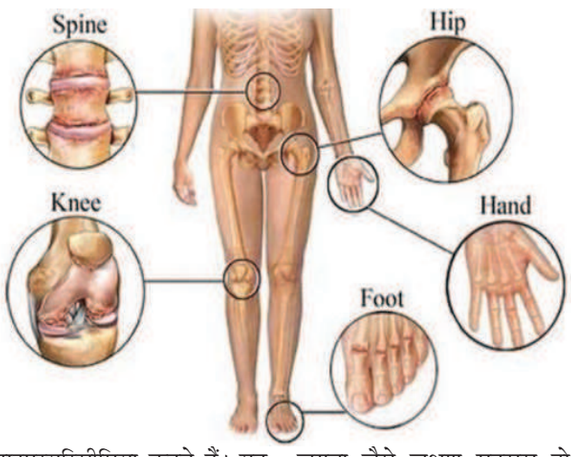

बढ़ते यूरिक एसिड को पहचानें

शरीर में सामान्य से अधिक यूरिक एसिड की मात्रा होने पर इसके लक्षण दिखाई दे सकते हैं और नहीं भी। इसके सामान्य लक्षणों में जोड़ों में दर्द, तलवे लाल हो जाना, एड़ियों में तेज़ दर्द, जोड़ों की ऊपरी त्वचा के रंग में बदलाव, पैर के अंगूठे में दर्द, बुखार आना और अधिक प्यास लगना जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। कई बार तो यूरिक एसिड के अधिक होने के लक्षण बहुत समय बीत जाने के बाद महसूस होते हैं इसलिए शरीर में होने वाले बदलावों पर ध्यान देकर यूरिक एसिड का टेस्ट करवाना ज़रूरी है।शरीर में अधिक यूरिक एसिड की स्थिति में किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है। यदि यूरिक एसिड जोड़ों के पास जमता जा रहा है तो गठिया और अर्थराइटिस की आशंका बढ़ जाती है। बहुत अधिक यूरिक एसिड की स्थिति में किडनी की ख़राबी, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग की समस्या उत्पन्न होने का ख़तरा भी बढ़ जाता है।

पहले आहार में लाएं बदलाव

एक सही आहार के माध्यम से आपको शरीर में बढ़े हुए यूरिक एसिड के स्तर को सामान्य करने में मदद मिल सकती है।

यूरिक एसिड स्तर ज़्यादा होने पर प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि 100 ग्राम प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों में लगभग 200 मिली ग्राम प्यूरीन पाया जाता है जो यूरिक एसिड को बढ़ाता है। अधिक प्यूरीन युक्त खाद्य पदार्थ जैसे मीट, सी फूड, मछलियां और ऑर्गन मीट जैसे लिवर, किडनी के सेवन से बचना चाहिए।

रिफाइंड, कार्बोहाइड्रेट, सफ़ेद ब्रेड, केक, आइसक्रीम, सोडा, फास्ट फूड और बिस्किट का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

बढ़े यूरिक एसिड के दौरान नियमित आहार में कम प्यूरीन वाले खाद्य पदार्थ, सभी फल, हरी सब्जियां, फलियां, मसूर की दाल, बीन्स, सोयाबीन, सूखे मेवे, चेरी, सीड्स, ब्राउन राइस और जौ जैसे साबुत अनाज व कम वसा वाले दुग्ध उत्पाद आदि को प्राथमिकता दें।

इन खाद्य पदार्थों के सेवन के साथ भरपूर मात्रा में पानी पिएं। साथ ही नियमित रूप से व्यायाम भी करते रहें, जिससे यूरिक एसिड के स्तर और किडनी की कार्यप्रणाली में सुधार हो सके।

महिलाएं हेल्दी रहने के लिए सुबह के रूटीन में शामिल करें ये आदतें

महिलाएं ऑफिस के साथ घर का भी बखूबी ध्यान रखती है। लेकिन काम की व्यस्तताओं के चलते अपने पर कम ध्यान दें पाती है, जिस कारण उनको कम उम्र में ही बीमारियां लगने का डर बना रहता हैं। तनाव, अनहेल्दी खान-पान, बहुत अधिक स्क्रीन पर समय बिताना, बैठे-बैठे काम करना और खराब नींद के कारण भी शरीर में बीमारियां लगने का डर कई गुना बढ़ जाता हैं। अक्सर लोग स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी खानपान को ही काफी समझते हैं। लेकिन आपको बता दें, स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी खानपान के साथ सुबह की रूटिन में कई हेल्दी आदतों को शामिल किया जा सकता हैं। इन हेल्दी आदतों की वजह से महिलाओं में होने वाले हार्मोनल असंतुलन, अनियमित पीरियड्स, कंसीव करने में दिक्कत और फर्टिलिटी का कम होने जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलेगी। योगा इंस्ट्रक्टर काम्या ने सोशल मीडिया पर एक विडियो शेयर किया है, जिसमें वह महिलाओं को हेल्दी रहने के लिए सुबह के रूटिन में किन आदतों को शामिल करना चाहिए इस बारे में बता रही हैं।

बगल की मसाज या थपथपाना

महिलाओं को सुबह फ्रेश होने के बाद बगल की मसाज और थपथपाना जैसे काम करना चाहिए। ऐसा नियमित करने से अच्छी और गहरी नींद आने में मदद मिलती है, एनर्जी लेवल बूस्ट होता है, ब्रेस्ट हेल्दी रहती है और शरीर का ब्लड सर्कुलेशन भी ठीक होता है। इसे आप 2 से 3 मिनट तक कर सकते हैं। बगल की मसाज और थपथपाने के लिए हल्के हाथ का उपयोग करें।

स्पॉट जॉगिंग

सुबह उठने के बाद महिलाओं को नियमित 80 से 100 बार स्पॉट जॉगिंग करनी चाहिए। ऐसा करने से असंतुलित हार्मोन, पोस्टपार्टम रिकवरी, हड्डियों में होने वाली समस्याएं, पीरियड्स में होने वाला दर्द और ब्लड सर्कुलेशन ठीक से रखने में मदद करता हैं। स्पॉट जॉगिंग को घर पर ही आसानी से किया जा सकता है। इसको रोज सुबह करने से स्किन क्लियर और ग्लोइंग बनती है।

बॉडी टैपिंग

महिलाएं हेल्दी रहने के लिए सुबह के रूटीन में नियमित बॉडी टैपिंग को करें। ऐसा करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, स्ट्रेस कम होता है औरएंग्जाइटी के लक्षण कम होते हैं। बॉडी टैपिंग करने से मूड स्विंग्स, पीरियड्स क्रैम्पसऔर इरिटेशन से भी छुटकारा मिलता है। बॉडी टैपिंग में ऊंगलियों की मदद से शरीर के हिस्सों को दबाना है। ऐसा आप 2 से 3 बार कर सकते है। नियमित ऐसा करने से नेगेटिव इमोशन्स भी कम होते हैं।

टैपिंग करने से किसे बचना चाहिए

टैपिंग कोई भी महिला कर सकती है। लेकिन प्रेग्नेंसी, मासिक धर्म या जिन क्षेत्रों की हाल ही में सर्जरी हुई है, उन महिलाओं को टैपिंग करने से बचना चाहिए।

बालों को लंबा और घना बनाने के लिए लगाएं इन 3 तेलों का मिश्रण

हेयर ग्रोथ को बढ़ाने के लिए, कैस्टर ऑयल, कोकोनेट ऑयल और रोजमेरी ऑयल को मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं।

नारियल का तेल, एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होता है। इसे बालों में लगाने से,डैंड्रफ दूर होता है।

नारियल के तेल से हेयर फॉलिकल्स बेहतर होते हैं और बाल हेल्दी बनते हैं।

इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। यह हेयर ग्रोथ में रूकावट बनने वाले बैक्टीरिया को कम करता है।

यह एक नेचुरल कंडीशनर के तौर पर काम करता है और बालों को मुलायम बनाता है।

कैस्टर ऑयल या अरंडी के तेल में विटामिन ई और फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

यह हेयर ग्रोथ को बढ़ाता है और बालों को घना व लंबा बनाता है।

रोजमेरी के तेल में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। इसे स्कैल्प में लगाने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।

यह तेल बालों को मजबूत बनाता है और नए बालों के उगने में भी मदद करता है।

कैसे तैयार करें हेयर ग्रोथ ऑयल?

सामग्री

कैस्टर ऑयल- 7 बूंदे

नारियल का तेल- 2 टेबलस्पून

रोजमेरी ऑयल- 1 टेबलस्पून

बालों में लगाने का तरीका

तीनों तेलों को आपस में मिलाएं।

अब इसे स्कैल्प पर लगाकर अच्छे से मसाज करें।

इसे बालों में लगाकर आधे घंटे या रातभर छोड़ दें।

अब बालों को सल्फेट फ्री शैम्पू से धो लें।

बालों को लंबा और घना बनाने के लिए एक्सपर्ट के बताए इन 3 तेलों को बालों की जड़ों में लगाएं। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

गर्मी से हो गया है बुरा हाल, तो फॉलो करें ये टिप्स, गर्मी से मिलेगी राहत

बढ़ती गर्मी के कारण स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। गर्मियों में लोगों को अक्सर एसिडिटी, अपच या पेट से जुड़ी परेशानी होने लगती है, जिसका कारण पेट की बढ़ती गर्मी है। बढ़ती गर्मी के कारण दिन के समय घर के बाहर निकलने के कारण लू लगने की समस्या भी बढ़ जाती है, जो आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव डालते हैं। ऐसे में बढ़ते तापमान में खुद को स्वस्थ और सेहतमंद रखना बेहद जरूरी है।

मौसमी फलों का सेवन

सुबह 11 बजे के करीब तरबूज, खरबूजा या ककड़ी जैसे मौसमी फलों का सेवन करें। यह फल पसीने के कारण शरीर से निकले तरल पदार्थों को फिर से भरने में मदद करता है। इन फलों में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं और गर्मी से बचने के लिए जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें और साथ ही आवश्यक विटामिन और मिनरल्स से भरपूर खाद्य पदार्थों का भी सेवन करें।

दोपहर में खाएं दही चावल

दही-चावल, एक पारंपरिक भारतीय व्यंजन है, जो गर्म दिनों में आपके पेट के लिए एक ठंडा और हल्का भोजन है। दही अपने ठंडे गुणों के लिए जाना जाता है और जब इसे चावल के साथ मिलाया जाता है, तो यह एक संतुलित भोजन बन जाता है, जिसे पचाना बहुत आसान होता है। आप इसे दोपहर के भोजन के तौर पर अचार या पापड़ के साथ खा सकते हैं। अचार या पापड़ के खाने से न केवल आपके खाने का स्वाद बढ़ता है, बल्कि भोजन में तीखापन या कुरकुरापन भी आ जाता है।

गुलकंद का पानी

गुलकंद को पानी में मिलाकर बनाया गया एक हेल्दी और स्वादिष्ट ड्रिंक होता है, जो शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करता है। गुलकंद अपने ठंडक गुणों के लिए जाना जाता है और अक्सर गर्मी से संबंधित समस्याओं को ठीक करने के लिए उपयोग किया जाता है। रात को सोते समय गुलकंद पानी का सेवन न केवल आपको तरोताजा करता है बल्कि पाचन में भी मदद करता है और नींद की गुणवत्ता को बढ़ावा देता है।

गर्मी में इन खाद्य पदार्थों को खाने के फायदे

* एसिडिटी की समस्या से राहत मिले * ब्लोटिंग की समस्या दूर होती है *धूप और गर्मी के कारण सिर में होने वाले दर्द से राहत मिलता है *थकान दूर करने में फायदेमंद है *अपच की समस्या दूर होती है।

क्या आप भी मोबाइल से थोड़े समय के लिए भी नहीं रह पाते हैं दूर?

कहीं आपको 'नोमोफोबिया' तो नहीं

मोबाइल फोन्स हम सभी के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। फोन कॉल्स से लेकर पेमेंट तक के लिए हम सभी मोबाइल फोन्स से जुड़े रहते हैं। पर कहीं आप मोबाइल पर इतने निर्भर तो नहीं हो गए हैं कि थोड़ी देर के लिए भी इससे दूर नहीं रह पाते हैं? मोबाइल फोन कनेक्टिविटी न होने पर एंग्जाइटी होने लगती है? अगर हां तो सावधान हो जाइए ये नोमोफोबिया नामक समस्या का संकेत हो सकता है।

नोमोफोबिया को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार के रूप में जाना जाता है। नोमोफोबिया- नो मोबाइल फोन फोबिया तब होता है जब कोई व्यक्ति मोबाइल फोन कनेक्टिविटी न होने के कारण डर या चिंता का अनुभव होने लगता है। इसमें उत्तेजना होने, सांस लेने में बदलाव और अन्य लक्षण भी हो सकते हैं। नोमोफोबिया की स्थिति आपके सोचने-समझने, परिस्थितियों को डील करने के तरीके भी प्रभावित करने वाली स्थिति मानी जाती है।

नो मोबाइल फोन फोबिया की समस्या

मोबाइल फोन्स से जुड़े रहना हम सभी की जरूरत बन गई है लेकिन इससे कुछ समय के लिए भी दूर रहने पर भी यदि आप परेशान हो जाते हैं तो आपको सावधान हो जाने की आवश्यकता है। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में साल 2019 के एक लेख में उल्लेख किया गया कि नोमोफोबिया के पहले किसी व्यक्ति में कई संभावित मनोवैज्ञानिक स्थितियां जैसे चिंता और तनाव जैसे लक्षण हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि स्मार्टफोन्स आने के बाद से ये दिक्कत काफी बढ़ गई है?

कैसे जानें कहीं आपको भी तो नहीं है ये विकार?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं चिंता-तनाव के अलावा नोमोफोबिया के कारण और भी कई प्रकार की दिक्कतें होने लगती हैं जिसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। फोन से थोड़े समय की दूरी के कारण भी शरीर में कंपन, पसीना आने, घबराहट की दिक्कत होने लगती है। कुछ स्थितियों में टैकीकार्डिया- दिल के धड़कनों में अनियमितता की समस्या भी हो सकती है। नोमोफोबिया की समस्या को भी कमोबेश उसी तरह का माना जा सकता है जैसे ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर (ओसीडी) रोगियों में देखी जाती रही है।

क्या है इस फोबिया का कारण?

मोबाइल फोन्स से दूरी में होने वाली घबराहट-चिंता की स्थिति क्यों होती है, इसके कारणों को समझने के कई अध्ययन किए गए। साल 2020 में अध्ययनों की समीक्षा में वैज्ञानिकों की टीम ने इसके कुछ संभावित कारणों के बारे में बताया। विशेषज्ञ कहते हैं, स्मार्टफोन से संबंधित कंपल्शन इस विकार को जन्म देने वाला एक कारण हो सकता है। इसके अलावा इंटरपर्सनल सेंसटिबिटी जिसमें व्यक्ति अन्य विचारों को दूसरों से साझा नहीं कर पाता है।

नोमोफोबिया के लक्षण दिखें तो क्या करें?

चूंकि नोमोफोबिया आधिकारिक तौर पर कोई मानसिक विकार नहीं है इसलिए वर्तमान में इसका कोई उपचार भी मौजूद नहीं है। हालांकि कुछ प्रकार के थेरेपी और काउंसिलिंग की मदद से फोबिया को दूर करने और लक्षणों में सुधार करने में मदद मिल सकती है। अगर किसी व्यक्ति में इस विकार के लक्षण दिखें तो उसे मनोचिकित्सक के पास ले जाएं। कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी जैसे उपायों की मदद से लक्षणों में सुधार किया जा सकता है।

दांतो से खून रोकने के उपाय बताएं

प्रश्न : दांतों में पीप और खून आता है। शायद मसूढ़ों में सूजन भी है। उपाय बताएं।
- मोहम्मद असलम, हैदराबाद

उत्तर : डेंटल कैरीज में दांतों में कैविटीज बन सकती है। और अन्न के कण जमें होने पर संक्रमण की हमेशा गुंजाइश रहती है । मसूढ़ों में सूजन आने (जिंजिवाइटिस) में मसूढे फूल जाते हैं। इसमें कई बार रगड़ने से खून भी आ सकता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। आप ऊंझा दशनसंस्कार चूर्ण में में ऊंझा इरिमेदादी तेल मिलाकर मंजन करें। कुछ देर यह औषधि मुंह में ही रखें। बाद निवाये पानी में नमक डालके कुल्ली करें। मसूढों की सूजन और स्पंजी गमस में सीधे ऊंझा इरिमेदादि तैल मसूढों पर लगाएं। इससे जरूर आराम मिलेगा। खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, आंवला आदि का प्रयोग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। हाल ही में जीभ पर कैंसर का पता चला। ऑकोलॉजिस्ट की राय से तुरंत शल्यक्रिया करवाई। अभी ठीक है। पर डॉक्टर कहते हैं यह फिर से हो सकता है। क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है? कृपा कर बताएं।
- यम परमा रेड्डी, नलगोंडा

उत्तर : कैंसर को आयुर्वेद में कर्कटार्बुद कहते हैं। बेकार किस्म की विक्षत व बढ़ने वाली उपकला कोशिकाओं की नवीन वृद्धि जो शरीर के विभिन्न भागों में हो जाती है और उसके आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित कर के रक्त व लसीका वाहिनीयों के रास्ते प्रवेश करके शरीर भर में फैल जाती हैं । य ह

प्रारंभिक अवस्था में कष्टसाध्य और जीर्ण अवस्था में असाध्य तथा जानलेवा भी हो जाती है।

जीभ का कैंसर अक्सर उन लोगों को होता है जो तंबाकू का सेवन, गुटखा, खैनी, जर्दा, किमाम, सिगरेट आदि के रूप में करते हैं। आयुर्वेद में कैंसर का इलाज है। ऊंझा का कैन्सोनिल और औरा का एनाकार्सिन एक शक्तिशाली जंतुघ्न एवं कैंसररोधी औषधकल्प है जो कैंसर के घाव, पीप, सड़न आदि को रोकता है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में हीरक भस्म, अभ्रक भस्म , पन्ना भस्म, स्वर्ण भस्म आदि को अर्बुदरोधी बताया है। कांचनार, हल्दी, तुलसी और गुडूची में संक्रमणनाशक गुण भरे हैं। इसी कारण कैंसर की प्रथम अवस्था में इन औषधियों का प्रयोग बेहतरीन नतीजे देता है। कैंसर की शल्यक्रिया और रेडियो थेरेपी के साथ और बाद में कैंसोनिल एवं एनाकार्सिन भी देते रहने से कैंसर को मिटाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। कैंसर जैसे राज रोग का इलाज योग्य आयुर्वेदाचार्य के संरक्षण में ही करना चाहिए। हां यह सच है कि जिसकी आयु बची है - उसी का इलाज संभव है।

प्रश्न : मेरे लड़की की उम्र 15 वर्ष है। उसे कान से पीप आता है। अंग्रेजी इलाज से कुछ समय आराम मिलता है फिर थोड़े ही दिनों में रोग उभर आता है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।
- नरोत्तम चौहान, नांदेड़

उत्तर : आपकी लड़की को कर्णपाक हो गया है। दूषित पित्त कान में विद्रधि का निर्माण करता है, जिससे पीप बनता है। आप कान में क्षार तैल डालें। ऊंझा गंधक रसायन टिकिया, ऊंझा कांचनार गुग्गुलु, महामंजिष्ठादि घन टिकिया का प्रयोग करें। भोजन के बाद ऊंझा रक्त शोधक सिरप या सारिवाद्यरिष्ट का प्रयोग कराएं।

गुरु व कफ बढ़ाने वाले आहार ना देवें।सर से स्नान, ठंडी हवा के सेवन से बचें। कान में तीली या काडी का प्रयोग बिल्कुल ना करें। दवा डालने के बाद कान में रुई लगाकर रखें। ऐसा करने से 10 से 15 दिन में ही कान से पीप आना धीरे-धीरे बंद हो जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

जल्द चलने वाली है एयर टैक्सी

दिल्ली से गुरुग्राम के बीच कितना होगा किराया

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिल्ली से गुरुग्राम जाने के लिए अब आपको जाम में नहीं फंसना होगा। इन दो शहरों के बीच 2026 में एयर टैक्सी शुरू की जा सकती है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की पेरेंट कंपनी ने इसके लिए अमेरिका की एक फर्म के साथ हाथ मिलाया है। अमेरिका की इस कंपनी को एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी बोइंग का सपोर्ट हासिल है। यह कंपनी पांच-सीटर विमान बनाती है। कैलिफोर्निया की इस कंपनी का नाम आर्चर है और इसके टैक्सी-कम-प्लेन को e-VTOL कहा जाता है। यह इलेक्ट्रिकल वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग का संक्षिप्त रूप है। इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज और आर्चर ने दिल्ली और गुड़गांव, बेंगलुरु शहर और उसके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा मुंबई में बांद्रा और कोलाबा के बीच एयर टैक्सी सेवा शुरू करने की योजना की घोषणा की है।

प्रारंभिक योजनाओं से पता चलता है कि यह महंगा होगा लेकिन इतना भी नहीं। इससे समय की बचत होगी। कल्पना कीजिए कि आप सोमवार सुबह 10 मिनट से भी कम समय में

कनॉट प्लेस से गुरुग्राम पहुंच जाएंगे। आर्चर के भारतीय मूल के सीसीओ निखिल गोयल ने बताया कि इस सेवा का इस्तेमाल करने पर प्रति यात्री लागत उबर की तुलना में थोड़ी अधिक होगी। उदाहरण के लिए, दिल्ली-गुरुग्राम के लिए उबर से 1,500-2,000 रुपये का खर्च आता है। एयर टैक्सी में प्रति यात्री लागत इससे 1.5 गुना या 2,000-3,000 रुपये तक होगी। उबर और अन्य टैक्सी एग्रीगेटर्स के किराये डायनैमिक हैं और मांग पर निर्भर करते हैं। अगर आप व्यस्त समय में यात्रा नहीं कर रहे हैं तो गुड़गांव-दिल्ली का किराया 1,000 रुपये से कम भी हो सकता है।

ई-वीटीओएल इंटरग्लोब ने अपनी एयर टैक्सी के लिए आर्चर के 12-रोटर वाले 'मिडनाइट' को चुना है। इसमें एक पायलट और चार यात्री बैठ सकते हैं। साथ ही इसमें कुछ सामान भी रखा जा सकता है। इसी मॉडल को आर्चर के निवेशकों में से एक अमेरिकी एयरलाइन यूनाइटेड ने भी चुना है। कंपनी ने अगले साल लॉन्च के लिए दो रूट तय किए हैं। इनमें से एक नेवार्क में एयरलाइन के हब से डाउनटाउन मैनहट्टन के बीच और दूसरा शिकागो में O'Hare से सिटी सेंटर के बीच है। यूएई भी अबू धाबी और दुबई के बीच यात्रा के लिए इसी मॉडल को चुनने की योजना बना रहा है।

अमेरिका में ऐसी सर्विसेज को ऑपरेट करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की मंजूरी की जरूरत होती है। यह भारत में डीजीसीए की तरह संस्था है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने अब तक इसे मंजूरी नहीं दी है लेकिन आर्चर को इसी साल मंजूरी मिलने की उम्मीद है। एक बार जब यह अमेरिका में इसने उड़ान शुरू की तो इसका अगला डेस्टिनेशन भारत और यूएई होगा।

अक्षय तृतीया से पहले सोने-चांदी के दाम में तेजी

सोना 71,621 रुपए पर पहुंचा, चांदी भी 80,965 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। अक्षय तृतीया से पहले आज यानी 6 मई को सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 430 रुपए महंगा होकर 71,621 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, आज एक किलो चांदी 976 रुपए महंगी होकर 80,965 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 3 मई को चांदी 79,989 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। इस महीने 10 मई को अक्षय तृतीया है। इस दिन सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,050 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,050 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,050 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,110 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,100 रुपए है।

इस साल सोने-चांदी में दिखी शानदार तेजी

इस साल अब तक सोने के दाम 8,269 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,621 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 80,965 रुपए पर पहुंच गए हैं।

2030 तक 1.68 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम हो सकता है सोना

विघ्नहर्ता गोल्ड के चेयरमैन महेंद्र लुनिया के अनुसार 2030 तक सोने के दाम 1.68 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकते हैं। सोने की कीमतों में उछाल के कारणों में भू-राजनीतिक तनाव से लेकर वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे फैक्टर्स है।

एआई के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली , 6 मई (एजेंसियां)। सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग के जरिये देश के आर्थिक चैनलों में मनी लॉन्ड्रिंग एवं आतंकी फंडिंग पर शिकंजा कसने को पूरी तरह तैयार है। ऐसी गतिविधियों की जांच के लिए वित्तीय सूचना इकाई (एफआईयू) ने एआई और मशीन लर्निंग को अपनाते हुए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का अत्याधुनिक 2.0 संस्करण शुरू कर दिया है।

वित्त वर्ष 2022-23 की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि फिनटेक 2.0 के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर शिकंजा कसने में काफी मदद मिलेगी। यह बेहतर विश्लेषणात्मक क्षमताओं, डाटा गुणवत्ता में सुधार, व्यापक अनुपालन निगरानी और अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों से लैस है। इसकी मदद से तत्काल कार्रवाई के लिए उच्च जोखिम वाले मामलों, संस्थाओं या रिपोर्टों की आसानी से पहचान कर आतंकी फंडिंग जैसी गतिविधियों को रोका जा सकता है।

सेंसेक्स 17 अंक की तेजी के साथ 73,895 पर बंद

निफ्टी में 33 अंक की गिरावट रही, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 5% की तेजी रही

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी 6 मई को शेयर बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 17 अंक की तेजी के साथ 73,895 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं, निफ्टी में 33 अंक की गिरावट रही, ये 22,442 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट देखने को मिली।

कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 5.02% की तेजी रही

कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 5.02% की तेजी देखने को मिली। दिनभर कारोबार करने के बाद बैंक का शेयर 77.70 अंक की तेजी के साथ 1,624 के स्तर पर बंद हुआ। दरअसल, कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार (4 मई) को Q4FY24 यानी वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध-मुनाफा सालाना आधार (YoY) पर 18.22% बढ़कर 4,133.30 करोड़ रहा।

पिछले साल इसी तिमाही (Q4FY23) में बैंक का शुद्ध मुनाफा 3,496 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही (Q3FY24) में यह 3,005 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार (QoQ) पर बैंक का नेट प्रॉफिट 37.53% बढ़ा है।

इंडेजीन लिमिटेड का IPO आज से ओपन

इंडेजीन लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए आज ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस IPO के लिए 6 मई से 8 मई तक बोली लगा सकेंगे। 13 मई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर लिस्ट होंगे। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें...

3 मई को बाजार में रही थी गिरावट

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 3 मई को शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 22,794 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद ये यह नीचे आकर 172 अंक की गिरावट के साथ 22,475 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, सेंसेक्स दिन के हाई 75,095 से 1,217 अंक गिरा। ये 732 अंक की गिरावट के साथ 73,878 के स्तर पर बंद हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-50 सूर्यास्त. -18-34
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 11-40 तक उपरान्त अमावस्या
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष, मंगलवार 07 May
नक्षत्र - अश्विनी 15-32 तक उप भरणी
योग - आयुष्मान 20- 58 तक उप सौभाग्य
करण- शकुनि 11-40 तक उप चतुष्पाद
विशेष:- व्रत -त्योहार - पितृ कार्ये अमावस्या

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष	04-32 बजे
चंद्र-	मेष में	वृष	06-17 बजे
मंगल	मीन में	मिथुन	08-18 बजे
बुध-	मीन में	कर्क	10-30 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह	12-42 बजे
शुक्र-	मेष में	कन्या	14-48 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला	16-54 बजे
राहु-	मीन में	वृश्चिक	19-04 बजे
केतु-	कन्या में	धनु	21-22 बजे
		मकर	23-44 बजे
		कुंभ	01-14 बजे
		मीन	02-52 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 17:01 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग.	05:50 - 07:24 अशुभ	काल.	18:34 - 20:01 अशुभ
उत्पात	07:24 - 09:01 अशुभ	लाभ.	20:01 - 21:25 शुभ
चंचल.	09:01 - 10:37 शुभ	उत्पात	21:25 - 22:49 अशुभ
लाभ.	10:37 - 12:13 शुभ	शुभ	22:49 - 24:13 शुभ
अमृत.	12:13 - 13:49 शुभ	अमृत	24:13 - 01:36 शुभ
काल.	13:49 - 15:25 अशुभ	चंचल	01:36 - 03:00 शुभ
शुभ .	15:25 - 17:01 शुभ	रोग	03:00 - 04:24 अशुभ
रोग	17:01 - 18:34 अशुभ	काल	04:24 - 05:50 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यों से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है । अपने क्रोध को संयमित रखे ताकि आपके कार्य पर इसके उल्टा प्रभाव न पड़े।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है । आपका लंबित कार्य जमा होता रहेगा जो की आपकी कार्य प्रणाली की दिनचर्या पर एक दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं और अगर सब कुछ ठीक रहता है तो आपको एक उन्नत पद पर पदोन्नत किया जा सकता है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे । उनके साथ हसी मजाक करे ताकि वे आपके साथ सामान्य हो पाये ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है। ये समय अधिक जिम्मेदारी लेने व अपने काम में और अधिक रुचि दिखाने का है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज का दिन सट्टा उद्यम के लिए उपयुक्त है पर बिना सोचे समझे कोई निर्णय न ले । अगर आप गणना करके जोखिम लेंगे तो लाभ में रहेंगे परन्तु याद रखे अज्ञानता में लिए गया फैसला नुकसान दिला सकता है इसलिए फिलहाल लाटरी के मकड़जाल में न फसे । बिना सोचे समझे सट्टा खेलना या निवेश करना हानिकारक है जिसमे भाग्य भी आपकी सहायता नहीं कर सकता ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सिंघानिया बोले- निजी जीवन का बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं

मेरा निजी जीवन मेरा; 10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। गारमेंट्स एंड अपैरल कंपनी रेमंड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया ने कहा कि उनके निजी जीवन का उनके बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारे बीच जो कुछ हुआ है, मुझे उस पर टिप्पणी नहीं करना है। मैं पूरी तरह से अपने बिजनेस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और नतीजों पर नजर रखूंगा।'

दरअसल, सिंघानिया ने 13 नवंबर 2023 में अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने का ऐलान किया था। हाल ही में रेमंड ग्रुप की तीन कंपनियों ने नवाज मोदी को अपने बोर्ड से बाहर कर दिया है।

31 मार्च को एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग के जरिए जेके इन्वेस्टर्स लिमिटेड रेमंड कंज्यूमर केयर और स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व ने नवाज मोदी को बोर्ड से बाहर किया कर दिया है। जब सिंघानिया से इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विश्वास की कमी के कारण कुछ कंपनियों ने उन्हें बोर्ड से हटाया है। गौतम सिंघानिया ने कहा, 'सभी बिजनेस बढ़ रहे हैं। मेरा निजी जीवन मेरा निजी जीवन है, मैं इससे निपट लूंगा। मेरी दो खूबसूरत बेटियां हैं और उनके हित में मैंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मेरा निजी जीवन कारोबारी क्षेत्र में किसी से संबंधित नहीं है।'

गौतम सिंघानिया कहा कि 10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें लाइफस्टाइल डिवीजन -अपैरल और फैबरिक की प्रमुख हिस्सेदारी है। उन्होंने ग्रुप के ऑर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर के बारे में भी बात की। सिंघानिया ने कहा - 'हमने ऑर्गेनाइजेशन में बदलाव किया है और हमारे पास मजबूत गवर्निंग बोर्ड हैं। पिछले 36 महीनों में हमारे पास बोर्ड में नए सदस्य आए हैं। हमारे हर बिजनेस में सीईओ हैं और बिजनेस बढ़ने के बाद उन्हें स्टैटिक्स बिजनेस यूनिट में डिवाइड किया जाएगा।'

रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम सिंघानिया के अलग होने की ऐलान के बाद नवाज मोदी ने अलग होने के लिए शर्त रखी है। उन्होंने 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 11 हजार करोड़ रुपए) की कुल संपत्ति में 75% हिस्सेदारी मांगी है।

इसके बाद पिछले साल 22 नवंबर को रेमंड का शेयर BSE पर 1,666 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, उसके बाद से शेयर में सुधार देखा गया। आज रेमंड का शेयर करीब 3% की गिरावट के साथ 2,161 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

गौतम सिंघानिया रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 11 हजार करोड़ रुपए है। रेमंड ग्रुप के पास क्लॉथ, डेनिम, कंज्यूमर केयर, इंजीनियरिंग और रियल एस्टेट सहित अन्य बिजनेस हैं। रेडिमेड कपड़ों के बाजार में ग्रुप की दमदार मौजूदगी है। यह डेनिम कैटेगरी में भी लीडिंग मैन्युफैक्चरर है। कंपनी हाई क्वालिटी डेनिम सप्लाई करती है। 2005 में गौतम सिंघानिया ने मुंबई के बांद्रा में 'पॉइजन' नाम से एक नाइट क्लब खोला था। बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सिंघानिया फैमिली की खास दोस्त हैं। महाराष्ट्र के अलीबाग में गौतम का एक फार्म हाउस भी है, जहां वे हर साल अपने दोस्तों और फैमिली के लिए न्यू ईयर पार्टी ऑर्गेनाइज करते हैं। गौतम सिंघानिया रेमंड और पार्क एवेन्यू कंपनी के मालिक हैं। यह बिजनेस उनके पिता विजयपत सिंघानिया ने शुरू किया था।

हर्षद मेहता युग की वापसी हो रही

उद्योगपति हर्ष गोयनका ने छोटे निवेशकों को दी चेतावनी

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने शेयर बाजार में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस गड़बड़ी की वजह से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हर्ष गोयनका ने चेताया कि शेयर बाजार में जो तेजी देखी जा रही है, वो हर्षद मेहता और केतन पारेख के दौर में जो धांधलियां हुईं, उनकी वापसी की वजह से हो सकती है।

हर्ष गोयनका ने ये भी दावा किया कि कोलकाता से गड़बड़ी की जा रही है और इसमें गुजराती और मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ काम कर रहा है। हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'तेजी से बढ़ते शेयर बाजार के साथ हर्षद मेहता/केतन पारेख युग की वापसी हो रही है और खासकर कोलकाता से ये सब हो रहा है। प्रमोटर्स (प्रॉफिट एंट्री के जरिए) मुनाफा बढ़ा रहे हैं और गुजराती-मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ स्टॉक की कीमतों को अवास्तविक स्तर पर ले जा रहा है। इससे छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हो सकता है। वक्त आ गया है, जब सेबी और वित्त मंत्रालय इसमें दखल दे और छोटे निवेशकों को नुकसान होने से पहले इसकी जांच करे।' हर्ष गोयनका के ट्वीट के बाद शनिवार को शेयर बाजार में गिरावट भी देखी गई और शेयर बाजार 74 हजार के अंक से नीचे पहुंच गया।

मैं गुरु गोविंद सिंह का पुत्र हूं...

10 साल के बच्चे की हिम्मत देखकर नतमस्तक हुए आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। जाने-माने उद्योगपति और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने दिल्ली के दस साल के एक बच्चे की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। इस बच्चे का नाम जसप्रीत है और वह दिल्ली के तिलक नगर इलाके में रहता है। उसके पिता की मौत हो चुकी है और वह मां छोड़कर चली गई है। जसप्रीत की एक बड़ी बहन है जिसकी जिम्मेदारी भी उसी के नन्हें कंधों पर है। जसप्रीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है जिसमें वह अपने पिता के स्टॉल पर रोल बनाकर बेच रहा है। महिंद्रा ने इस वायरल वीडियो को पोस्ट करते हुए इस बच्चे की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है।

एक फूड व्लॉगर ने हाल में इस बच्चे का दिल को छूने वाला वीडियो बनाया था जिसे अब तक लाखों लोग देख चुके हैं। महिंद्रा ने एक्स यह वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'हिम्मत का नाम जसप्रीत है। लेकिन उसकी शिक्षा प्रभावित नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि वह दिल्ली के तिलक नगर में रहता है। अगर किसी के पास उसकी कॉन्टैक्ट नंबर है तो कृपया शेयर करें। महिंद्रा फाउंडेशन की टीम इस बात का पता करेगी कि हम उसकी एजुकेशन को कैसे सपोर्ट कर सकते हैं।'

कहां से आई हिम्मत

जसप्रीत की दास्तां से व्लॉगर सरबजीत सिंह ने दुनिया को परिचित कराया। वीडियो में जसप्रीत चिकन एग रोल बना रहा है। जब व्लॉगर ने उससे उसके परिवार के बारे में पूछा तो जसप्रीत ने कहा कि हाल में उसके पिता की ब्रेन टीबी से मौत हो चुकी है। उसकी 14 साल की एक बड़ी बहन भी है। दोनों भाई-बहन दिल्ली में अपने चाचा के साथ रहते हैं जबकि उनकी मम्मी उन्हें छोड़कर पंजाब में अपने मायके चली गई है। जसप्रीत ने कहा कि उन्होंने खाना बनाने की कला अपने पापा से सीखी है।

अनिल अंबानी की कंपनी खरीदने के लिए कहां से आएगा पैसा?

हिंदुजा ने बता दिया पूरा प्लान

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। कर्ज में डूबे दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल के लिए हिंदुजा ग्रुप की इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स ने सबसे बड़ी बोली लगाई है। इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स का टारगेट 2030 तक 4.2 लाख करोड़ रुपये (50 अरब डॉलर) का बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस पोर्टफोलियो स्थापित करना है। इसमें इंडसइंड बैंक में कंपनी निवेश और रिलायंस कैपिटल के तहत नया कारोबार भी शामिल है। चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने बताया कि कंपनी ने बैंक में अपनी हिस्सेदारी 15% से बढ़ाकर 26% करने के लिए जरूरी रेगुलेटरी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। यह हिस्सेदारी चरणबद्ध तरीके से बढ़ाई जाएगी। हिंदुजा ने कहा कि हमें एक पत्र मिला है जिसमें कहा गया है कि प्रक्रिया का पालन करने के बाद हिस्सेदारी में वृद्धि को मंजूरी दी जाएगी। हमने 'ए' फॉर्म जमा कर दिया है। इस प्रस्ताव को बैंक के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है और रेगुलेटर को भेज दिया है। इसके पूरा होने के बाद हमारी योजना बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की है। बैंक की पूंजी में बढ़ोतरी चरणों में की जाएगी। इंडसइंड बैंक के अलावा इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स के पास बहामास के स्टर्लिंग बैंक एंड ट्रस्ट का भी मालिकाना हक है। साथ ही उसके पास मॉरीशस में सिक्योरिटी एक्सचेंज अफ्रिनेक्स और सिंगापुर, स्विट्जरलैंड और यूके में वेल्थ मैनेजर में माइनोरिटी स्टेक है। हिंदुजा ने कहा, कि इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स ने आरबीआई, सेबी और

सेंट्रल बैंक ऑफ बहामास की रेगुलेटरी जरूरतों को लगातार पूरा किया है।

इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स ने 9,661 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ रिलायंस कैपिटल के लिए बोली भी जीती। हिंदुजा ने कहा कि जैसे ही इंश्योरेंस रेगुलेटर इरडा जैसे ही इस डील को मंजूरी देगा, बैंकों के बकाये का भुगतान कर दिया जाएगा। हिंदुजा ने कहा, 'हमारे पास हमारे बैंकरों का एक पत्र है जिसमें उन्होंने इस खरीद के लिए 7,500 करोड़ रुपये देने की इच्छा जताई है। 25% इक्विटी एक निवेशक के माध्यम से इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स की सहायक कंपनी द्वारा लाई जा रही है।' अधिग्रहण के बाद, इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स ने रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस को फिर से लॉन्च करने और बढ़ाने की योजना बनाई है।

अमेठी के लिए हुआ सास-बहू में झगड़ा

इंदिरा ने मेनका को घर से निकाला था, नेहरू ने दामाद फिरोज को रायबरेली भेजा था

अमेठी, 6 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अमेठी, जहां से संजय गांधी ने अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत की और पहला ही चुनाव हार गए। इसी सीट की वजह से इंदिरा गांधी ने अपनी बहू मेनका को घर से निकाल दिया। ये सीट 5 दशक तक गांधी परिवार के सदस्यों का लॉन्चिंग पैड रही। 2019 में राहुल गांधी यहां से चुनाव हार गए। 25 साल में पहली बार अमेठी सीट पर गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ रहा है।

रायबरेली, जहां से जवाहर लाल नेहरू ने आजादी के बाद अपने दामाद फिरोज गांधी को चुनाव लड़वाया। इसी सीट पर इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द होने के बाद उन्होंने देश में इमरजेंसी लगा दी थी। सोनिया गांधी यहां से लगातार 20 साल सांसद रहीं। अब रायबरेली सीट से राहुल गांधी ने नामांकन किया है।

1857 की क्रांति को कुचलने के लिए जब अंग्रेज सेना दिल्ली में घुसी तो उस वक्त मोतीलाल नेहरू के पिता गंगाधर नेहरू शहर के कोतवाल थे। अंग्रेजों के खौफ से गंगाधर नेहरू परिवार समेत दिल्ली छोड़ आगरा जाकर बस गए। मार्च 1861 में महज 34 साल की उम्र में गंगाधार नेहरू का निधन हो गया। उसके तीन महीने बाद 6 मई 1861 को मोतीलाल नेहरू पैदा हुए। मोतीलाल की परवरिश उनके बड़े भाई नंदलाल नेहरू ने की। नंदलाल पहले राजस्थान की खेतड़ी रियासत में दीवान थे और बाद में आगरा हाईकोर्ट में वकालत करने लगे।

अंग्रेजों ने हाईकोर्ट आगरा से इलाहाबाद शिफ्ट किया तो नेहरू परिवार भी इलाहाबाद में बस गया। यहीं पर मोतीलाल नेहरू ने भी वकालत शुरू कर दी। नेहरू-गांधी परिवार के अमेठी से रिश्ते की नींव इसी दौर में पड़ी।

अमेठी की वरिष्ठ पत्रकार और वकील शीतला मिश्रा बताती हैं कि गांधी परिवार का अमेठी से रिश्ता तब से है जब अमेठी के राजा रणंजय सिंह का राज्य ब्रिटिश सरकार द्वारा जब्त किया जा रहा था और उन्होंने मोतीलाल नेहरू से उनके लिए मुकदमा लड़ने को कहा था। लेखक अनंत विजय अपनी किताब 'डायनेस्टी टु डेमोक्रेसी' में जिक्र करते हैं कि पंडित मोतीलाल नेहरू उस दौर के चर्चित वकीलों में एक थे। मोतीलाल नेहरू ने 1910 के केंद्रीय और प्रांतीय विधान परिषद चुनाव भी लड़ा था।

मोतीलाल नेहरू की तरह ही 1926 में जवाहर लाल नेहरू ने फैजाबाद-मछलीशहर संयुक्त सीट से चुनाव लड़ा। इसके बाद नेहरू ने अमेठी रियासत को ही अपनी राजनीति का केंद्र बनाया। यहीं से चुनावों का संचालन किया। कहा जाता है कि वो राजा रणंजय सिंह के पारिवारिक वकील भी थे।

1947 में देश आजाद हुआ तो 543 रियासतों की तरह अमेठी रियासत का भी देश में विलय हो गया। नेहरू ने उस समय रियासत के राजा रणंजय सिंह को मंत्री बनने का प्रस्ताव दिया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। हालांकि, बाद में वो अमेठी की राजनीति में सक्रिय रहे और नेहरू-गांधी परिवार से उनके रिश्ते मजबूत होते चले गए। अमेठी लोकसभा सीट 1967 में अस्तित्व में आई। शुरुआत के दो चुनाव यानी 1967 और 1971 में यहां से कांग्रेस के विद्याधर बाजपेयी ने जीत दर्ज की। इमरजेंसी के बाद संजय गांधी की लॉन्चिंग के लिए कांग्रेस को सुरक्षित सीट की तलाश थी। 1977 में संजय गांधी ने पहली बार अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ा। इमरजेंसी के दौरान जबरन नसबंदी कराने में उनकी भूमिका होने के कारण उनका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। इसी वजह से जनता पार्टी के रवींद्र प्रताप सिंह से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, तीन साल बाद 1980 में हुए चुनाव में संजय गांधी ने करीब एक लाख 87 हजार वोट से रवींद्र प्रताप सिंह को हराकर हिसाब बराबर कर दिया। अमेठी और गांधी परिवार के लंबे रिश्ते की ये शुरुआत थी। हालांकि, संजय गांधी का अमेठी में कार्यकाल ज्यादा लंबा नहीं रहा। 23 जून 1980 को एक विमान दुर्घटना में संजय गांधी के निधन की खबर आई। उस समय उनके बड़े भाई राजीव गांधी लंदन में थे। खबर पहुंचते ही राजीव भारत वापस लौटे और एक सप्ताह के भीतर ही राजनीतिक में शामिल होने का फैसला लिया।

4 मई 1981 को इंदिरा गांधी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में राजीव का नाम अमेठी से कैंडिडेट के तौर पर प्रस्तावित किया। बैठक में मौजूद सभी नेताओं ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया। इसके बाद राजीव गांधी ने अमेठी से उपचुनाव लड़ा और अपने प्रतिद्वंद्वी लोक दल प्रमुख शरद यादव को 2.5 लाख वोटों से हराया। राजनीतिक विश्लेषक रशीद किदवई अपनी किताब '24 अकबर रोडः ए शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ द पीपुल बिहाइंड द फॉल एंड राइज ऑफ द कांग्रेस' में लिखते हैं कि 1981 में अमेठी उपचुनाव में जब राजीव गांधी ने नामांकन दाखिल किया तो मेनका गांधी ने उन्हें हराने की कोशिश की थी।

किदवई की किताब के मुताबिक, गांधी परिवार के करीबी रहे एक पूर्व राजनयिक मोहम्मद यूनुस ने कहा था कि उस समय मेनका की उम्र 25 साल भी नहीं थी। वो चुनाव नहीं लड़ सकती थीं। ऐसे में मेनका चाहती थीं कि इंदिरा संविधान में संशोधन कर चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र कम करें, लेकिन इंदिरा गांधी ने इससे साफ इनकार कर दिया। मेनका को लगा कि उनके दिवंगत पति की राजनीतिक विरासत अमेठी पर कब्जा किया जा रहा है। इस घटनाक्रम के बीच 28 मार्च, 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अचानक लंदन से भारत पहुंचीं। स्पेन के लेखक जेवियर मोरो अपनी किताब 'द रेड साड़ी' में लिखते हैं कि वो संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी को सबक सिखाने के इरादे से भारत लौटी थीं। दरअसल, इंदिरा गांधी अकबर अहमद द्वारा आयोजित लखनऊ कन्वेंशन में मेनका के शिरकत करने से नाराज थीं।

मोरो की किताब के अनुसार, इंदिरा के घर पहुंचते ही मेनका ने उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद मेनका ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उनका खाना भी हाउसहेल्प ने उनके कमरे में ही पहुंचा दिया। मेनका अपने कमरे से बाहर आकर सिटिंग रूम में बैठ गईं, वहां वो इंदिरा गांधी का इंतजार कर रही थीं। मोरो अपनी किताब में लिखते हैं, 'कुछ देर बार इंदिरा वहां पहुंचीं, तो वो बहुत गुस्से में थीं। उनके साथ उनके गुरु धीरेंद्र ब्रह्मचारी और सेक्रेटरी धवन भी थे। तभी इंदिरा ने मेनका की तरफ उंगली उठाते हुए कहा, इस घर से तुरंत निकल जाओ। इंदिरा चिल्लाते हुए कहती हैं, मैंने तुमसे कहा था कि लखनऊ कन्वेंशन में नहीं जाना, लेकिन तुम्हें वही करना होता है जो तुम चाहती हो। तुम्हें क्या लगता है मुझे कुछ समझ नहीं आता। यहां से तुरंत निकल जाओ।'

मेनका ने अपनी बहन अंबिका को बुलाया और सामान समेटने लगीं। तभी एक बार फिर से इंदिरा का गुस्सा फूटा और कहा, कोई कुछ नहीं लेकर जाएगा। जवाब में अंबिका ने कहा कि वो कहीं नहीं जाएगी। ये उसका भी घर है। गुस्से में इंदिरा ने चिल्लाते हुए कहा, ये उसका नहीं बल्कि भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का घर है। मोरो लिखते हैं कि मेनका रात के करीब 11 बजे कच्ची नींद में सोए 2 साल के वरुण गांधी के साथ सफदरजंग रोड स्थित प्रधानमंत्री आवास से बाहर निकलने लगीं। घर के बाहर पैर रखा ही था कि कैमरों की फ्लैश लाइट आने लगी। बाहर मीडिया खड़ी थी और अगले दिन अखबारों में मेनका की कार में बैठी फोटो फ्रंट पेज पर छपी थी।

उपचुनाव में राजीव की जीत के बाद मेनका गांधी ने लगातार अमेठी का दौरा किया। 1984 में राजीव गांधी के खिलाफ अमेठी से चुनाव लड़ा। हालांकि, 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा की हत्या के बाद चीजें बदल गईं। दिसंबर में हुए चुनाव में कांग्रेस को सहानुभूति मिली। राजीव गांधी ने मेनका को अमेठी से 3.14 लाख वोटों से हरा दिया। उसके बाद मेनका कभी भी अमेठी से चुनाव नहीं लड़ीं, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने गांधी परिवार में दरार पैदा कर दी जो आज तक बनी हुई है। राजीव गांधी ने अमेठी से 1989 और 1991 का चुनाव भी जीता था। उनके कार्यकाल में अमेठी में इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट और इंस्टीट्यूशन स्थापित किए गए। राजीव गांधी ने 1980 के दशक में जगदीशपुर इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाया।

1982 में संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल, 1983 में कोरवा में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का एवियोनिक्स डिवीजन और 1984 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विमानन अकादमी स्थापित किया गया।

अमेठी की लखनऊ और वाराणसी से सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर किया। साथ ही बंजर और क्षारीय भूमि को खेती के लिए रिवाइव किया गया। 21 मई 1991 को आतंकी समूह लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) द्वारा राजीव गांधी की हत्या कर दी गई।

राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी ने चुनावी राजनीति में आने से इनकार कर दिया। 1991 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने गैर-गांधी संतीश शर्मा को उतारा और जीते। उन्होंने 1996 में भी सीट बचाई, लेकिन दो साल बाद 1998 में भाजपा के संजय सिंह से चुनाव हार गए।

माना जाता है कि 1988 से ही कांग्रेस केंद्र और उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर थी। इसकी वजह से अमेठी में परियोजनाएं रुक गईं। इस वजह से राजीव गांधी और सोनिया गांधी के कार्यकाल के दौरान उद्योगों और अन्य काम-काज में गिरावट आई।

हालांकि, 1997 में सोनिया गांधी कांग्रेस में शामिल हुईं और अगले ही साल 1998 में पार्टी अध्यक्ष बन गईं। सोनिया 1999 में अमेठी से पहली बार चुनावी मैदान में उतरीं और 4.18 लाख वोटों के साथ चुनाव जीता।

2004 में यूपीए गठबंधन आने से कांग्रेस की केंद्र में वापसी हुई। तत्कालीन कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेठी से पहली बार चुनाव लड़ा और 2,90,853 वोटों के साथ जीत हासिल की। उनका सीधा मुकाबला भाजपा और बीएसपी कैंडिडेट से था।

इसके अगले दो चुनाव में भी राहुल गांधी ने आसानी से जीत हासिल की। 2009 में राहुल गांधी 3 लाख वोटों के अंतर से जीते। 2014 में राहुल के खिलाफ स्मृति ईरानी ने चुनाव लड़ा और राहुल की जीत का अंतर घटकर 1.07 लाख रह गया।

राहुल गांधी के कार्यकाल के पहले 10 वर्षों के दौरान केंद्र में यूपीए की सरकार थी। वहीं इस दौरान उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) और कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी सत्ता में रही थी। इस दौरान अमेठी में राहुल ने कई परियोजनाओं की घोषणा की, लेकिन मंजूरी में देरी के कारण कई पूरी नहीं हो पाईं।

गांधी परिवार की पारंपरिक सीट पर 2019 में हारे राहुल गांधी

कांग्रेस को बड़ा झटका 2014 में लगा जब भाजपा की कैंडिडेट स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को कड़ी टक्कर दी। ईरानी करीब एक लाख वोटों से हारी थीं। हार का यह अंतर 2009 की 3.70 लाख वोटों की तुलना में काफी कम था। 2014 की हार के बाद भी स्मृति ने अमेठी का लगातार दौरा किया और काफी एक्टिव रहीं। यही वजह रही कि स्मृति ने 2019 में राहुल गांधी को उनके ही गढ़ अमेठी में करीब 55 हजार वोटों से हरा दिया। हार के बाद राहुल गांधी ने अमेठी सीट छोड़ दी और इस बार रायबरेली से नामांकन किया है।

नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल के दौरान कांग्रेस ने भाजपा पर अमेठी में परियोजनाओं को बंद करने का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने जानकारी दी कि अमेठी में राजीव गांधी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन की ब्रांच, फूड पार्क प्रोजेक्ट और डिस्कवरी पार्क 2014 से रुका हुआ था, जबकि हिंदुस्तान पेपर मिल को 2015 में अमेठी से बाहर शिफ्ट कर दिया गया था। हालांकि, 2017 में यूपी चुनाव से पहले अमेठी को केंद्र से 702 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात मिली। इसमें फूड प्रोसेसिंग यूनिट, कोल्ड चेन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी), होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट और फुटवियर डिजाइन और डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) और पेपर मिल शामिल थे।

मंत्री के पीएस के नौकर के घर मिले 25 करोड़

रांची में 9 जगह ईडी की रेड, नोटों की गिनती जारी

रांची, 6 मई (एजेंसियां)। रांची में सोमवार को ईडी ने 9 ठिकानों पर रेड की है। इसमें झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल, उनके नौकर जहांगीर, संजीव लाल के करीबी मुन्ना सिंह, पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर विकास कुमार के घर पर रेड हुई है। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के नौकर के घर से 25 करोड़ से ज्यादा कैश मिला है। कैश गिनने के लिए मशीन मंगवानी पड़ी थी। अब कैश वैन बुलाया गया है, जिससे पैसों को बैंक ले जाया जाएगा। वहीं मुन्ना सिंह के घर से 3 करोड़ कैश मिले हैं। इधर कैश जब्त होने पर मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि संजीव लाल एक सरकारी मुलाजिम है और पहले भी दो मंत्रियों के पीएस रह चुके हैं। अनुभव के आधार पर ही उन्हें नियुक्त किया गया था। अब ईडी अपनी कार्रवाई कर रही है, उसके बाद देखेंगे क्या होता है। ईडी ने आज जिन 9 ठिकानों पर छापा मारा, उनमें रांची के पीपी

कंपाउंड स्थित मुन्ना सिंह के आवास भी शामिल है। वो मंत्री के पीएस का करीबी है। उसके घर से 3 करोड़ कैश मिले हैं। मुन्ना सिंह ठेकेदार हैं। ईडी की आज की कार्रवाई वीरेंद्र राम मामले को लेकर हुई है। रांची के सेल सिटी में पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर विकास कुमार के घर पर छापेमारी चल रही है। 22 फरवरी 2023 को ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के कुल 24 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा था। इस दौरान वीरेंद्र राम की कंपनियों के अलावा 100 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चला था। छापेमारी के दौरान डेढ़ करोड़ रुपए के जेवरात और करीब 30 लाख रुपए नकद भी मिले थे। ईडी ने जमशेदपुर निगरानी थाने में ग्रामीण विकास विभाग के इंजीनियर के खिलाफ दर्ज घूसखोरी के एक मामले को जांच के लिए ईसीआईआर के रूप में दर्ज किया था। जिसके बाद यह कार्रवाई की। ग्रामीण विकास विभाग में वीरेंद्र राम चीफ इंजीनियर थे। 15 नवंबर 2019 में जमशेदपुर में जेई सुरेश प्रसाद के घर ईडी ने रेड की थी, जिसमें 2.67 करोड़ कैश मिले थे। तब जेई ने बताया था कि ये पैसा चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम का है। इसके बाद जांच का दायरा आगे बढ़ा तो ईडी ने जांच शुरू की। 22 फरवरी 2023 को ईडी ने वीरेंद्र राम व उनके सहयोगियों से जुड़े ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस छापेमारी में वीरेंद्र राम के ठिकानों से आपत्तिजनक दस्तावेज के अलावा करीब डेढ़ सौ करोड़ की चल-अचल संपत्ति की जानकारी मिली थी। उनके सहयोगी चार्टर्ड अकाउंटेंट मुकेश मित्तल के ठिकाने से नोटबंदी के पूर्व के 9.46 लाख रुपये के पुराने नोट और आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद हुए थे। इसके बाद 23 फरवरी को उसे गिरफ्तार किया गया था। मंत्री के पीएस के नौकर के घर मिले कैश को लेकर गोड्डा सांसद और भाजपा प्रत्याशी निशिकांत दुबे ने निशाना साधा है। बता दें कि गोड्डा से इंडी गठबंधन की ओर से कांग्रेस ने प्रदीप यादव को उम्मीदवार बनाया है।

पहले दीपिका पांडेय को टिकट दिया गया था, लेकिन फिर उनकी जगह प्रदीप यादव को प्रत्याशी बनाया गया।

धनबाद पहुंचे पप्पू यादव

अनुपमा सिंह के पक्ष में किया जनसभा, मतदान की अपील की

धनबाद, 6 मई (एजेंसियां)। धनबाद लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करने धनबाद पहुंचे बिहार के पूर्व सांसद पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा का चार सौ पार का नारा हवा हवाई है। भाजपा एनडीए गठबंधन महज 220 सीटों पर ही सिमट कर रह जाएगी। इस बार देश में राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। यह बातें उन्होंने धनबाद के पॉलिटेक्निक स्थित बारा मुड़ी इलाके में जनसभा के दौरान कहीं। पप्पू यादव आज बसेड़िया, कुमारधुबी, बकरी हाट, झरिया आदि जगहों पर चुनावी सभा को संबोधित करेंगे।

96 दिन बाद जेल से बाहर हेमंत सोरेन, पिता जैसे दिखे

चाचा के श्राद्ध में शामिल, गिरफ्तारी पर एचसी के फैसले को एससी में दी चुनौती

रांची, 6 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट से खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। साथ ही 13 मई से झारखंड में लोकसभा चुनाव के लिए होने वाली वोटिंग को ध्यान में रखते हुए मामले को जल्द सुनवाई की अपील की है। इधर पुलिस कस्टडी में पूर्व सीएम रामगढ़ में अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे हैं। वो अपने चाचा राजाराम सोरेन के श्राद्ध कर्म में शामिल हो रहे हैं। बढ़ी हुई सफेद दाढ़ी, सफेद कुर्ता, गले में गमछा लिए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करीब 3 महीने बाद जेल से बाहर निकले हैं। और पिता शिबू सोरेन जैसे नजर आए। हेमंत सोरेन ने यहां पहुंचकर अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी मां रूपी सोरेन भावुक दिखीं। हेमंत सोरेन ने अपने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। बता दें कि 27 अप्रैल को झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के भाई

राम सोरेन का सुबह निधन हो गया था। वे लंबे समय से बीमार थे। सोरेन ने अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अदालत से 13 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। हालांकि, सुनवाई करते हुए अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। उन्हें कुछ घंटों के लिए पुलिस कस्टडी में श्राद्ध कर्म में शामिल होने की परमिशन मिली है। इस दौरान उन्हें मीडिया से बात करने की भी मनाही है। इधर सुप्रीम कोर्ट में हेमंत सोरेन का पक्ष रखते हुए कपिल सिब्बल ने बेंच से याचिका पर जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद 4 फरवरी को हमने एचसी का रुख किया, कोर्ट से फैसला नहीं आने पर हमने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इस बीच हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरह से अधिकारों को कुचला जा रहा है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि वह इस अपील पर गौर करेगी। बता दें कि हाईकोर्ट के फैसले में हो रही देरी के बाद हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अपनी याचिका में कहा था कि ईडी की गिरफ्तारी और कार्रवाई को चुनौती देने के मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने 28 फरवरी 2024 से फैसला सुरक्षित रखा है। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने तब कहा था कि यह हाईकोर्ट के लिए केस खुला होगा वो फैसला सुना सकता है।

एनडीए-इंडिया का स्टार प्रचारक वॉर

रांची, 6 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पहले और दूसरे चरण की लोकसभा चुनाव के लिए पार्टियों ने ताकत झोंक दी है। पहले चरण में 13 मई को राज्य की चार लोकसभा सीटों सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में चुनाव होना है। वहीं दूसरे चरण के लिए 20 में को तीन सीटों चतरा, कोडरमा और हजारीबाग में चुनाव है।

झारखंड में लोकसभा की कुल 14 सीटों में से 7 सीटों पर चुनाव दो चरण में समाप्त हो जाएंगे। एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए यह सीटें मायने रखती हैं। ऐसे में दोनों पार्टियां अपने वोटरों की गोलबंदी के लिए राष्ट्रीय नेताओं की सभाएं आयोजित कर रही हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले चरण के झारखंड के दो दिवसीय दौरे को पूर चुके हैं। अब राहुल गांधी आ रहे हैं। वो उसी जगह से चुनावी सभा शुरू कर रहे हैं, जहां पीएम मोदी ने जनता को संबोधित किया। राहुल गांधी कल चाईबासा और बसिया में सभा करेंगे।

झारखंड का दो दिवसीय दौरा खत्म करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिर से झारखंड आने का कार्यक्रम फाइनल हो चुका है। वे चतरा संसदीय क्षेत्र के सिमरिया में 12 मई को और कोडरमा लोकसभा के बिरनी प्रखंड में 16 मई को जनसभा को संबोधित करेंगे। सिमरिया के मंच पर चतरा के प्रत्याशी कालीचरण सिंह के साथ हजारीबाग के पार्टी प्रत्याशी मनीष जायसवाल भी रहेंगे। इसी तरह बिरनी के कार्यक्रम में भी कोडरमा की प्रत्याशी अन्नपुर्णा देवी के साथ गिरिडीह के आजसू प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी भी रहेंगे। इसी तरह गृह मंत्री अमित शाह 10 को झारखंड आ रहे हैं। वह भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा के पक्ष में खूंटी में जनसभा करेंगे। 10 मई को ही छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी सिमडेगा आएंगे। जहां उनकी सभा होगी।

राधिका खेड़ा बोलीं- मुझे कमरे में बंद किया, चीखती-चिल्लाती रही

दिल्ली में कहा- राहुल की यात्रा के दौरान सुशील आनंद शुक्ला ने शराब ऑफर की

रायपुर, 6 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा के दौरान मुझे सुशील आनंद शुक्ला ने शराब ऑफर की। भूपेश बघेल ने कहा छत्तीसगढ़ छोड़ दो। राजीव भवन में मुझे बंद किया गया, मैं चीखती-चिल्लाती, गुहार लगाती रही। मुझे गालियां दी गईं। मैंने ये बात सचिन पायलट, भूपेश बघेल और जयराम रमेश को बताई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इस्तीफे के बाद दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राधिका खेड़ा ने बयान दिया है। इस पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि आरोप तो कोई भी लगा सकता है। मैसेज दिल्ली भेजा गया है, एआईसीसी आगे फैसला करेगी।

इससे पहले राधिका खेड़ा ने कहा था, 'मैं अयोध्या धाम दर्शन करने गई थी। रामलला का दर्शन करने पर विरोध इस कदर से होगा, मैंने कभी नहीं सोचा था। जब से रामलला के दर्शन करके आई हूं,

मुझे निरंतर विरोध का सामना करना पड़ा।' राधिका खेड़ा ने कहा पिछले डेढ़ महीने से लगातार हमारी जब स्ट्रैटजी डिस्कस होती थी तो कहा जाता था कि हर चीज को घुमा फिरा के संविधान पर ले आओ। उसके बाद जो कर्नाटक प्रकरण हुआ तो कहा गया कि भाजपा को कर्नाटक वाले मुद्दे पर घेरो। आप कर्नाटक की बात करते हैं, आप मणिपुर की बात करते हैं, महिला पहलवानों की बात कर रहे हैं, लेकिन घर में जो महिला नेत्री के साथ हो रहा है उसको लेकर एक-एक महिला नेत्री ने चुप्पी साध ली। महिला कांग्रेस अध्यक्ष, सुप्रिया श्रीनेत किसी ने कुछ नहीं कहा। बल्कि पूर्व महिला कांग्रेस के अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा ने इस घटना के बाद मुझे कॉल कर कर डांटा और कहा कि यह क्या कर रही हो। राधिका ने कहा, 'मैं एक हिंदू हूं, मैं एकसनातन धर्म की अनुयायी हूं, इसलिए मुझे न्याय नहीं मिला। क्या आपकी (कांग्रेस) लड़ाई रामलला से है या आपकी लड़ाई किसी राजनीतिक दल से है? इस पार्टी को फैसला करना होगा। मैंने 6 दिनों तक इंतजार किया और न्याय की गुहार लगाई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसलिए 22 साल बाद मैंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।' इससे पहले रविवार शाम को कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने पार्टी से इस्तीफा दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना इस्तीफा पोस्ट करते हुए लिखा, 'आज अत्यंत पीड़ा के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रही हूं और अपने पद से इस्तीफा दे रही हूं। हां मैं लड़की हूं और लड़ सकती हूं, और वही अब मैं कर रहीं हूं। अपने व देशवासियों के न्याय के लिए मैं निरंतर लड़ती रहूंगी।' दरअसल, राधिका खेड़ा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेताओं के बीच विवाद हुआ था। मामला मंगलवार का बताया जा रहा है, जब मीडिया में बयान देने को लेकर नेताओं में विवाद हो गया। कहा जा रहा है कि रायपुर में कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में राधिका खेड़ा स्थानीय नेताओं और प्रवक्ताओं के साथ मौजूद थीं, विवाद तभी हुआ।

अटकलें हैं कि राधिका भाजपा ज्वाइन कर सकती हैं। आदिकाल से ये स्थापित सत्य है कि धर्म का साथ देने वालों का विरोध होता रहा है। हिरण्यकशिपु से लेकर रावण और कंस तक इसका उदाहरण हैं। वर्तमान में प्रभु श्री राम का नाम लेने वालों का कुछ लोग इसी तरह विरोध कर रहे हैं।

आईटी कॉलेज से मतदान दल रवाना

आठ हजार कर्मचारी कराएंगे वोटिंग हाथी प्रभावित क्षेत्र में रहेगी विशेष नजर

कोरबा, 6 मई (एजेंसियां)। कोरबा में लोकसभा चुनाव के मतदान को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सात मई को होने वाले मतदान के लिए सोमवार को आईटी कॉलेज परिसर से मतदान दलों को रवाना किया गया। पुलिस और जिला प्रशासन के कुल 8 हजार कर्मचारी मतदान की प्रक्रिया को संपन्न कराएंगे। 249 बूथों में महिला कर्मचारियों की ड्युटी लगाई गई है,जो मतदान की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराएंगे।

लोकसभा चुनाव के तहत तीसरे चरण को होने वाले मतदान के लिए कोरबा जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंगलवार को वोट डाले जाएंगे जिसके लिए सोमवार को आईटी कॉलेज स्थित स्ट्रॉंग रुप से मतदान दलों को रवाना किया गया। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही एसपी की मौजूदगी में सभी कर्मचारी सामानों को लेकर अपने अपने बूथों के लिए रवाना हुए। इस चुनाव में कुल 8 हजार जिला व पुलिस प्रशासन के कर्मचारियों की ड्युटी लगाई है,जो शांतिपूर्ण ढंग से मतदान को संपन्न कराएंगे। कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि 249 बूथ ऐसे हैं,जहां महिला कर्मचारी वोटिंग की प्रक्रिया को संपन्न कराएंगी। जिले में ऐसे कई केंद्र हैं जो हाथी प्रभावित क्षेत्र में आते हैं, ऐसे क्षेत्रों में वन विभाग का अमला लगा हुआ है ताकी वोटिंग के दौरान हाथी मतदान केंद्र तक न आ सके। मतदान के दलों के रवानगी के दौरान मौके पर मौजूद एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के करीब 2400 जवान शांतिपूर्ण ढंग से मतदान को संपन्न कराएंगे।

ट्रूडो बोले-निज्जर की हत्या के बाद सिख असुरक्षित थे

जांच 3 गिरफ्तारियों तक सीमित नहीं, जयशंकर ने कहा– कनाडा हमारी सबसे बड़ी समस्या

टोरेंटो, 6 मई (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में 3 भारतीयों की गिरफ्तारी के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने रविवार को कहा, 'हत्याकांड की जांच तीन भारतीयों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, यह अभी भी जारी है।'

ओन्टारियो में सिख फाउंडेशन ऑफ कनाडा के कार्यक्रम में ट्रूडो ने तीनों गिरफ्तारियों को स्वीकार करते कहा, 'कनाडा कानून का पालन करने वाला देश है। निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में रहने वाले सिख समुदाय के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे थे। यहां हर शख्स को भेदभाव और हिंसा से सुरक्षित रहने का मौलिक अधिकार मिला हुआ है।'

उधर, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कटक में कहा कि विदेश में हमारे दूतावासों को धमकियां मिलती हैं। अभी हमारी सबसे बड़ी समस्या कनाडा है। वहां की सरकार ने अपने देश में अलगाववाद और हिंसा का समर्थन करने वालों को अभिव्यक्ति की आजादी दे दी है। दुनिया एकतरफा नहीं है, अगर कुछ होता है तो उसका विरोध होगा। न्यूटन का

नियम वहां भी लागू होगा। इससे पहले निज्जर केस में भारत का कनेक्शन होने के कनाडा के दावे पर जयशंकर ने शनिवार को कहा था- भारत पर आरोप लगाना कनाडा की राजनीतिक मजबूरी है। वहां अगले साल चुनाव होने हैं, इसलिए देश में वोट बैंक की राजनीति चल रही है। इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा में भारत के खिलाफ काम करने वाले लोगों को पनाह दी जाती है। खासकर जो लोग पंजाब से हैं, वे कनाडा से ऑपरेट करते हैं। खालिस्तान समर्थक लोग कनाडा के लोकतंत्र का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। वे आज कनाडा का वोट बैंक बन गए हैं। कनाडा में सत्ताधारी पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है। ऐसे में कई पार्टियां सत्ता में आने के लिए खालिस्तानी समर्थकों पर निर्भर हैं। विदेश मंत्री ने कहा, हमने कई बार कनाडा से कहा है कि ऐसे लोगों को वीजा न दें, उन्हें देश की राजनीति में शामिल न करें। वे लोग कनाडा, भारत और दोनों देशों के रिश्तों के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसके लिए कुछ नहीं किया। भारत ने खालिस्तान समर्थक 25 लोगों को भारत प्रत्यर्पित करने की मांग की थी, लेकिन उन्होंने यह भी नहीं माना। कनाडाई पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक, निज्जर की हत्या को अंजाम देने में तीनों आरोपियों ने अलग-अलग भूमिका निभाई। इनमें से एक पर निज्जर की लोकेशन पता करने की जिम्मेदारी थी। दूसरा आरोपी ड्राइवर था और तीसरे ने उस पर गोली चलाने का काम किया। तीनों आरोपियों के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गैंग से भी संपर्क हैं। ये सभी 2021 में टेंपरेरी वीजा लेकर कनाडा गए थे। इन पर फर्स्ट डिग्री मर्डर और हत्या की साजिश रखने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा है कि बाकी आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 18 जून, 2023 की शाम को सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था। मामले में एक्शन लेते हुए कनाडा की ट्रूडो सरकार ने भारत के एक सीनियर डिप्लोमैट को देश से निकाल दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। हालांकि बाद में ट्रूडो ने कई बार भारत से रिश्ते बनाए रखने की बात कही थी। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महीनों पहले इस हत्याकांड से जुड़ा 90 सेकेंड का एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया गया था। इसमें निज्जर ग्रे पिकअप ट्रक को पार्किंग से बाहर निकलता दिखाई दिया था।

यूक्रेन से युद्ध के बीच राष्ट्रपति पुतिन के सख्त तेवर

सेना को दिया परमाणु हथियारों के अभ्यास का आदेश

कीव, 6 मई (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच 26 महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। फिलहाल यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर अपने खतरनाक इरादों का संकेत दिया है। उन्होंने रूसी सेना को परमाणु हथियारों के साथ अभ्यास करने को कहा है। यह आदेश यूक्रेन की सीमा पर तैनात थल सेना और नौसेना को दिया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अभ्यास के दौरान परमाणु हथियारों को भी शामिल किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि कैसे इन हथियारों के साथ तैयारी की जा सकती है और इनका क्या इस्तेमाल हो सकता है। बता दें, जब से यूक्रेन से साथ युद्ध शुरू हुआ है, तब से पुतिन परमाणु हथियारों को लेकर कई बार बयानबाजी दे चुके हैं। फरवरी में भी उन्होंने परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की चेतावनी दी थी। अब पुतिन ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है, जब रूस की सेना का कहना है कि यूक्रेन के अलावा पश्चिमी देशों से भी उसे खतरा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बनेंगे बिलावल भुट्टो

कहा था– नवाज जीते तो फिर नहीं संभालूंगा ये पद, पार्टी के मनाने पर राजी हुए

इस्लामाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कैबिनेट में वापसी कर सकते हैं। पाकिस्तान के अखबार 'द ट्रिब्यून' के मुताबिक भुट्टो को पाकिस्तान का विदेश मंत्री बनाया जा सकता है। दरअसल, भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के बीच सरकार बनाने का समझौता अपने अंतिम रूप में है। अखबार ने दावा किया है बिलावल भुट्टो पहले विदेश मंत्री बनने के लिए तैयार नहीं थे। बाद में पार्टी नेताओं ने उन्हें इस पद के लिए मना लिया है। अब पीपीपी के औपचारिक रूप से कैबिनेट में शामिल होने के समय पर काम किया जा रहा है।

बिलावल भुट्टो ने चुनाव के दौरान कहा था कि अगर नवाज जीते तो वो फिर से उनकी कैबिनेट में विदेश मंत्री का पद नहीं संभालेंगे। धांधली के आरोपों के बीच चुनाव के बाद बनी सरकार में भी पीपीपी ने शामिल होने से मना कर दिया था, लेकिन पीपीपी ने पीएमएल-एन को बाहर से समर्थन दिया था, जिसके बाद

पीएमएल-एन के शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बने थे, वहीं पीपीपी के आसिफ अली जरदारी ने राष्ट्रपति का पद संभाला।

बजट पेश होने से पहले सरकार में शामिल हो पीपीपी रिपोर्ट्स के मुताबिक शहबाज शरीफ चाहते है कि पीपीपी जून में पेश होने वाले बजट से पहले कैबिनेट में शामिल हो जाए। हालांकि, इस बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन यह जरूर है कि पीपीपी कैबिनेट का हिस्सा होगी। हाल ही में मौजूदा विदेश मंत्री इशाक डार को पाकिस्तान का उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है, ताकि बिलावल को विदेश मंत्री बनाया जा सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक डार कभी भी विदेश मंत्री के रूप में काम नहीं करना चाहते थे। वे अपना पसंदीदा वित्त मंत्रालय चाहते थे, लेकिन शहबाज शरीफ और अन्य लोग उन्हें वित्त मंत्रालय से दूर रखना चाहते हैं।

बिलावल भुट्टो की पार्टी पीपीपी मानती है कि बिलावल के 16 महीने के पिछले कार्यकाल में स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की छवि में काफी सुधार हुआ था। ऐसे में अब अगर वे फिर से विदेश मंत्रालय में वापसी करते हैं तो उन्हें और उनकी पार्टी को फायदा होगा। हालांकि, पीपीपी के मंत्रिमंडल में शामिल होने का अंतिम निर्णय पार्टी की केंद्रीय कार्यकारी समिति लेगी। बिलावल भुट्टो ने विदेश मंत्री रहते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके अलावा वे समय - समय पर भारत और प्रधानमंत्री मोदी के बारे में बोलते रहते हैं। 2023 में वे शंघाई सहयोग संगठन में विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए 12 साल बाद भारत भी आए थे।

डिवाइडर को तोड़ते हुए पलटी स्कॉर्पियो, 2 की मौत

स्पीड ज्यादा होने से एक लेन से दूसरे में पहुंची, 2 की हालत गंभीर

धनबाद, 6 मई (एजेंसियां)। धनबाद में सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। सदर थाना क्षेत्र के बिरसा मुंडा पार्क के पास ये हादसा हुआ है। स्कॉर्पियो तेज स्पीड से आ रही थी और डिवाइडर को तोड़ते हुए पलट गई। घटना के सबंध में बताया जा रहा है कि गाड़ी की स्पीड बहुत ज्यादा थी। स्कॉर्पियो डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे लेन में पहुंच गई और दूसरे लेन में एक स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो की हालत गंभीर है। इस स्कूटी से मां-बेटी स्कूल से आ रही थीं, जिसमें छात्रा की मौत हो गई जबकि महिला गंभीर रूप से घायल है। वहीं स्कॉर्पियो से जा रही महिला की मौत हुई है, वहीं एक बच्ची की हालत गंभीर है। लोग कहां से हैं, गाड़ी कहां से आ रही थी, कहां जा रही थी अभी कुछ पता नहीं चल सका है। इधर हादसे के बाद लोगों ने हंगामा करते हुए सड़क जाम कर दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर थाने की पुलिस पहुंची और सभी घायलों को अशर्फी अस्पताल ले जाया गया है।

वहीं गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। वे हादसे वाले जगह पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग कर रहे हैं।

लंदन के मेयर बने पाकिस्तानी मूल के सादिक खान

सुनक की पार्टी की कैंडिडेट को 2 लाख 75 हजार वोटों से हराया, तीसरी बार चुने गए

लंदन, 6 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मूल के नेता सादिक खान ने लंदन के मेयर पद का चुनाव जीत लिया है। उन्होंने रिकॉर्ड तीसरी बार लंदन के मेयर पद के लिए चुनावों में जीत दर्ज की है। इससे पहले वे 2016 और 2021 में लंदन के मेयर पद का चुनाव जीत चुके हैं। खान ने अपनी प्रतिद्वंदी और कंजर्वेटिव पार्टी की नेता सूजैन हॉल को 2. 5 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया। चुनाव जीतने के बाद सादिक खान ने लंदन की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि वे लंदन को बेहतर ,सुरक्षित और हरियाली वाला शहर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

लंदन के मेयर पद के लिए 13 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा था। इसमें भारतीय मूल के तरुण गुलाटी भी थे। गुलाटी को चुनावों में करीब 24 हजार वोट मिले हैं। वे वोट के मामले में 13 उम्मीदवारों में 10वें स्थान पर रहे।

सादिक खान ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों का धन्यवाद किया है। खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, शुक्रिया लंदन। जिस शहर से मैं प्यार करता हूं, उसकी सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। लेकिन आज का दिन इतिहास बनाने के बारे में नहीं है। ये हमारे भविष्य को आकार देने के बारे में है। मैं हर लंदनवासी के लिए एक सुरक्षित, निष्पक्ष और हरा भरा लंदन बनाने की कोशिश करूंगा।

सादिक खान ने चुनाव जीतने के बाद अपने भाषण में विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीने मुश्किल भर रहे हैं। हमारे खिलाफ नॉन-स्टॉप नैगिटेव कैंपेन चलाया गया। लेकिन हमने हार नहीं मानी और एकजुट होकर प्रयासों का जवाब दिया। लंदन एक ऐसा शहर है , जो विविधता को कमजोरी नहीं, बल्कि एक ताकत मानता है।

1970 में जन्मे सादिक खान लंदन के पहले मुस्लिम मेयर है। वे मूल रूप से पाकिस्तानी है। उनके पिता पाकिस्तान में ड्राइवर का काम करते थे। वे कुछ समय बाद इंग्लैंड आ गए। 24 साल की उम्र तक उन्होंने बेहद गरीब हालात में जिंदगी जी। पिता रेड बस चलाते थे। लेकिन पॉलिटिक्स में शुरुआत से ही उनकी रुचि थी।

15 साल की उम्र में वे लेबर पार्टी से जुड़ गए थे। करियर की शुरुआत ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट के रूप में की। 2005 में वे पहली बार लेबर पार्टी से सांसद बने। 2016 में उन्होंने पहली बार लंदन के मेयर पद का चुनाव लड़ा और बड़े अंतर से जीते।

सादिक खान को मोदी विरोधी कहा जाता है। वे कई बार मोदी विरोधी बयान भी दे चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी जब लंदन यात्रा पर थे, तो सादिक खान उनकी अगुआई करने भी नहीं पहुंचे थे।

सादिक फिलिस्तीन मुद्दे पर नाराजगी झेल रहे थे

इजराइल- फिलिस्तीन जंग के बीच दुनियाभर में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं। इसे लेकर लंदन में भी कई मुस्लिम संगठनों ने प्रदर्शन किया। लेकिन सादिक खान इस मुद्दे पर किसी भी तरह की टिप्पणी करने से बचते रहे। ऐसे में माना जा रहा था कि खान को मेयर चुनावों में मुस्लिमों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन मुस्लिम आबादी ने उन्हें भारी संख्या में वोट दिया। जिस कारण वे मेयर चुनावों में विजयी रहे।

भारतीय छात्र की चाकू से गोदकर हत्या

किराए को लेकर था विवाद, जुलाई में घर आने वाला था

मेलबर्न, 6 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में एक भारतीय छात्र की चाकू से गोदकर हत्या की गई है। मृतक छात्र के चाचा ने बताया कि भारतीय छात्रों के बीच हुई लड़ाई के दौरान उनके भतीजे की हत्या की गई। शनिवार सुबह नौ बजे मेलबर्न में हुए इस विवाद में एक और छात्र की हालत गंभीर है। छात्र का नाम नवजीत संधू था, जो कि हरियाणा के करनाल का रहने वाला था। छात्र के चाचा यशवीर के अनुसार कुछ छात्रों के बीच किराए को लेकर विवाद चल रहा था। इस बीच जब नवजीत इस विवाद को सुलझाने गया, तो उस पर बुरी तरह चाकुओं से हमला किया गया।

चाकू से गोदकर की गई छात्र की हत्या

यशवीर ने बताया कि नवजीत अपने दोस्त के साथ उसके घर से कुछ सामान लेने गया था क्योंकि उसके पास कार थी। जब वह घर के बार अपने दोस्त का इंतजार कर रहा था, तो उसे घर के अंदर से शोर की आवाज सुनाई दी। नवजीत ने जब घर के अंदर घुसकर विवाद सुलझाने की कोशिश की, तो उसके सीने पर बुरी तरह से चाकू से हमला किया गया। इसके बाद नवजीत की मौत हो गई। नवजीत के जिस साथी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वह भी करनाल का ही रहने वाला था। यशवीर ने बताया कि रविवार की सुबह उनके परिजनों को इस बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने आगे बताया कि नवजीत जुलाई महीने में छुट्टियों पर घर आने वाला था लेकिन इस घटना के बाद से पूरा परिवार स्तब्ध है। नवजीत डेढ़ साल पहले स्टडी वीजा पर ऑस्ट्रेलिया गया था।

राफा पर हमले करने के लिए तैयार इजराइली सेना

1 लाख फिलिस्तीनियों को दूसरी जगह भेजेगी सीजफायर के लिए इजराइल पहुंचे सीआईए के डायरेक्टर

यरूशलम, 6 मई (एजेंसियां)। इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) राफा में मिलिट्री ऑपरेशन शुरू करने के लिए तैयार है। हमले से पहले इजराइल ने फिलिस्तीनियों को राफा छोड़ने के लिए कहा है। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा है कि वो राफा से 1 लाख लोगों को निकालेंगे। एसोसिएट प्रेस के मुताबिक इजराइली सेना ने एक आधिकारिक बयान जारी किया है, जिसमें फिलिस्तीनियों से एक दूसरे इलाके मुवासी जाने को कहा गया है।

मुवासी इजराइल की ओर से घोषित सुरक्षित इलाका है। आईडीएफ ने कहा है कि मुवासी में मदद बढ़ाई है, जिसमें फील्ड अस्पताल, टेंट, भोजन और पानी शामिल है। दरअसल, इजराइल ने देर रात राफा पर बमबारी की, जिसमें 22 लोगों की मौत हुई। इसमें 8 बच्चे भी शामिल थे। वहीं, आईडीएफ ने राफा खाली करने

की घोषणा उस वक्त की है, जब इजराइल-हमास के बीच सीजफायर को लेकर समझौता कराने की कोशिश जारी है। लेकिन दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। इजराइल साफ तौर पर कह चुका है कि वो समझौता होने पर भी राफा में मिलिट्री ऑपरेशन जारी रखेगा। उसका उद्देश्य हमास के आतंकवादियों को खत्म करना है। आईडीएफ ने राफा पर हमले करने से पहले सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी। आईडीएफ ने लिखा , "मानवीय क्षेत्रों में लोगों को भेजने के लिए एसएमएस, फोन कॉल और मीडिया से अरबी भाषा में मैसेज भेजे जा रहे हैं। आईडीएफ हमास का पीछा तब नहीं छोड़ेगा, जब तक सारे इजराइली बंधक वापस नहीं छूट जाएंगे। "टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदाव शोशनी ने कहा है कि इजराइल एक "सीमित दायरे वाला ऑपरेशन" तैयारी कर रहा है। राफा पर इजराइल के मिलिट्री ऑपरेशन के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के डायरेक्टर विलियम बर्न्स सोमवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। वे समझौते पर विफल हुई बातचीत को वापस शुरू करवाने की कोशिश करेंगे।

अमेरिका, कतर और मिस्र लंबे समय से इजराइल- हमास के बीच युद्धविराम कराने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि दोनों पक्षों के बीच समझौते पर सहमति नहीं बन पा रही है। इजराइल - हमास एक दूसरे पर समझौता न स्वीकार करने के आरोप- प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

नेतन्याहू ने कतर के मीडिया हाउस पर बैन लगाया

हमास का समर्थन करने के आरोप, अलजजीरा के ऑफिस में घुसी इजराइली पुलिस, कैमरा–फोन जब्त किए

यरूशलम, 6 मई (एजेंसियां)। इजराइल में पाबंदी लगने के बाद रविवार देर शाम कतर के मीडिया हाउस अलजजीरा के ऑफिस पर पुलिस ने रेड की। बीबीसी ने इजराइल के कम्युनिकेशन मिनिस्टर श्लोमो करही के हवाले से बताया है कि रेड में अलजजीरा के कैमरा समेत काफी सामान सीज किया गया है।

इजराइल में अलजजीरा का ऑफिस यरुशलम के ऐंबैस्डर होटल में है। श्लोमो ने एक वीडियो शेयर किया है, इसमें पुलिस होटल के कमरे में घुसती हुई दिखाई दे रही है। इजराइल की कैबिनेट ने रविवार (5 मई) को कतर के न्यूज चैनल अलजजीरा पर बैन लगा दिया।

इजराइल के ब्रॉडकास्ट मंत्री श्लोमो करही ने इस आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया है। कैबिनेट के मुताबिक, हमास जंग में चैनल की रिपोर्टिंग से नाराजगी के चलते ये फैसला लिया गया।

इजराइल ने अलजजीरा पर कतर का माउथपीस होने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया साइट X पर एक पोस्ट में बताया कि हमारी सरकार ने सर्वसम्मति से यह फैसला लिया है। नेतन्याहू ने अलजजीरा को उकसावे की हरकतें करने वाला चैनल बताया। इजराइली मीडिया हाउस टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, अलजजीरा पर जंग को भड़काने और इजराइल की दुनियाभर में छवि खराब करने का आरोप है। अलजजीरा ने इजराइल में अपने प्रसारण पर लगे बैन की पुष्टि खुद की। चैनल की ओर से बताया गया है कि इजराइल के दूरसंचार मंत्री ने कैमरे, माइक्रोफोन, सर्वर और लैपटॉप, साथ ही वायरलेस ट्रांसमिशन को जब्त करने के आदेश दिए गए हैं। यहां तक कि उनके जर्नलिस्ट (पत्रकारों) के फोन भी कब्जे में लेने के आदेश हैं। अलजजीरा ने कैबिनेट के आरोपों को निराधार बताते हुए लिखा कि उसका हमास से कोई संबंध नहीं है। चैनल पहले भी इन आरोपों पर जवाब देता आया है। चैनल ने यह भी कहा कि इजराइल के इस फैसले का असर जंग को रोकने के लिए कतर की कोशिशों पर पड़ सकता है। साथ ही कतर के साथ इजराइल के संबंध खराब होने का खतरा भी हो सकते हैं। नेतन्याहू पिछले एक महीने से अलजजीरा पर बैन की तैयारी कर रहे थे, लेकिन इसके लिए इजराइली संसद की मंजूरी जरूरी थी।

जयशंकर बोले- पीओके को फिर भारत का हिस्सा बनाएंगे

विदेश मंत्री ने कहा– देश इसे भूला नहीं, सबको पता– यहां बाहरियों का कंट्रोल कैसे हुआ

इस्लामाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार (5 मई) को ओडिशा दौरे में पीओके को भारत का हिस्सा बताया है। लोग पीओके को भूला चुके थे। लेकिन, लोग अब इसे फिर से देश का हिस्सा बनाना चाहते हैं।

ओडिशा के कटक में जयशंकर से पूछा गया कि वो भारत के पीओके की योजना के बारे में क्या सोचते है? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि पीओके कभी देश से बाहर नहीं रहा, वो भारत का ही हिस्सा है। अब आपको पता है कि पीओके पर बाहरी लोगों का (पाकिस्तान) कैसे नियंत्रण हुआ था। आप जानते है जब घर की जिम्मेदारी के लिए कोई सही संरक्षक नहीं होता तो बाहरी (पाकिस्तान) चोरी कैसे करते। यही हुआ और संरक्षक ने बाहरी को घर में घुसने की इजाजत दे दी थी। जयशंकर ने बताया कि पाकिस्तान की आजादी के शुरुआती सालों में इन क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दिया गया, जिस कारण यहां (पीओके) में हालात खराब हो गए। भविष्य में क्या होगा? यह बताना बहुत मुश्किल है। लेकिन, मैं एक बताना चाहता हूं कि देश की जनता पीओके को नहीं भूली है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को पहले ही हट जाना चाहिए था। 370 से पहले कश्मीर में अलगाववाद और उग्रवाद था। विदेश मंत्री इन दिनों ओडिशा के दौरे पर हैं। वो यहां भाजपा के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात कर चुनाव को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 को खत्म कर दिया था। इसके साथ ही राज्य को 2 हिस्सों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था।

भूपेश बघेल संभालेंगे राहुल गांधी के चुनाव की कमान

रायपुर, 6 मई (एजेंसियां)। तीसरे चरण में मंगलवार के छत्तीसगढ़ की सात लोकसभा सीटों पर चुनाव कराये जाएंगे। इस बीच कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को एक और बड़ी जिम्मेदारी दी है। कांग्रेस ने बघेल को रायबरेली लोकसभा सीट का एआईसीसी वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। अब भूपेश बघेल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की चुनावी तैयारियों की कमान संभालेंगे। इसी के साथ ही कांग्रेस ने अशोक गहलोत को अमेठी का आईसीसी वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। रायबरेली लोकसभा सीट का सीनियर ऑब्जर्वर बनाए जाने पर पूर्व सीएम बघेल ने पार्टी के शीर्ष नेताओं का आभार जताया है। भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिका कि इस बड़ी जिम्मेदारी और भरोसे के लिये शीर्ष नेतृत्व का आभार। बता दें कि राहुल गांधी इस बार केरल के वायनाड लोकसभा सीट के साथ ही यूपी के रायबरेली लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट गांधी परिवार की अहम सीट मानी जाती है। पिछली बार स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को अमेठी से ही चुनावी शिकस्त दी थी।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का विरोध

काफिले के रास्ते पर 'आजाद तिब्बत' के बैनर टांगे, 2 एक्टिविस्ट गिरफ्तार

पेरिस, 6 मई (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2 दिन के फ्रांस दौरे पर हैं। इस दौरान सोमवार को पेरिस में तिब्बतियों ने उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए। तिब्बत की आजादी की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के काफिले को 'फ्री तिब्बत' के झंडे दिखाए। साथ ही उइगर मुस्लिम समुदाय ने भी जिनपिंग पर मानवाधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाकर उनके फ्रांस दौरे का विरोध किया। दरअसल, 23 मई 1951 को चीन ने तिब्बत पर जबरन कब्जा कर लिया था। तब से तिब्बत के लोग लगातार अलग-अलग मंचों से इसका विरोध कर रहे हैं। जिनपिंग 2019 के बाद पहली बार यूरोप की यात्रा पर हैं। इसी यात्रा के विरोध में स्टूडेंट्स फॉर ए फ्री तिब्बत (एसएफटी) नाम की संस्था ने चीन के खिलाफ बैनर और झंडे फहराए। इसके बाद पुलिस ने दो कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से जिनपिंग के सामने उइगर, तिब्बतियों और हांगकांग के लोगों की स्वतंत्रता और उनके अधिकारों का मुद्दा उठाने की मांग की है। साथ ही उन लोगों को जेल से छोड़ने को कहा गया है, जो सालों से अपने हक की आवाज उठाने के चलते चीन में कैद है। तिब्बती लोगों ने मैक्रों से कहा है कि वो चीन के बोर्डिंग स्कूलों में तिब्बती बच्चों के दमन के मामले में जिनपिंग से जवाब देने को कहें। वहीं फ्रांस के कई नेता यूक्रेन जंग में रूस का साथ देने पर जिनपिंग का विरोध करेंगे।

जिनपिंग फ्रांस और चीन के बीच राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे का जश्न मनाने के लिए पहुंचे। वो अपनी इस यात्रा के बाद हंगरी और सर्बिया भी जाएंगे।

अब पीएमश्री योजना में शामिल होंगे संस्कृत स्कूल, निर्देश जारी

सीकर, , 6 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की पीएमश्री योजना में अब संस्कृत स्कूल भी शामिल होंगे। पत्रिका में खबर प्रकाशन के बाद सरकार ने पीएमश्री योजना में 10 फीसदी कोटा संस्कृत स्कूलों का तय कर दिया है। इस संबंध में राज्य सरकार ने निर्देश जारी कर दिए हैं। जिन्हें संभागीय संस्कृत शिक्षाधिकारियों तक भी पहुंचा दिया गया है। जिसमें पीएमश्री योजना के लिए सामान्य शिक्षा के अनुपात में 10 प्रतिशत संस्कृत स्कूलों को शामिल करने का हवाला देते हुए उनका पोर्टल पर आवेदन करवाने का जिक्र किया गया है।

पत्रिका ने उठाया मुद्दा

संस्कृत स्कूलों को पीएमश्री योजना में शामिल नहीं करने का मुद्दा पत्रिका ने 24 मार्च को खबर प्रकाशित कर उठाया था। 'संस्कृति और सनातन पर आई सरकार, फिर भी संस्कृत शिक्षा से मजाक' शीर्षक से प्रकाशित खबर में बताया था कि प्रदेश में चयनित 639 पीएम श्री स्कूलों में से महज एक संस्कृत स्कूल का ही चयन हुआ था। खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आई सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए सामान्य शिक्षा के अनुपात में 10 फीसदी संस्कृत स्कूलों को पीएमश्री में शामिल करना तय किया है।

ये है पीएमश्री योजना

पीएमश्री योजना के तहत केंद्र सरकार देशभर में मॉडल स्कूल तैयार कर रही है। योजना के तहत साधन-संसाधन के आधार पर सरकारी स्कूलों का चयन कर उन्हें दो करोड़ रुपए के बजट से ग्रीन संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत यहां कोडिंग व रोबोटिक्स सहित रोजगार आधारित पढ़ाई के साथ यहां सालभर विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जा रही है।

लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस पार्टी का फैसला

अशोक गहलोत को 'अचानक' दे डाली बड़ी ज़िम्मेदारी

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत को कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर से बड़ी ज़िम्मेदारी से नवाज़ा है। उन्हें देश की सबसे चर्चित और हॉट लोकसभा सीट अमेठी का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है। राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के लेटर हेड पर गहलोत के अमेठी सीट पर सीनियर ऑब्ज़र्वर लगाने के आधिकारिक आदेश जारी हुए हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस ने अमेठी सीट पर वरिष्ठ नेता के सी शर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है। ये परंपरागत सीट हर बार की तरह इस बार भी कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार, दोनों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है। लिहाज़ा गहलोत को मिली इस बड़ी ज़िम्मेदारी के पैमाने का अंदाज़ा सहज ही लगाया जा सकता है।

बघेल को मिला रायबरेली का ज़िम्मा

कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत की ही तरह छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को भी बड़ी ज़िम्मेदारी दी है। बघेल को रायबरेली लोकसभा सीट पर सीनियर ऑब्ज़र्वर लगाया गया है। गौरतलब है कि रायबरेली सीट से इस बार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी उम्मीदवार हैं। अमेठी की ही तरह इस लोकसभा सीट को जीतना भी कांग्रेस और गांधी परिवार के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है।

... इधर गहलोत का नाम सूची से गायब

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की ओर से ओडिशा में प्रचार अभियान के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी हुई है। इसमें राजस्थान से एकमात्र सचिन पायलट को शामिल किया गया है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत को जगह नहींए मिली है।

चर्चा में 'स्टार' सूची

ओडिशा के लिए जारी कांग्रेस की स्टार प्रचारकों की सूची अब चर्चा में है। 40 नेताओं की इस फहरिस्त में गहलोत का नाम नहीं होने और एकमात्र सचिन पायलट को शामिल किए जाने को लेकर राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक में लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। ओडिशा में गहलोत के मुकाबले पायलट को तवज्जो मिलने के लोग अलग-अलग मायने भी निकाल रहे हैं। कुछ यूज़र्स कमेंट कर रहे हैं, 'ओडिशा में गहलोत का जादू नहीं, बल्कि सचिन पायलट का जलवा चलता है।'

टॉप 10 में पायलट को जगह

जारी हुई सूची में सचिन पायलट को टॉप-10 नेताओं में जगह मिली है। वे दसवें नंबर पर हैं। जबकि उनके नाम से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गाँधी, वरिष्ठ नेता डॉ अजोय कुमार, सरत पटनायक, नरसिंघा मिश्रा, रेवंथ रेड्डी और भूपेश बघेल के नाम भी शामिल हैं।

राहुल गांधी के बचाव में उतरे गहलोत

राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत एक बार फिर राहुल गांधी के बचाव में उतर आये हैं। उन्होंने अब प्रधानमंत्री और भाजपा नेताओं की ओर से राहुल गांधी की रायबरेली उम्मीदवारी को लेकर उठाते जा रहे सवालों और कटाक्ष का जवाब दिया है। गहलोत ने शनिवार को अपने मध्य प्रदेश दौरे के दौरान भोपाल में एक समाचार एजेंसी को इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'भागा कौन है? पीएम मोदी खुद भागे हैं। उनका वाराणसी से क्या संबंध था? जबकि वे तो खुद गुजरात से थे। तो वो गुजरात से लड़ने के बजाय भागकर वहां क्यों गए? '

'दोनों सीटों पर जीतेंगे'

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने रायबरेली सीट से राहुल गांधी के नामांकन पर भी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया के ज़रिये शेयर अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा, 'रायबरेली में राहुल गांधी और अमेठी में के एल शर्मा के नामांकन के अवसर पर आम जनता एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने का मौका मिला। दोनों सीटों पर कांग्रेस भारी मतों से विजयी होगी।'

'रायबरेली-अमेठी से है भावनात्मक रिश्ता'

गहलोत ने कहा कि रायबरेली और अमेठी से गांधी परिवार का दशकों पुराना भावनात्मक रिश्ता है। रायबरेली में राहुल गांधी की उम्मीदवारी ने कांग्रेस में नए जोश का संचार किया है। वहीं अमेठी में के एल शर्मा के रूप में एक कार्यकर्ता को टिकट दिया गया है। करीब 40 साल से केएल शर्मा अमेठी और रायबरेली की जनता के बीच काम कर रहे थे। उनको मौका मिलने से सभी कार्यकर्ताओं में जोश आ गया है।'

उन्होंने कहा, 'अमेठी में 5 साल से भाजपा सांसद की गैरमौजूदगी के कारण वहां की जनता भी गांधी परिवार एवं के एल शर्मा के काम को याद करने लग गई थी। मैंने दोनों जगहों पर जनता के बीच महसूस किया कि अमेठी और रायबरेली में जीत कांग्रेस की ही होगी।'

नांदरी गांव में कैबिनेट मंत्री मीणा ने बुलाई महापंचायत

बालाजी की कसम खाकर कही इस्तीफा देने की बात

दौसा, 6 मई (एजेंसियां)। दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी इलाके के नांदरी गांव में फैली तनाव की स्थिति और लोगों के पलायन के बीच कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा गांव पहुंचे। यहां मंत्री मीणा ने महापंचायत बुलाई। उन्होंने लोगों से बात कर मामले की जांच पड़ताल कर न्याय दिलाने का भरोसा दिया। मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा नांदरी गांव में ही रात्रि विश्राम करेंगे।

बता दें कि पिछले दिनों सिकराय विधानसभा क्षेत्र के नांदरी ग्राम में एक महिला की हत्या हो गई थी। इस घटना के बाद गांव में आपसी तनाव की स्थिति बन गई। विवाद इतना उग्र हुआ कि कई लोग घायल हो गए।

इस मामले में पुलिस ने सैकड़ों लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए।बताया जा रहा है कि आज स्थिति ये है कि पूरे गांव के अंदर घरों में ताले लगे हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग गांव छोड़कर पलायन कर चुके हैं। उनके मवेशी भूख से मरने पर मजबूर हैं। ऐसी विषम परिस्थिति में गांव में शांति सद्भावना बरकरार रखने के लिए राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा नांदरी गांव पहुंचे। उनके साथ विधायक भी पहुंचे हैं। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया है कि वह अपने आप को अकेला न समझें। उन्होंने लोगों में प्रशासन से जो डर पैदा हुआ है, उसको लेकर देर शाम लोगों के साथ महापंचायत की। बात कर पूरे मामले की जांच पड़ताल करने का लोगों को भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि गांव के जो लोग पुलिस कार्रवाई के डर से गांव छोड़कर चले गए हैं या पीड़ित हैं, उन सभी का पक्ष जानकर उचित न्याय दिलाएंगे।

महापंचायत के मौके पर कैबिनेट मंत्री मीणा ने पंचायत में मौजूद लोगों से स्पष्ट रूप से कहा है कि मैं समाज के लोगों के साथ हमेशा की तरह आज भी साथ खड़ा हूं। उन्होंने जीत का दम भरते हुए कहा कि ₹इतना होने के बावजूद भी यदि दौसा से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी कन्यालाल मीना चुनाव हार जाते हैं तो मेहंदीपुर बालाजी की कसम, उसी दिन मंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दूंगा।₹ डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा बोले कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वादा किया है कि यदि दौसा की सीट भाजपा के खाते में नहीं आई तो वह मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

शांति धारीवाल का भाजपा पर निशाना

हज यात्रा पर कही बड़ी बात, सुनकर मुस्लिम चौंके

कोटा, 6 मई (एजेंसियां)। अशोक गहलोत सरकार में मंत्री और कोटा उत्तर विधायक शांति धारीवाल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। शांति धारीवाल ने कहा सरकार बदलते ही हज यात्रा भी महंगी हो गई है। पहले के मुकाबले अब एक लाख रुपए अधिक वहन करने पड़ रहे हैं। यह बात पूर्व मंत्री और कोटा उत्तर विधायक शांति धारीवाल ने हज यात्रियों के लिए वैक्सीनेशन एवं ट्रेनिंग शिविर के दौरान बूंदी रोड स्थित एक होटल में कही। विधायक शांति धारीवाल ने कहा कि पहले 600 लोग हज पर गए थे। इस बार 256 लोग जा रहे हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। यह देश सभी धर्म-संप्रदाय का है, सभी को बराबर हक है।

शहर काजी जुबेर अहमद ने भी कहीं अपनी बात शहर काजी जुबेर अहमद ने कहा कि हज पर जाने वाला व्यक्ति वहां पर किन व्यवस्थाओं के तहत जाएगा। वहां के सिस्टम और पेश आने वाली परेशानियों के हल के बारे में पूर्व में जा चुके हाजियों की जानकारी से हज यात्रियों को सहूलियत होगी।

उप महापौर कोटा उत्तर एवं स्टेट हज कमेटी के सदस्य सोनू कुरैशी ने बताया कि शिविर में कोटा से 200 और बूंदी से हज पर जाने वाले 256 यात्रियों को हज यात्रा के दौरान पेश आने वाले हालातों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें एक्सपर्ट ने वहां के सिस्टम व अन्य व्यवस्थाओं, मेडिकल की भी जानकारी दी। हज यात्रियों का वैक्सीनेशन किया गया। विधायक धारीवाल ने हज कमेटी के सदस्यों का माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

स्टेट हज कमेटी के सदस्य कुरैशी ने बताया कि सरकार की ओर से सुविधाओं में नई एप्लीकेशन, हज सुविधा के नाम से एप डाउनलोड कराया जा रहा है। इसमें हज पर जाने के दौरान की सभी जानकारियां दी गई हैं और यदि कोई समस्या आती है तो इस एप के माध्यम से हम सही व्यक्ति से सम्पर्क कर सकते हैं। हमारी लोकेशन बता सकते हैं और जो भी परेशानी आएगी। वह इस एप के माध्यम से दूर होगी। इस अवसर पर हज पर जाने वाले लोगों से इस एप को डाउनलोड भी करवाया गया, ताकि सभी अपडेट रहें।

भीषण गर्मी ने उड़ाए होश

अगले पांच दिनों में और बढ़ेगा तापमान, हीट वेव की चेतावनी

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भीषण गर्मी का प्रकोप जोरों पर है। प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री को पार कर चुका है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की बढ़ोतरी होगी और हीट वेव चलेगी।

मरुधरा को झुलसाकर रख देने वाली इस भीषण गर्मी के कारण स्थिति विकट होती जा रही है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 42 डिग्री को पार कर चुका है। सट्टा बाजार के नाम से मशहूर फलौदी सबसे ज्यादा गर्म है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 5 दिनों में प्रदेश के सभी संभागों में 5 डिग्री तक तापमान और बढ़ सकता है, जिससे हीट वेव चलेगी। जोधपुर में अगले 48 घंटों में हीट वेव की चेतावनी दी गई है।

न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है , जिससे रात में भी गर्मी राहत नहीं है। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री पहुंच चुका है और अगले 3 दिनों में यह 45 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम फिलहाल शुष्क रहेगा, इसके 2 से 3 दिन बाद तापमान में मामूली गिरावट देखने को मिल सकती है।

रहस्यमय तरीके से जमीन धंसने के साथ आई दरारें, जांच में जुटे अधिकारी

बाड़मेर, 6 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में जमीन धंसने के बाद अब सोमवार को बाड़मेर में भी एक ऐसा ही घटना सामने आई है. जिले के नागाणा में तेल उत्खनन क्षेत्र इलाके में रहस्यमय तरीके से जमीन धंसने और दरारें आने का मामला सामने आया है. इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना हुआ है. इसकी जानकारी मिलने के बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच कर जांच करने में जुटे हैं.

सोमवार को बाड़मेर जिले में तेल उत्खनन क्षेत्र के नागाणा के एमपीटी के आसपास के किसानों के खेतों में जमीन धंसने और कई जगहों पर दरारें आने की घटना सामने आई है. सोमवार को स्थानीय लोगों ने जब सोमवार को खेतों में जमीन में जमीन धंसने और कई जगहों पर दरारें देखी तो उनके होश उड़ गए. इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों के मन में डर बना हुआ है. इसके साथ ही उन्होंने इसकी सूचना प्रशासन और तेल उत्खनन का कार्य करने वाली कंपनी के अधिकारियों को दी.

इस बात की जानकारी मिलने पर बाड़मेर प्रशासन तुरंत हरकत में आया और जिला कलेक्टर निशांत जैन ने अधिकारियों को मौके पर भेजा है. मौके पर पहुंचे अधिकारी फिलहाल जांच में जुटे हुए हैं. बताया जा रहा है कि नागाणा एमपीटी क्षेत्र में करीबन 3 किलोमीटर तक जमीन में अगल-अलग जगहों पर दरारें आई हैं.

इस मामले को लेकर बाड़मेर की जिला कलेक्टर निशांत जैन ने बताया कि सूचना मिलने पर अधिकारियों को मौके पर भेजा है. जमीन धंसने और दरारें पड़ने की स्थिति सामने आई है. जियोलॉजिकल के अधिकारियों को भी मौके पर भेजा है. इसके अलावा एडीएम सहित प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर भेजा है, ताकि तुरंत और लंबे समय के लिए क्या उपाय कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि जांच के बाद ही इसके कारणों का पता चल पाएगा कि जमीन कैसे धंसी और दरारें आई हैं. उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील करते हुए कहा कि सावधान रहें और प्रशासन का सहयोग करें.

यात्री बस और स्कॉर्पियो की टक्कर में चार की मौत

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। झुंझुनू के खेतड़ी थाना इलाके में एक बस और स्कॉर्पियो कर भीषण भिड़ंत में जिले के खेतड़ी थाना इलाके में थली गांव के पास एक बस और स्कॉर्पियो की भीषण भिड़ंत होने से 4 लोगों की मौत हो गई, वहीं 24 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं। आज सवेरे 10:30 के आसपास हुए हादसे में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। सूचना पाकर मौके पर सभी प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे गए हैं।

मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि बस सवारियों से भरी हुई थी और सिंघाना से बुहाना की तरफ जा रही थी लेकिन थली के पास पहुंचते ही अनियंत्रित होकर सामने से आ रही स्कॉर्पियो से भिड़ गई, जिससे स्कॉर्पियो में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं बस के ड्राइवर को भी गंभीर चोट लगने के कारण उसने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया।

कोटड़ा थाना पुलिस की कार्रवाई

कैबिनेट मंत्री को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोटड़ा थाना पुलिस ने आरोपी जितेंद्र कुमार अहारी पुत्र हाजाराम निवासी बंजारिया थाना खेरवाड़ा जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि शुक्रवार को गनमैन भीमा ने थाना कोटड़ा पर रिपोर्ट दी कि कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को उनकी इंस्टाग्राम आईडी पर जान से मारने की धमकी दी गई है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

कैबिनेट मंत्री को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी गोयल ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। टीम ने तकनीकी सहयोग से आरोपी की पहचान कर जितेंद्र कुमार अहारी को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड मे लिया गया है। पूछताछ में आरोपी ने ने खुलाया किया कि उसने अपने मोबाइल फोन में इंस्टाग्राम पर अन्य नाम से आईडी बना रखी है। चुनाव के दौरान विभिन्न प्रचार प्रसार व राजनीतिक विचारधाराओं से प्रभावित होकर उसने कमेंट कर दिया।

ईंट से भरे ट्रक की चपेट में आने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत

शरीर के हुए दो टुकड़े, मां और मामा घायल

बूंदी, 6 मई (एजेंसियां)। बूंदी जिले के लाखेरी शंकरपुरा बूंदी रोड पर सुभाष नगर चौराहे के पास ईंटों से भरे ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 12 वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में मां और मामा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को 108 एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। वहां से मां को कोटा रेफर कर दिया गया। हादसे को लेकर गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने पांच घंटे तक रास्ता जामकर उचित कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर रोड जाम कर दिया। उच्च अधिकारियों की समझाइश और आश्वासन के बाद परिजनों ने शव को उठाया।

उतराना गांव निवासी अंजू पत्नी मुरली मीणा, बेटा अभिजीत उम्र 12 वर्ष और भाई बाबूलाल के साथ मोटरसाइकिल से सुबह 9 बजे करीब उतराना से पापड़ी जा रहे थे। शंकरपुरा पेट्रोल पंप के पास सुभाष नगर चौराहा पर तेज गति से आ रहे ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अभिजीत ट्रक के साथ घिसटता हुआ 50 मीटर दूर तक चला गया।

रीट पेपर मामला... प्रिंसिपल को 64 लाख देने के बाद भी नौकरी नहीं तो टीचर ने उठाया ये कदम

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। रीट पेपर लीक मामले में अभी रसूखदारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू नहीं हुई है। लेकिन, रीट में नौकरी लगाने के नाम पर पैसों का लेन-देन करने वालों के बीच अपहरण करने तक की नौबत आ गई है। सांगानेर सदर थाने में कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। रीट में नौकरी लगाने के नाम पर लिए पैसे नहीं लौटाने पर तीन लोगों ने एक व्यक्ति का अपहरण कर लिया। हालांकि, सूचना मिलने के चार घंटे बाद पुलिस ने हिण्डौन सिटी से पीड़ित प्रमोद कुमार शर्मा को मुक्त करवाया।

डीसीपी दिगंत आनंद ने बताया कि हिण्डौन सिटी के नया गांव निवासी रोहिताश गुर्जर, गुटका का पुरा निवासी बृजेश तंवर, बयाना के नहरौली निवासी बंटी गुर्जर को गिरफ्तार किया। इनमें से आरोपी रोहिताश गुर्जर सरकारी टीचर है। अपहरण के संबंध में सांगानेर सदर थाना अंतर्गत राधा विहार कॉलोनी निवासी प्रमोद के पुत्र मोहित ने रिपोर्ट दर्ज करवाई।

उन्होंने बताया कि पुलिस कन्ट्रोल रूम से सूचना मिली कि राधा विहार कॉलोनी से कुछ लोग प्रमोद (50) का अपहरण कर ले गए। इस पर कार के नंबरों के आधार पर नाकाबंदी करवाई और आरोपियों को हिण्डौन सिटी में पकड़ा। कार जब्त कर पीड़ित को मुक्त करवाया।

प्रिंसिपल बोला-10 लाख लिए, टीचर ने कहा- 64 लाख दिए

थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि प्रमोद ने गिरफ्तार रोहिताश की बहन और साले की रीट में नौकरी लगाने के नाम पर पैसे लिए। बीएड कॉलेज के प्रिंसिपल प्रमोद का कहना है कि उसने 10 लाख रुपए लिए थे और मोटा ब्याज जोड़कर 50 लाख रुपए कर दिए। नौकरी भी नहीं लगाई।

जबकि आरोपियों का कहना है कि प्रमोद ने 64 लाख रुपए लिए, लेकिन इस संबंध में उनके पास कोई दस्तावेज नहीं है। अपहरण करने वालों ने प्रमोद के खिलाफ हिण्डौन सिटी व भरतपुर में एक-एक मुकदमा दर्ज करवा रखा है। इस मामले में प्रमोद डेढ़ वर्ष जेल भी जा चुका है। प्रमोद ने आरोपियों को 7 लाख रुपए लौटा भी दिए थे। अब लेन-देन को लेकर आरोपियों ने उसका अपहरण कर लिया।

डीके अरुणा ने सीएम रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों पर पलटवार किया

महबूबनगर, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी नेता और पार्टी के महबूबनगर सांसद उम्मीदवार डीके अरुणा ने सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, मैं एक महिला हूं, जिसे यह बताए बिना व्यक्तिगत रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है कि अगर उनकी पार्टी आगामी चुनावों में जीती तो सीएम क्या करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि जीओ नंबर के कारण पलामूरू जिले के युवा अपनी नौकरियां खो रहे हैं। डीके अरुणा ने सरकार से मांग की कि जीओ को तुरंत रद्द किया जाए और 40,000 शिक्षक पदों की भर्ती के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के साथ न्याय किया जाए। डीके अरुणा ने परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी और नौकरी चाहने वालों पर बोझ डालने पर नाराजगी जताई। उन्होंने सुझाव दिया कि रेवंत रेड्डी को पता होना चाहिए कि उनके खिलाफ उनकी टिप्पणियों से उनका कद खराब हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने किसी की ओर से लड़ाई नहीं लड़ी और कहा कि जिले के विकास में सीएम की कोई भागीदारी नहीं है। रेवंत रेड्डी को लकी ड्रा में सीएम पद मिला। यदि आप सत्ता और अहंकार से भरे हैं, तो आगामी चुनाव में जनता आपको केसीआर के परिवार के समान ही सिखाएगी। जो व्यक्ति मेरे खिलाफ अभद्र भाषा बोलता है वह प्रदेश का मुख्यमंत्री है। हमारा परिवार दशकों तक जिले के विकास के लिए काम करता रहा है। सीएम द्वारा पीएम की आलोचना का जिक्र करते हुए डीके अरुणा ने कहा कि रेवंत रेड्डी को पता होना चाहिए कि पीएम मोदी को डांटना आसमान पर थूकने जैसा है।

बारिश ने भीषण गर्मी से दिलाई राहत

खिल उठे लोगों के चेहरे, युवाओं ने लिया आनंद

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कई जिलों में रविवार शाम को चिलचिलाती गर्मी से काफी राहत मिली। तापमान में गिरावट से लंबे समय से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली, हालांकि विभिन्न क्षेत्रों में व्यवधान भी आया। नलगोंडा, सूर्यापेट, मुलुगु और महबुबाबाद जिलों में तेज़ हवाएं और बारिश हुई। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी ने बताया कि सबसे अधिक 46.4 मिमी बारिश सूर्यापेट जिले के आत्मकुर में दर्ज की गई।

नलगोंडा जिले में कई स्थानों पर तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश देखी गई, जिससे पेड़ गिर गए और बिजली गुल हो गई।

रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि तूफान के दौरान बिजली गिरने से पशुधन की भी मौत हो गई। बारिश करीब दो घंटे तक जारी रही, जिससे मुलुगु जिले के दामरवई गांव में अफरा-तफरी मच गई। धान की फसलें बर्बाद हो गईं, घर की दीवारें ढह गईं और एक बड़े पेड़ ने काटापुर मंगापेट रोड को अवरुद्ध कर दिया, जिससे यातायात रुक गया। महबुबाबाद जिले में, नरसिम्हा पेटा और चिन्ना गुडूर मंडलों में तेज़ हवाएं और ओलावृष्टि हुई।

सीपीएम ने सीएम से किया आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन देने का आग्रह

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव तम्मीनेनी वीरभद्रम के राज्य सचिव ने सीएम ए रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा और उनसे आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायकों को मार्च और अप्रैल 2024 के महीनों के लिए बकाया वेतन का तुरंत भुगतान करने का आग्रह किया।

अपने पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 48 वर्षों से 65,000 आंगनवाड़ी शिक्षक और सहायिकाएं आईसीडीएस के माध्यम से राज्य में सेवा दे रही थीं और कहा कि वे सभी कमजोर वर्ग की महिलाएं थीं। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने अपने वादे के मुताबिक हर महीने की 14 तारीख को वेतन का भुगतान किया था, लेकिन राज्य सरकार के गठन के बाद, उन्होंने मार्च और अप्रैल 2024 के महीनों के लिए उनका वेतन नहीं दिया। काफी आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें परिवार की जरूरतों के लिए ऊंची ब्याज दरों पर उधार लेने की स्थिति में धकेला जा रहा है। मैं आपसे दो महीने के लंबित वेतन का तुरंत भुगतान करने का अनुरोध करता हूं।

उन्होंने यह भी कहा कि आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को न्यूनतम वेतन, पीएफ, ईएसआई और अन्य सुविधाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के कारण एक परिवार को जीवित रहने के लिए कम से कम 26,000 रुपये की आवश्यकता होती है, लेकिन आंगनवाड़ी शिक्षकों को केवल 13,650 रुपये और सहायकों को 7,800 रुपये का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की और उनकी घोर उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा इतना कम वेतन भी समय पर नहीं देना ठीक नहीं है।

बीआरएस के खिलाफ झूठे प्रचार से रहें सावधान : हरीश

मेदक, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि भाजपा बीआरएस के खिलाफ गलत प्रचार कर रही है।

सोमवार को नरसापुर में संवाददाताओं से बात करते हुए हरीश राव ने कहा कि बीआरएस ने पहले ही पाटनचेरू में शिकायत दर्ज कर दी थी क्योंकि वेंकटरामी रेड्डी के खिलाफ एक फर्जी वीडियो प्रसारित किया जा रहा था। उन्होंने 2020 में डबक उपचुनाव के दौरान इस तरह के प्रयास का सहारा लिया था, उन्होंने नागरिकों से मतदान से पहले ऐसे फर्जी वीडियो और झूठी सूचनाओं से सावधान रहने का आह्वान किया।

कांग्रेस पार्टी पर कुछ मौजूदा जिलों को भंग करने की तैयारी का आरोप लगाते हुए हरीश राव ने कहा कि सत्तारूढ़ दल कुछ जिलों को भंग करने पर प्रसारित की जा रही खबरों को खारिज नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल, जिसने विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान किए गए अपने वादे पूरे नहीं किए, यह कहकर लोगों को गुमराह कर रहा है कि वे उन्हें लागू कर रहे हैं।

कलेक्टर ने रूम टू रीडिंग अभियान पोस्टर का अनावरण किया

आसिफाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि छात्रों में बचपन से पढ़ने का कौशल विकसित करके, वे अपनी मौखिक भाषा के विकास के साथ-साथ अपनी सीखने की क्षमताओं में भी सुधार कर सकते हैं। कलेक्टर ने सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय भवन परिसर के कलेक्टर कक्ष में अपर कलेक्टर दीपक तिवारी और जिला शिक्षा अधिकारी अशोक के साथ रूम टू रीडिंग अभियान पोस्टर का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट और जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से बनाए गए नंबर 040-4520-9722 पर डायल करके छात्र गर्मी की छुट्टियों के दौरान अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए आकर्षक तेलुगु कहानियां पा सकेंगे।

पढ़ने से छात्रों में पढ़ने की रुचि के साथ-साथ सुनने और सोचने की क्षमता भी विकसित होगी। जिले के विभिन्न विद्यालयों में चलाये जा रहे इस कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया। इस कार्यक्रम में रूम टू रीड की जिला प्रमुख समन्वयक जेनिफर और कई स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

तेल उत्पादक किसान गर्मी में रहें सावधान : वेंकटेशम

आसिफाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला बागवानी विभाग के अधिकारी वेंकटेशम ने कहा कि तेल उत्पादक किसानों को गर्मी में सावधानी बरतनी चाहिए। गर्मी में तेल पंपों द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर जिला बागवानी अधिकारी वेंकटेशम ने सोमवार को जिला बागवानी कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। जैसे-जैसे धूप तेज हो रही है, भूमिगत जल का स्तर बढ़ रहा है, इस समय तेल उत्पादक किसानों को सावधानी बरतनी चाहिए, एक से तीन साल पुराने तेल के ताड़ के बागानों में पौधे को पौधे से तीन फीट की दूरी पर लगाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बीजों को तुरंत छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर जड़ों के चारों ओर छिड़क देना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि गर्मियों में प्रत्येक ऑयल पाम पौधे के दोनों तरफ एक माइक्रोजेट (30 लीटर या 40 लीटर डिस्चार्ज) लगाया जाना चाहिए छोटे पौधों को प्रतिदिन इतना पानी देना चाहिए। यदि पेड़ के दोनों ओर प्रत्येक जेट की आपूर्ति क्षमता 40 लीटर प्रति घंटा है, तो दिन में 2 घंटे पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। परिपक्व तेल ताड़ के बागानों में, गर्मी के मौसम में प्रत्येक पेड़ को प्रतिदिन 250 से 330 लीटर पानी प्रदान किया जाना चाहिए। जल-जमाव वाले बागानों में माइक्रो-जेट के बजाय, कम तेल वाले ताड़ के पौधों में ड्रिपर्स का उपयोग किया जाना चाहिए।

हवन एवं भजन आयोजित

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंग दास आत्माराम बड़ागांव वाले परिवार की ओर से श्री लक्ष्मी नृसिंह भगवान एवं पितृ देवता सोनासर वाले बाबाजी भगवान की पूजा, हवन, भजन, एवं प्रसाद का आयोजन श्याम मंदिर काचीगुड़ा में आयोजित किया गया।

रात्रि 8 बजे से भगवान की ज्योत एवं भजन का कार्यक्रम रखा गया है जिसके पश्चात प्रसाद रखा गया है। कार्यक्रम में परिवार के चार पीढ़ी के सदस्यगण आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आज के कार्यक्रम में ईश्वर लाल अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, कमल अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, ओम अग्रवाल, मधु अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, श्रीमती उषा अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, सरला अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, माया अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, शांता अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, राखी अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, कविता अग्रवाल, ख़ुशबू अग्रवाल, अक्षिता अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

दिल्ली पुलिस किस अधिकार से तेलंगाना में पहुंची,...

हम दिखाएंगे तेलंगाना की शक्ति-कांग्रेस नेता: रेणुका चौधरी की चेतावनी

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि, दिल्ली पुलिस किस अधिकार से तेलंगाना में पहुंची, हम दिखाएंगे तेलंगाना की क्या है शक्ति।

इस संदर्भ में कांग्रेस के आधिकारिक जानकारी नुसार, कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रेणुका चौधरी ने मीडिया को बताया कि, दिल्ली पुलिस किस अधिकार से तेलंगाना आई है। उन्होंने रोष व्यक्त किया कि वे किस अधिकार से गांधी भवन आये और हमारी पार्टी के नेताओं के खिलाफ मामला दायर किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमने ऐसा किया तो हम दिखा देंगे कि तेलंगाना की ताकत क्या है।

इस मामले में रेणुका चौधरी ने मीडिया से बात करते हुए आगे कहा कि नेहरू और राजीव गांधी जैसे नेताओं ने इसरो और आईसीआरआईएसएटी का निर्माण किया, लेकिन बीजेपी सरकारी संस्थानों को बेच रही है जो देश की आबरू पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में किसानों को अपनी कार से कुचलने वाले केंद्रीय मंत्री के

खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तथा बृजभूषण के यौन उत्पीड़न के बारे में सभी जानते हैं।. उन्होंने ऐसे व्यक्ति के बेटे को चुनावी टिकट देने के लिए बीजेपी की आलोचना की। उन्होने बीजेपी उन्हें चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो प्रज्वल रेवन्ना को पकड़ कर दिखाएं। आरोपी रेवन्ना ऐसे भागे जैसे नीरव मोदी भागे। उन्होंने कहा कि मोदी बेशर्मी से कह रहे हैं कि अगर वह रेवन्ना को मजबूत करेंगे तो वह मजबूत हो जायेंगे।. अगर भाजपा नेता ऐसा कर रहे हैं तो चुनाव अधिकारी चुप क्यों हैं? क्या मोदी देश में मुसलमानों के प्रधानमंत्री नहीं हैं? उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा मुसलमानों पर लगाए गए आरोप घृणित हैं। कहा जाता है कि कई मुस्लिमों ने हिंदू मंदिरों को दान दिया है। पीएम मोदी अपनी पार्टी में भ्रष्टाचार के निर्मूलन की बात करे तो ठीक होगा।

नीट यूजी परीक्षा में गड़बड़ी : चयनित पेपर की जगह दूसरा पेपर दिया

आसिफाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला केंद्र पर आयोजित नीट परीक्षा के आयोजन को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। बताया गया है कि आयोजकों ने चयनित पेपर की जगह दूसरा पेपर दे दिया। जिला केंद्र के आसिफाबाद मॉडल स्कूल में एक नीट परीक्षा केंद्र स्थापित किया गया था और इस परीक्षा केंद्र में 323 छात्रों में से 299 छात्रों ने परीक्षा दी। चूंकि देश भर के छात्रों को प्रदान किया गया पेपर एक था, आसिफाबाद जिला केंद्र के आसिफाबाद मॉडल स्कूल में प्रदान किए गए पेपर ने छात्रों के बीच चिंता पैदा कर दी। छात्र उस समय असमंजस में पड़ गए जब जो पेपर एसबीआई बैंक से लाना चाहिए था उसकी जगह केनरा बैंक से लाया गया पेपर दे दिया गया। छात्रों का कहना है कि नागनू नामक पेपर दिया गया जबकि ग्रिडू नामक पेपर पूरे देश में दिया जाना था। इस परीक्षा केंद्र पर नीट परीक्षा देने वाले छात्रों का भविष्य संदिग्ध होने से छात्रों में तनाव शुरू हो गया। परीक्षा में यूट्यूब पर विश्लेषण वीडियो देखने के बाद उनके द्वारा लिखे गए पेपर में एक भी प्रश्न का मिलान नहीं हुआ। इससे आसिफाबाद के छात्र सदमे में आ गए। अलग-अलग जिलों के अलग-अलग केंद्रों पर दिए गए छात्रों के पेपर का मिलान करने पर यह बात सामने आई कि पेपर बदल गया है। आसिफाबाद में नीट परीक्षा देने वाले छात्र इव्वाला के जिला कलेक्टर से करेंगे शिकायत। हालांकि, कोऑर्डिनेटर नरेंद्र ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने उच्च स्तर पर बता दिया है कि गलती हुई है। वहीं आसिफाबाद के छात्रों की शिकायत है कि नीट परीक्षा लिखना बेकार हो गया है।

कलेक्टर ने सिंबल लोडिंग इकाइयों के भण्डार कक्ष का निरीक्षण किया

आसिफाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर और चुनाव अधिकारी वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रतीक लोडिंग इकाइयों के भंडारण कक्ष में सख्त सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे सिरपुर उपनिर्वाचन अधिकारी दीपक तिवारी आसिफाबाद सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एकीकृत जिला कार्यालय भवन परिसर के भंडार कक्ष में संग्रहीत प्रतीक लोडिंग इकाइयों का निरीक्षण किया। उपनिर्वाचन पदाधिकारी दसारी वेणु ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की कमिशनिंग के लिए प्रयुक्त सिंबल लोडिंग यूनिट को भंडार कक्ष में रखवा कर कक्ष को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भंडारण स्थल पर सुरक्षा पुख्ता हो इसके उपाय किये जायेंगे। कर्मचारियों को सीसी कैमरे की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया गया। इस कार्यक्रम में आसिफाबाद के तहसीलदार श्रीनिवास राव, चुनाव अधीक्षक मधुकर, नायब तहसीलदार जितेंद्र, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और अन्य कार्मिक शामिल हुए।

बेटी की शादी के कुछ घंटों बाद पिता की मौत

मंचेरियाल, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सबसे बड़ी बेटी की शादी की खुशी पिता के लिए ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई। बेटी के हाथों की मेहंदी सूखने से पहले ही पिता की मौत हो गई। बेटी की शादी के कुछ ही घंटों के अंदर पिता की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। यह दुखद घटना मंचरियाल जिले के चेन्नूर में सोमवार सुबह तड़के हुई। चेन्नूर शहर में मुख्य सड़क पर जनरल स्टोर्स चलाने वाले मोहम्मद एजाज ने रविवार रात 8 बजे अपनी बड़ी बेटी की शादी की। इसी क्रम में सोमवार की सुबह तीन बजे वह फंक्शन हॉल से घर के लिए निकले तभी उनके सीने में दर्द महसूस हुआ। वह बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उनकी पहले ही मौत हो चुकी है।

मानू में एसएससी, आईटीआई और डिप्लोमा छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) का प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 8 मई को अन्य छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कर रहा है। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट निदेशक डॉ. मोहम्मद यूसुफ खान के अनुसार, यह ड्राइव सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय के पॉलिटेक्निक भवन में आयोजित की जाएगी। एमएएनयूयू और अन्य स्कूलों और कॉलेजों के छात्र जिन्होंने 2023-24 में एसएससी, आईटीआई या पॉलिटेक्निक पूरा कर लिया है, वे जॉब फेयर में भाग ले सकते हैं।

केसीआर ने लोगों को लालच दिया है और तेलंगाना पर सात लाख करोड़ का बोझ डाला : मंत्री श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि, गत सीएम केसीआर ने राज्य के लोगों को अमीरी के लोभ में फंसाने के चलते तेलंगाना पर 7 लाख करोड़ का बोझ बढा।

इस संदर्भ में मिली आधिकारिक जानकारी नुसार, तेलंगाना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मीडिया से वार्तालाप में गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि केसीआर ने लोगों को लालच दिया है और तेलंगाना पर सात लाख करोड़ का बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री भट्टिविक्रमार्क अर्थव्यवस्था को पटरी से पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने गुस्सा जताया कि लोगों का पैसा चुराने वाले केसीआर बेशर्मी से बात कर रहे हैं। क्या यह सच है कि कृष्णा ने आंध्र को पानी दिया था? उन्होने कहा कि संसद चुनाव के बाद बीआरएस राज्य से पूरी तरह से गायब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में एक मिनट भी बिजली कटौती नहीं होती है।

उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना की कि दस साल से देश पर शासन कर रही भाजपा ने तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि श्री राम भगवान को भी बीजेपी ही राजनीति में लेकर आई है। उन्होंने कहा कि इन्हीके नाम पर बीजेपी एक बार फिर सत्ता में आने का सपना देख रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बीजेपी को 400 सीटें मिलीं तो वे संविधान बदल दिया जायेगा और आरक्षण हटा दिया जायेगा। तो आरक्षण की बाट जोह रहे का क्या होगी इसके बारे में बीजेपी ने जवाब नही दिया। बीजेपी नेता जबभी वे मुंह खोलते हैं तो झूठ बोल रहे होते है। उन्होने कहा कि लोग बीजेपी पर भरोसा न करें।

बालाजी नगर विकलांग कॉलनी स्थित पुरबिया सेन समाज द्वारा आयोजित सेनजी महाराज के 724वें जन्मोत्सव पर भजन प्रस्तुत करते हुए सुशील गोपाल बजाज। अवसर पर पूजा-अर्चनाकर महाप्रसादी का लाभ लेते हुए अध्यक्ष गौतम चौहान, रमेश, राजु चौहान, पूर्व अध्यक्ष किशोरलाल, विमलचन्द, राजेन्द्र, उत्तमचन्द चौहान। अवसर पर मारु सेन समाज अध्यक्ष मंगलाराम, पूर्वअध्यक्ष इंद्रमल का सम्मानकर उपस्थित पद्दाधिकारी व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर आतंकी हमले का खतरा

टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान से मिली धमकी

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2 जून से टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत होनी है. इस बार का वर्ल्ड कप पिछले किसी भी एडिशन से ज्यादा खास होने वाला है क्योंकि पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं और पहली बार अमेरिका में भी आयोजन हो रहा है. ऐसे में सुरक्षा को लेकर ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है.

वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2 जून से टी20 वर्ल्ड कप 2024 शुरू हो रहा है, जिसमें 9 जून को न्यूयॉर्क में भारत-पाकिस्तान के बीच सबसे बड़ा मुकाबला खेला जाएगा. लेकिन इसस पहले ही आतंकवादी हमले की धमकी ने सनसनी फैला दी है. कैरेबियाई मीडिया के हवाले से बताया गया है कि आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट की ओर से दुनियाभर के बड़े आयोजनों को निशाना बनाने की धमकी दी गई है, जिसमें टी20 वर्ल्ड कप भी शामिल है. ये धमकी आईएस की अफगानिस्तान-पाकिस्तान ब्रांच यानी आईएस-खोरासान की ओर से दी गई है. इसके बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज ने टूर्नामेंट के लिए पुख्ता और कड़ी सुरक्षा का भरोसा दिलाया है.

करीब एक महीने तक चलने वाले वर्ल्ड कप में इस बार भारत समेत कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं. ये अब तक का सबसे बड़ा टी20 वर्ल्ड कप होने जा रहा है. साथ ही अमेरिका में भी पहली बार टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है तो दुनियाभर की नजरें इस पर रहेंगी. ऐसे में टूर्नामेंट में सुरक्षा की चुनौती भी रहेगी और अब इस धमकी ने टूर्नामेंट की सुरक्षा को लेकर आयोजकों की चिंता को बढ़ा दिया है.

पाकिस्तान से आई हमले की धमकी

क्रिकबज ने एक रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तरी पाकिस्तान में मौजूद आईएस-खोरासान की ओर से वर्ल्ड कप के दौरान कैरेबियाई देशों को निशाना बनाने की धमकी मिली है. इस बारे में एक सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें बताया गया है कि आईएस समर्थक प्रोपेगेंडा मीडिया ग्रुप नशीर-ए-पाकिस्तान की ओर से खेल आयोजनों में हिंसा फैलाने के लिए भड़काऊ वीडियो जारी किये हैं और अपने समर्थकों को कई देशों पर हमला बोलने के लिए उकसाया जा रहा है.

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इस बारे में क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव्स के हवाले से बताया गया है कि बोर्ड सभी होस्ट देशों और शहरों के अधिकारियों और एजेंसियों के साथ मिलकर हालात पर नजर रख रहे हैं और किसी भी खतरे की पहचान कर उसे दूर करने की पुख्ता योजना बना रहे हैं. उन्होंने साथ ही कहा कि सभी टीमों और टी20 वर्ल्ड कप से जुड़े सभी पक्षों की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और इसके लिए सटीक योजना तैयार की गई है.

ये हैं वर्ल्ड कप के वेन्यू

आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन 6 कैरेबियाई देशों; एंटीगा एंड बरबुडा, बारबडोस, गयाना, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडाइन्स और त्रिनिदाद एंड टोबागो में होगा. इसके अलावा पहली बार अमेरिका में क्रिकेट वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा है, जिसके लिए फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क और टेक्सस राज्यों को चुना गया है. टीम इंडिया ग्रुप स्टेज के अपने मैच न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में खेलेगी. वहीं वर्ल्ड कप का फाइनल बारबडोस में खेला जाएगा.

इस जर्सी में टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी टीम इंडिया?

सोशल मीडिया पर लीक हुई तस्वीर

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारतीय टीम 5 जून से अपना टी20 वर्ल्ड कप का कैंपेन शुरू करेगी. हालांकि, इसमें अभी 4 हफ्ते का समय है, लेकिन बोर्ड तमाम तरह की तैयारियां करने में जुटा हुआ है. बीसीसीआई ने हाल ही में कुछ ऑफिशियल्स को तैयारियों का जायजा लेने के लिए अमेरिका दौरे पर भेजा था. इस दौरे का मकसद टीम इंडिया की प्रैक्टिस और ठहरने जैसी अन्य जरूरी सुविधाओं के बारे में पता लगाना था. अब वर्ल्ड कप के दौरान पहनी जाने वाली जर्सी की तस्वीर सामने आई है. ऐसा दावा है कि कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम इसी जर्सी में खेलने उतरेगी.

कैसी है भारतीय टीम की जर्सी?

सोशल मीडिया पर वायरल वी शेप गले वाली इस जर्सी पर भारतीय झंडे यानी तीरंगे का स्ट्रिप लगा हुआ है. वहीं इसके बाजू का रंग केसरिया है, जिस पर सफेद स्ट्रिप बने हुए हैं. बात करें, जर्सी के फ्रंट साइड की तो इसका रंग नीला है और इस पर एडिडास और बीसीसीआई को लोगो बना हुआ है. कई फैंस ने इसकी तस्वीर को शेयर कर दावा किया है कि अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में होने वाले इस वर्ल्ड कप के लिए भारत की ये ऑफिशियल जर्सी होगी.

फैंस ने ऐसे किया रिएक्ट

टीम इंडिया की वायरल पर जर्सी पर कई फैंस ने रिएक्ट किया है. फैंस के रिएक्शन से पता चलता है कि उन्हें ये जर्सी बहुत पसंद नहीं आई है. कई लोगों ने इसके डिजाइन की आलोचना की है. कुछ फैंस ने तो ये भी दावा किया कि ये टीम इंडिया ऑफिशियल जर्सी नहीं बल्कि प्रैक्टिस किट है.

हालांकि, बीसीसीआई ने भारत की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. लेकिन अभी टीम इंडिया की जर्सी को लॉन्च करना बाकी है. एडिडास भारतीय टीम का ऑफिशियल किट स्पॉन्सर है. लेकिन बोर्ड और कंपनी की तरफ से जर्सी को लेकर कोई भी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है.

धोनी को खिलाने से अच्छा है एक तेज गेंदबाज शामिल करो

'माही' पर भड़के हरभजन सिंह

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में 53वां मुकाबला पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया। इस मैचो को सीएसके ने 28 रनों से जीत लिया। इस मैच में पहली बार एमएस धोनी आईपीएल 2024 में आउट हुए। पंजाब के खिलाफ धोनी पहली बार 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे और हर्षल पटेल की पहली गेंद पर माही आउट हो गए थे। धोनी का 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह को रास नहीं आया है। जिसके बाद हरभजन ने धोनी पर तंज कसा है।

धोनी पर हरभजन सिंह ने कसा तंज

आईपीएल 2024 में धोनी को देखा गया है कि वो ज्यादातर 1 या 2 ओवर शेष रहने पर ही बल्लेबाजी करने आते हैं। इस दौरान धोनी ने सीजन-17 में अभी तक कमाल की बल्लेबाजी भी है। वहीं पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच में शार्दुल ठाकुर और मिचेल सेंटनर के बाद धोनी बल्लेबाजी करने आए थे। इस मैच में 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करने का धोनी का फैसला उल्टा पड़ गया।

जिसपर बोलते हुए टीम इंडिया के पूर्व स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह ने कहा कि इस सीजन धोनी ने सीएसके के लिए तेजी से रन बनाए हैं लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ अहम मुकाबले में नीचे बल्लेबाजी करना सही नहीं था। भले ही सीएसके इस मैच को जीत गई हो लेकिन मैं फिर भी धोनी को बोलूंगा। मैं सही कहूंगा चाहे फिर लोग कुछ भी बोले।

भज्जी ने आगे कहा कि अगर धोनी को 9वें ही नंबर पर बल्लेबाजी करनी है तो उनको अब खेलना ही नहीं चाहिए और सीएसके को भी उनकी जगह एक तेज गेंदबाज टीम में शामिल करना चाहिए। इस मैच में ये उनका काफी चौंकाने वाला फैसला था जो सही नहीं था।

तीसरे नंबर पर पहुंची सीएसके

पंजाब किंग्स को हराने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अब प्वाइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब किंग्स के खिलाफ चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 167 रन बनाए थे। जिसके जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी थी। इस जीत के साथ ही सीएसके ने मजबूती के साथ प्लेऑफ की तरफ अपना कदम बढ़ाया है।

बांग्लादेश बनाम जिम्बाब्वे

मशहूर क्रिकेटर के बेटे ने डेब्यू में रचा इतिहास

ढाका, 6 मई (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले क्रिकेट की दुनिया में नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। ये प्रतिभाएं अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेटप्रेमियों को हैरान कर रही हैं। एक ऐसी ही प्रतिभा जिम्बाब्वे में सामने आई है। बांग्लादेश टूर पर गई जिम्बाब्वे की टीम यहां पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेल रही है। शनिवार को इस सीरीज के दूसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे के 26 साल के क्रिकेटर जोनाथन कैंपबेल ने डेब्यू किया। जोनाथन ने अपने डेब्यू में ही आतिशी पारी खेलकर इतिहास रच दिया।

टी-20 डेब्यू में सबसे ज्यादा स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने जोनाथन कैंपबेल

जोनाथन कैंपबेल T20I डेब्यू में जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ऐसा आजतक किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। कैंपबेल सातवें नंबर पर खेलने उतरे और विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 24 गेंदों में 4 चौके-3 छक्के ठोक 187.50 की स्ट्राइक रेट से 45 रन कूट डाले। बांग्लादेश के अनुभवी गेंदबाजों की कैंपबेल ने जमकर सुताई की। हालांकि वे अपने अर्धशतक से चूक गए। उन्हें शोरिफुल इस्लाम ने 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर मोहम्मद सैफुद्दीन के हाथों आउट किया।

कौन हैं जोनाथन कैंपबेल?

हरारे के मशोनलैंड में जन्मे जोनाथन कैंपबेल ऑलराउंडर हैं। वह बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और लेगब्रेक गेंदबाजी करते हैं। उनके पिता जिम्बाब्वे के मशहूर क्रिकेटर और पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कैंपबेल हैं। एलिस्टेयर कैंपबेल ने करीब एक दशक तक (1992-2003) जिम्बाब्वे के लिए 60 टेस्ट और 188 वनडे मैच खेले। उनके भाई डोनाल्ड कैंपबेल भी क्रिकेटर रह चुके हैं।

घरेलू क्रिकेट में दिखा चुके हैं प्रतिभा

वहीं जोनाथन कैंपबेल की बात करें तो उन्होंने अब तक घरेलू क्रिकेट में प्रतिभा दिखाई थी। फर्स्ट क्लास के 30 मैचों में उन्होंने 1678, लिस्ट ए के 39 मैचों में 1063 और टी-20 के 26 मैचों में 293 रन बनाए हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो फर्स्ट क्लास के 30 मैचों में 39, लिस्ट ए के 39 मैचों में 27 और टी-20 के 26 मैचों में 10 विकेट चटकाए हैं।

भारतीय महिला और पुरुष रिले टीम ने पेरिस ओलंपिक का टिकट किया पक्का

बहामास, 6 मई (एजेंसियां)। भारतीय महिला 4x400 मीटर रिले टीम ने सोमवार को विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

भारतीय महिला 4x400 मीटर रिले टीम ने सोमवार को विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इसके साथ ही भारतीय पुरुषों की 4x400 मीटर रिले टीम ने भी नासाउ, बहामास में विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट रेस के दौरान पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

रूपल चौधरी, एम आर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन ने तीन मिनट और 29.35 सेकेंड का समय लेकर हीट नंबर एक में जमैका (3:28.54) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, भारतीय टीम पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट में तीन मिनट और 29.74 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही थी।

दूसरे स्थान पर रही पुरुष टीम मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, आरोकिया राजीव और अमोज जैकब की पुरुष टीम ने तीन मिनट 3.23 सेकेंड के साथ अपनी हीट में अमेरिका (2:59.95) के बाद दूसरे स्थान पर फिनिश किया। मालूम हो कि दूसरे दौर में तीनों हीट में शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा।

अब तक 19 ट्रैक एंड फील्ड एथलीट कर चुके हैं क्वालीफाई

पुरुष टीम क्वालीफाइंग हीट के पहले दौर में दौड़ समाप्त करने में नाकाम रही थी क्योंकि सेकेंड लेग रनर राजेश रमेश को क्रैंप्स के कारण बाहर हटना पड़ा था। इस कोटा के साथ ही भारत के पेरिस ओलंपिक में 19 ट्रैक एंड फील्ड एथलीट हो गए हैं जिसमें टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं। पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स इवेंट एक अगस्त से शुरू होंगे।

पेरिस के गेम्स विलेज में नहीं होटल में ठहरेंगे गोल्फर

थकान से बचाने के लिए उठाया गया कदम

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूकने वाली गोल्फर अदिति अशोक के 40 किलोमीटर के थकावट भरे सफर को ध्यान में रख इस बार पेरिस में गोल्फरों को कोर्स के नजदीक ठहराया जा रहा है। भारतीय गोल्फर गेम्स विलेज में नहीं बल्कि कोर्स के नजदीक होटल में ठहराए जाएंगे। होटल से कोर्स की दूरी आठ से 10 की मिनट की है। टोक्यों में अदिति को गेम्स विलेज से कोर्स पहुंचने में डेढ़ घंटा लगता था। उन्हें कोर्स जाने के लिए तड़के तीन-साढ़े तीन बजे उठना पड़ता था। तब वह सात बजे शुरू होने वाले मुकाबले में पहुंच पाती थीं। इस बार भी पेरिस में कोर्स गेम्स विलेज से 40 किलोमीटर दूर है। अदिति अशोक और दीक्षा डागर का पेरिस में खेलना तय है, जबकि शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर क्वालिफाई करने की दौड़ में हैं। भारतीय गोल्फ यूनियन के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह के अनुसार टोक्यो के अनुभव को ध्यान में रखते हुए गोल्फर होटल में ठहराए जा रहे हैं।

रियल मैड्रिड ने जीता रिकॉर्ड 36वां ला लीगा खिताब

केडिज को 3-0 से हराया

खेल डेस्क, 6 मई (एजेंसियां)। रियल मैड्रिड ने यहां चार मैच शेष रहते स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा का खिताब जीत लिया। मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सिलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। मैड्रिड ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 36वीं बार ला लीगा का खिताब अपने नाम किया। गिरोना की टीम इस जीत से बार्सिलोना को पछाड़कर 34 मैच में 74 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

बार्सिलोना 73 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। मैड्रिड के 34 मैच में गिरोना से 13 अंक ज्यादा 87 अंक हैं। गिरोना अब अधिकतम 12 अंक ही जुटा सकती है जिससे मैड्रिड का खिताब तय हो गया है।

टी20 वर्ल्ड कप : बल्लेबाजों के लिए वॉर्निंग

वेस्टइंडीज में जोफ्रा आर्चर बरपा रहे कहर

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए सभी खिलाड़ी तैयारी में जुट गए हैं. कुछ खिलाड़ी बाइलेटरल सीरीज खेलकर खुद को तैयार कर रहे हैं. वहीं कई खिलाड़ी इसके लिए IPL का सहारा ले रहे हैं. लेकिन लंबे समय के बाद चोट से वापसी कर रहे जोफ्रा आर्चर इससे एक कदम आगे बढ़कर सीधे इसे होस्ट करने वाले देश वेस्टइंडीज में बल्लेबाजों पर अपनी रफ्तार का कहर बरपाने की तैयारी में लगे हुए हैं. आर्चर इसके लिए बारबाडोस में क्लब क्रिकेट खेल रहे हैं, जिसका ऐसा वीडियो सामने आया है, जो बल्लेबाजों को डरा देगा.

जोफ्रा ने उड़ाया विकेट

टी20 वर्ल्ड कप में केवल 4 हफ्ते का समय रह गया है. ऐसे में जोफ्रा आर्चर वेस्टइंडीज की कंडीशन में प्रैक्टिस कर रहे हैं. उन्होंने एक लोकल मैच के दौरान बल्लेबाजों को अपनी रफ्तार से हैरान कर दिया. उनकी पेस के सामने बल्लेबाज बेबस नजर आए. एक बल्लेबाज को तो समझ ही नहीं आया कि उसके साथ क्या हुआ. आर्चर ने बिजली की रफ्तार से गेंद डाली और देखते ही देखते विकेट उड़कर दूर जा गिरा. उनका ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

आर्चर ने इस वीडियो से वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले बल्लेबाजों को पहले ही सावधान रहने की चेतावनी दे दी है. उन्होंने इस मैच में केवल 16 रन देकर 3 विकेट चटकाए. आर्चर ने सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं बल्कि अपने बल्ले से भी गदर मचाया. उन्होंने इस मैच में केवल 20 गेंद में 54 रन कूट डाले. बता दें कि वो लगभग एक साल से इंजरी की वजह टीम से बाहर चल रहे थे. इसकी वजह से उन्हें 2023 का वनडे वर्ल्ड कप भी मिस करना पड़ गया था. अब वो इंजरी के बाद सीधे टी20 वर्ल्ड कप में वापसी करेंगे.

जोफ्रा के आने से मिलेगी मजबूती

2022 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का 2023 वनडे वर्ल्ड कप में बहुत बुरा हाल हुआ था. टीम को यहां तक की अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा था. इसके अलावा गेंदबाजों की इंजरी पूरे टूर्नामेंट में एक बड़ी समस्या बनी हुई थी. जोफ्रा आर्चर टीम के मुख्य गेंदबाज थे,

जिनके नहीं होने से टीम को काफी नुकसान हुआ. लेकिन टी20 वर्ल्ड कप के डिफेंडिंग चैंपियन का स्क्वॉड फिलहाल काफी मजबूत दिख रहा है. सभी बल्लेबाज फॉर्म में दिख रहे हैं और अब आर्चर के आने से टीम को और मजबूती मिलेगी.

स्वियातेक ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

खेल डेस्क, 6 मई (एजेंसियां)। इगा स्वियातेक ने पिछले साल के फाइनल में एरिना सबालेंका के खिलाफ हार का बदला चुकता करते हुए शनिवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की स्वियातेक ने दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका को तीन सेट तक चले फाइनल में 7-5, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र का अपना तीसरा खिताब जीता। स्वियातेक 2012 में कैरोलिन वोजनियाकी के बाद 20 खिताब के आंकड़े को छूने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी हैं। स्वियातेक तीसरे सेट में जब 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं थी तो उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए। उन्होंने टाईब्रेक में तीसरा मैच प्वाइंट बचाया और फिर सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।

साड़ी पहनें, आरटीसी बस में यात्रा करें

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत ने केटीआर पर तंज कसा

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महालक्ष्मी योजना की विफलता पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) के बयान पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पलटवार करते हुए बीआरएस नेता को साड़ी पहनने और व्यक्तिगत रूप से जांचने का सुझाव दे दिया ताकि वह स्वयं देख सकें कि गारंटी दी जा रही है या नहीं? लागू किया गया या नहीं? एक चुनावी बैठक में रेड्डी ने केटीआर पर तंज कसते हुए कहा कि मेरा सुझाव है कि आप साड़ी पहनें और आरटीसी बस में जोगुलम्बा मंदिर की यात्रा करें। यदि आप टिकट के लिए भुगतान नहीं करते हैं, तो इसका मतलब है कि महालक्ष्मी योजना काम कर रही है।

रेड्डी का यह बयान तब सामने आया है जब केटीआर ने एक्स मंच पर राहुल गांधी और सीएम को साड़ी पहनने के लिए कहा था।

उन्होंने एक्स पर लिखा था कि या तो आप (रेवंत रेड्डी) साड़ी पहनें या राहुल गांधी को यह साबित करने के लिए साड़ी पहनने के लिए कहें कि महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता योजना लागू की गई है? केटीआर ने राहुल गांधी पर यह दावा करके तेलंगाना के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के तहत राज्य की प्रत्येक महिला को 2,500 रुपये मासिक मिलते थे। बीआरएस विधायक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर केसीआर पोषण किट और कल्याण लक्ष्मी धन का वितरण रोक दिया था।

अयोध्याकांड अखंड पारायणम का आयोजन

तिरुमाला, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्याकांड अखंड पारायणम का 10वां संस्करण सोमवार को तिरुमाला के नाद नीरजनम मंच पर आयोजित किया गया। अयोध्या कांड के 35वें से 39वें सर्ग के कुल 164 श्लोक, योगवशिष्ठम के 25 श्लोक और धन्वंतरि महामंत्र का पाठ किया गया। धर्मगिरि वेद विज्ञान पीठम के विद्वान डॉ. रामानुजाचार्य, श्री अनंत और डॉ. मारुति ने श्लोकों का पाठ किया। अखंड पारायणम में धर्मगिरि, एसवी वैदिक विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा अध्ययन, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर अन्नमाचार्य प्रोजेक्ट राजेश के कलाकारों ने कार्यक्रम की शुरुआत में 'देवताला गछिना...' और अंत में 'राम राम श्री रघुरामा...' गाया। कार्यक्रम में टीटीडी के अधिकारी, विद्वान और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

के. कविता की जमानत याचिका खारिज

कोर्ट बोला- राहत देने का यह सही वक्त नहीं, 15 मार्च को गिरफ्तार हुई थीं

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार (6 मई) को एक्साइज पॉलिसी केस में सीबीआई और ईडी के केस में बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने कहा कि उन्हें राहत देने के लिए यह सही समय नहीं है।

इससे पहले 23 अप्रैल की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने के. कविता और एक अन्य आरोपी चरनप्रीत की कस्टडी भी 7 मई तक बढ़ाई थी, जो कल खत्म हो रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा था कि के. कविता के केस में एजेंसी 60 दिन में चार्जशीट फाइल करेगी।

ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था :

के. कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। ईडी ने उन्हें 15 मार्च को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया था। ईडी ने 15 मार्च की सुबह 11 बजे उनके घर पर रेड डाली थी। करीब 8 घंटे की तलाशी और कार्रवाई के बाद शाम 7 बजे उन्हें हिरासत में लिया गया। उसके बाद अरेस्ट किया गया। एजेंसी उन्हें लेकर दिल्ली आ गई थी।

ईडी का आरोप है कि कविता शराब कारोबारियों के गुट 'साउथ ग्रुप' की प्रमुख सदस्य थीं। साउथ ग्रुप से जुड़े लोगों पर दिल्ली में शराब कारोबार के लाइसेंस के बदले आप को 100 करोड़ रुपये रिश्वत देने का आरोप है। 16 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट ने कविता को ईडी की रिमांड में भेजा था। इसके बाद से उनकी रिमांड बढ़ती जा रही है। फिलहाल, बीआरएस नेता 7 मई तक ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं।

दिल्ली शराब घोटाले में के. कविता का नाम कब आया :

दिल्ली शराब घोटाले केस में ईडी ने गुरुग्राम से कारोबारी अमित अरोड़ा को 30 नवंबर, 2022 में गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक, अमित ने अपने बयान में के. कविता के नाम लिया था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि कविता ने विजय नायर के माध्यम से दिल्ली में आप सरकार के नेताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। आप ने इस पैसे का इस्तेमाल गोवा और पंजाब विधानसभा चुनाव में किया। फरवरी 2023 में सीबीआई ने कविता के अकाउंटेंट बुच्ची बाबू गोरंतला को गिरफ्तार किया। ईडी ने भी बुच्ची बाबू से पूछताछ की थी। फिर ईडी ने हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्रन पिल्लई को 7 मार्च 2023 को गिरफ्तार किया।

पिल्लई ने पूछताछ में बताया था कि कविता और आम आदमी पार्टी के बीच एक समझौता हुआ था।

इसके तहत 100 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ, जिससे कविता की कंपनी 'इंडोस्पिरिट्स' को दिल्ली के शराब कारोबार में एंट्री मिली। पिल्लई ने ये भी बताया कि एक मीटिंग हुई थी, जिसमें वो, कविता, विजय नायर और दिनेश अरोड़ा मौजूद थे। इस मीटिंग में दी गई रिश्वत की वसूली पर चर्चा हुई थी।

कोर्ट ने मंजूर किया बीआरएस नेता के. कविता का आवेदन : ईडी और सीबीआई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की अदालत ने बीआरएस नेता के. कविता के आवेदन को अनुमति दे दी है। इस आवेदन में केंद्रीय एजेंसियों को के. कविता को 7 मई को विशेष सीबीआई न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। दिल्ली अदालत ने ईडी और सीबीआई दोनों को नोटिस जारी किया था। हाल ही में कोर्ट ने तिहाड़ के अधिकारियों को वर्चुअल सुनवाई के जरिए कविता को कोर्ट के सामने पेश करने का निर्देश दिया था।

कविता को पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने और बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 11 अप्रैल को तिहाड़ जेल में रहते हुए गिरफ्तार किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने तब उन्हें सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था और कहा था कि आरोपी से विस्तृत और निरंतर पूछताछ आवश्यक है। अदालत ने बृहस्पतिवार को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में के कविता की जमानत याचिका पर अपना फैसला 6 मई तक के लिए टाल दिया था। वह 7 मई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

कविता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य उन्हें और उनकी पार्टी को आगामी आम चुनावों में समान अवसर से वंचित करना है। उन्होंने दावा किया है कि तेलंगाना में नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से कुछ दिन पहले सीबीआई की ओर से उनकी गिरफ्तारी केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से उनके चुनाव प्रचार में बाधा डालने के लिए की गई थी।

टीएस-ईएपीसीईटी 2024 की परीक्षा देगी 54 वर्षीय महिला

16 वर्षीय किशोर भी ले रहा भाग, परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 7 मई को होने वाली तेलंगाना राज्य इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस ईएपीसीईटी) 2024 में किशोरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी एक 54 वर्षीय महिला कर रही है। 1970 में जन्म लेने के बावजूद, उम्र की रूढ़ियों को धता बताते हुए, उन्होंने प्रवेश परीक्षा की इंजीनियरिंग स्ट्रीम के लिए दाखिला लिया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस वर्ष कुछ आवेदक 30 से 40 वर्ष की आयु सीमा के भीतर आते हैं, 50 के दशक के मध्य में इस महिला उम्मीदवार की उपस्थिति ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। उसकी उम्र के बावजूद उसकी पात्रता सत्यापित करने के लिए, अधिकारियों ने उसके माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र (एसएससी) का विवरण मांगा है। इसके अलावा एक 16 वर्षीय किशोर, जिसे राज्य सरकार द्वारा विशेष अनुमति दी गई है, वह भी इंजीनियरिंग स्ट्रीम में भाग लेगा। इंजीनियरिंग और फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता मानदंड यह निर्धारित करते हैं कि उम्मीदवारों को प्रवेश वर्ष के 31 दिसंबर तक 16 वर्ष की आयु प्राप्त करनी होगी, जिसमें कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं है। टीएस ईएपीसीईटी 2024 के लिए कुल 3,55,263 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें इंजीनियरिंग स्ट्रीम के लिए 2,54,814 आवेदक और कृषि और फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए 1,00,449 आवेदक हैं। कृषि और फार्मेसी परीक्षा 7 और 8 मई को निर्धारित है, जबकि इंजीनियरिंग परीक्षा 9 से 11 मई तक होगी। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है।

दुनिया में चर्चा का विषय बनी हैदराबाद के फोटोग्राफर की तस्वीर

100 सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों में शामिल हुई फोटो

संगारेड्डी, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित वन्यजीव फोटोग्राफर हरि के पतिबंदा की तस्वीर को एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुर्लभ 100 सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों में शामिल किया गया है। 35 अवार्ड्स, पेशेवर फोटोग्राफी समुदाय 35 फोटोडॉटपीआरओ के रचनाकारों द्वारा 2015 में स्थापित एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, जिसमें एक काले ड्रोंगो द्वारा परेशान किए जा रहे एक विचित्र लकड़ी के उल्लू की हरि की तस्वीर दिखाई गई थी।

35 अवार्ड्स, आधिकारिक तौर पर 11 मई को इन तस्वीरों की रैंकिंग की घोषणा करेगा। प्रतियोगिता के लिए संगठन को इस साल दुनिया भर से 1.11 लाख फोटोग्राफरों से 1.15 लाख तस्वीरें मिलीं। हरि ने 9 तस्वीरें भेजी थीं, जिनमें से सभी दूसरे दौर में आईं। ऑनलाइन वोटिंग चालू होने पर फ़ोटोग्राफ़रों और स्थानों के नाम छिपा दिए जाते हैं। तीन दौर की वोटिंग के बाद अंतिम 100 सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों की सूची का चयन करने के लिए 50 सदस्यीय जूरी होगी जिसमें दुनिया भर के फोटोग्राफी पेशेवर शामिल होंगे। हरि ने कहा कि वह सातवें आसमान पर हैं क्योंकि उन्हें अपने पहले प्रयास में सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ का पुरस्कार मिला है।

मेरी लड़ाई जारी रहेगी : कृष्णक

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता कृष्णक मन्ने ने सोमवार को कहा कि वह अपनी गिरफ्तारी के बावजूद न्याय और सच्चाई के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। दोषी साबित होने पर सजा भुगतने की इच्छा व्यक्त करते हुए उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने पद से इस्तीफा दे दें, अगर यह साबित हो जाए कि उन्होंने जाली परिपत्र पोस्ट किया है और तेलंगाना के लोगों को गुमराह किया है।

कृषांक को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान उस्मानिया विश्वविद्यालय के छात्रावास से संबंधित एक फर्जी परिपत्र बनाने के आरोप में 1 मई को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह चंचलगुडा केंद्रीय कारागार में बंद है। पूछताछ के लिए उन्हें एक दिन की पुलिस हिरासत में भी लिया गया।

सोमवार को मीडिया को जारी अंग्रेजी में हस्तलिखित पत्र में कृष्णक ने दोहराया कि उन्होंने मूल परिपत्र पोस्ट किया है। अगर यह साबित हो जाए कि मैंने इसे जाली बनाया है, तो मैं कड़ी सजा भुगतने के लिए तैयार हूं, लेकिन अगर यह साबित हो जाता है कि सीएम रेवंत गारू ने एक जाली परिपत्र पोस्ट किया और तेलंगाना राज्य के लोगों को गुमराह किया, तो उन्हें पद की शपथ का उल्लंघन करने के लिए मुख्यमंत्री पद से हट जाना चाहिए।

बीआरएस नेता ने उन लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनका समर्थन किया और उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ बोला। कहा कि मैं अपनी गिरफ्तारी और मनगढ़ंत आरोपों के खिलाफ बोलने के लिए सभी बीआरएस नेताओं को अत्यंत आभार व्यक्त करता हूं। बीआरएस सोशल मीडिया योद्धाओं का अपार समर्थन मिलना अभिभूत करने वाला है, जिसने मुझे इन कठिन दिनों के दौरान मजबूत बनाए रखा है। मुझे मेरी ईमानदारी का बचाव करने वाले सभी अधिवक्ताओं और विशेषकर उन पत्रकारों को धन्यवाद देना चाहिए जो इस कहानी को कवर कर रहे हैं। मेरी लड़ाई जारी रहेगी।

निवेश धोखाधड़ी में शामिल 4 गिरफ्तार

52 बैंक खातों में जमा किए गए थे 16 करोड़

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो सभी निवेश धोखाधड़ी मामले से जुड़े हैं।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति मांगीलाल गोदारा, बजनलाल उर्फ बाजन, कमलेश कुमार उर्फ महेश कुमार और प्रकाश चंद हैं, जो शहर के सुचित्रा निवासी और राजस्थान के मूल निवासी हैं। हैदराबाद पुलिस ने सोमवार को कहा कि 4 लोगों ने फर्जी तरीकों से बैंक खाते खोले और उन्हें जालसाजों को मुहैया कराया, जिन्होंने उन्हें प्रत्येक लेनदेन पर भारी कमीशन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि साइबर जालसाजों द्वारा कई फर्जी कंपनियों के कुल 52 बैंक खाते खोले गए और उनसे रुपये की राशि निकाली गई। अलग-अलग पीड़ितों से वसूले गए 16 करोड़ रुपये उन खातों में जमा किए गए थे।

साइबर जालसाजों ने ऑनलाइन स्टॉक ट्रेड में निवेश पर भारी मुनाफे का आश्वासन देकर कई पीड़ितों को धोखा दिया। देश भर में जालसाजों के खिलाफ 92 मामले दर्ज किए गए, जिनमें तेलंगाना में 10 मामले भी शामिल हैं। पुलिस ने 25 चेक बुक, 24 डेबिट कार्ड, शेल कंपनियों के छह स्टांप, 141 ग्राम सोने के गहने, 12 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया।

मां ने बेटे को मगरमच्छों के नहर में फेंका

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेली के पास एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है। यहां एक कलयुगी मां ने अपने पति के साथ तीखी बहस के बाद अपने छह साल के बोलने में अक्षम बेटे को मगरमच्छों से भरी नहर में फेंक दिया। बच्चे के माता-पिता रवि कुमार शेले और सावित्री के बीच अपने दिव्यांग बच्चे की स्थिति को लेकर शनिवार देर रात तकरार बढ़ गई। निराश होकर सावित्री ने अपने सोते हुए बेटे को उठाया और उसे पास की एक नहर में फेंक दिया, जो मगरमच्छों से भरी हुई थी। घर लौटने पर सावित्री की चेतना लौटी और उसने तुरंत शोर मचाकर मदद मांगी।

एक वीडियो में, जो बाद में वायरल हो गया, वह अपनी परेशान करने वाली हरकत को स्वीकार करते हुए सहायता की गुहार लगाती हुई सुनाई दे रही है। उसके बचाव की उम्मीद में पड़ोसी तुरंत बच्चे की तलाश में जुट गए। कुछ निवासियों ने डांडेली ग्रामीण पुलिस स्टेशन को सूचित किया, जिससे अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस अधिकारी और एक बचाव दल, जिसमें अग्निशमन और आपातकालीन विभाग के गोताखोर भी शामिल थे, लापता बच्चे का पता लगाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय निवासी संतोष समेत प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि उन्होंने एक मगरमच्छ देखा जिसके मुंह में बच्चे का शव दिख रहा था।

लोकसभा चुनावों के लिए रहेगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

13 मई को डाले जाएंगे वोट * 14,000 सीएपीएफ जवान शहर में रहेंगे तैनात

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए हैदराबाद पुलिस हरसंभव प्रयास करेगी। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने सोमवार को कहा कि मतदान के दौरान शहर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सहित कुल 14,000 जवान तैनात किए जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग (ईसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार, शहर में मतदान केंद्रों पर सीएपीएफ कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने हैदराबाद को सीएपीएफ की 22 कंपनियां प्रदान की हैं। जहां भी आवश्यकता होगी, तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस और सिटी सशस्त्र रिजर्व को मतदान केंद्रों पर तैनात किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि हैदराबाद में विशेष मतदान केंद्रों पर एएसडी (अनुपस्थित स्थानांतरित और मृत) मतदाताओं को महत्वपूर्ण स्थानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा, मतदान प्रक्रिया के दौरान पुलिस पिकेट, एफएसटी/एसएसटी टीमें, त्वरित प्रतिक्रिया टीमें (क्यूआरटी), स्पेशल स्ट्राइकिंग फोर्स (एसएसएफ), खुफिया संग्रह टीमें तैनात की जाएंगी। हैदराबाद सीपी ने कहा कि वितरण, रिसेप्शन और मतगणना केंद्रों पर ईसीआई दिशानिर्देशों के अनुसार कड़ी सुरक्षा बनाए रखी जाएगी। पुलिस ने अब तक 18 करोड़ रुपये नकद जब्त कर लिये हैं. उन्होंने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान 12 करोड़ का सोना, चांदी, शराब, नशीली दवाएं आदि बरामद की गईं।

शाह के छेड़छाड़ वाले वीडियो मामले की जांच जारी : सीपी

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के डीप फेक वीडियो की पुलिस जांच जारी है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और अगर जांच के दौरान कोई और नाम सामने आता है, तो हम जांच करेंगे और कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। इसी मामले की जांच में दिल्ली पुलिस की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हैदराबाद पुलिस ने एक शिकायत के बाद 27 अप्रैल को मामला दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि दिल्ली पुलिस को उसी मामले की जांच करने की जरूरत है क्योंकि इससे भ्रम पैदा होता है। यदि वे चाहें तो हम उनके साथ जानकारी साझा करेंगे।

साइबर क्राइम पुलिस ने दो लोगों को किया अरेस्ट

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो साइबर जालसाजों को बैंक खातों के क्रेडेंशियल्स मुहैया करा रहे थे। आरोपी द्वारा उपलब्ध कराए गए खातों का इस्तेमाल से जालसाजों ने धोखाधड़ी की और पीड़ितों के फंड ट्रांसफर किए। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी के अनुसार गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों दुबई निवासी भूरा राम उर्फ राजू भाई और राजस्थान के मूल निवासी रामचंद्र उर्फ गणेश राम ने लोगों को बैंक खाते खोलने का लालच दिया और उनके खाते खाली कर दिए।

हैदराबाद सीपी ने कहा कि भूरा राम ने बैंक खाते की जानकारी बर्लिन के एक व्यक्ति को बेच दी, जिसने उसे लगभग 20% का कमीशन दिया। पुलिस ने पाया कि अब तक भूरा राम ने बर्लिन को 4% बैंक खातों का विवरण प्रदान किया था और उन्हें पैसे ट्रांसफर करने के लिए साइबर जालसाजों के पीड़ितों के साथ साझा किया गया था। ये 4% बैंक खाते भारत में दर्ज 50% मामलों में शामिल हैं, जिनमें तेलंगाना के 6% मामले भी शामिल हैं। बैंक अधिकारियों से संपर्क कर बैंक खातों में 1.44 करोड़ रुपये फ्रीज करा दिये गये।

आदिलाबाद के मतदाताओं पर देश को होगा गर्व

आंधी-पानी में भी मतदान करना नहीं छोड़ते

90% से ऊपर मतों का प्रयोग करते हैं मतदाता

आदिलाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मतदान के दिन जो लोग घर बैठकर केवल टीवी देखते हैं और राजनीति पर उपदेश देते हैं ऐसे लोगों के लिए आदिलाबाद के गरीब और मेहनती आदिवासी भाई-बहनों से सीख लेने की जरूरत है। ये ऐसे लोग हैं जो हर परेशानियों का न सिर्फ डटकर सामना करते हैं बल्कि आंधी-पानी में भी मतदान करने जाते हैं। यही वजह है कि यहां का मतदान प्रतिशत 90% के आस-पास रहता है। गरीब, ग्रामीण आदिवासी मतदाताओं ने अपना वोट डालने में तनिक भी देरी नहीं करते, जिसके परिणामस्वरूप उनके मतदान केंद्रों पर 90 प्रतिशत से अधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में बोथ (एसटी) खंड के भीमपुर मंडल के बेलसारी रामपुर, अंदरबंद और मरकागुडा मतदान केंद्रों पर 94 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। ये तीनों विशुद्ध रूप से आदिवासी मंडल के अंतर्गत आदिवासी मतदान केंद्र हैं।

मौसम और खराब सड़कें कोई बाधा नहीं

केबी आसिफाबाद जिले के सिरपुर (यू) मंडल के सुदूर स्थित मेटीगुडा गांव के एक बुजुर्ग मतदाता पेंडुर दत्तू ने बताया कि जो लोग अपना वोट नहीं डालते वे जीवित मृतकों के समान हैं। हमारा समुदाय किसी भी चुनाव में अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं करता है।

12 किमी दूर से पैदल आते हैं मतदान करने

मतदान केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाई या मौजूदा मौसम की गंभीरता आदिवासी लोगों को मतदान करने से नहीं रोकती है। यहां बता दें कि कुछ साल पहले तक पहाड़ी और जंगली इलाकों के ज्यादातर मतदान केंद्रों तक पहुंचना मुश्किल होता था। उदाहरण के लिए, चुनाव में भाग लेने का मतलब मेटीगुडा के 80 मतदाताओं के लिए घने जंगलों वाले पहाड़ी इलाके से 12 किमी पैदल चलकर पांगड़ी पहुंचना था, जहां उनका मतदान केंद्र स्थित था। चुनाव दर चुनाव अपने मताधिकार का प्रयोग करने की कठिन यात्रा के परिणामस्वरूप आदिवासियों द्वारा कई दिलचस्प कहानियां भी बताई गईं।

कई बार स्थगन के बाद भी नहीं छोड़ा मतदान करना

2013 के सरपंच चुनावों में अपना वोट डालने के लिए कई बार मेटिगुडा के मतदाताओं द्वारा ऊबड़-खाबड़ इलाकों से होकर अपने मतदान केंद्र तक पहुंचना होता था। जुलाई में नियत तिथि पर मतदाताओं ने भारी बारिश के बीच पांगडी तक अपनी यात्रा शुरू की, लेकिन दोपहर में बताया गया कि चुनाव स्थगित कर दिया गया था। चूंकि भारी बारिश जारी रही, आदिवासियों को उस महीने दूसरी बार उसी निराशा का सामना करना पड़ा जब पुनर्निर्धारित चुनाव फिर से स्थगित कर दिया गया। महीने दूसरी बार इस तरह की स्थिति के बाद भी मतदाताओं ने अपना मतदान करना नहीं छोड़ा।

हम तीसरी बार हुए सफल

दत्तू ने याद करते हुए कहा कि अगस्त में हम तीसरी बार सफल हुए। 11 साल बाद भी उनके चेहरे पर राहत की भावना झलक रही थी, जब उन्होंने पुनर्निर्धारित चुनावों की कहानी सुनाई। हालांकि, उनमें निराशा का कोई भाव नहीं था।

20 से 25 प्रतिशत हैं आदिवासी मतदाता

आदिलाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित है और आदिलाबाद, निर्मल और कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले में फैला हुआ है, यहां लगभग 16.47 लाख मतदाता हैं, जिनमें 20 से 25 प्रतिशत आदिवासी मतदाता शामिल हैं। आसिफाबाद, खानापुर और बोथ विधानसभा क्षेत्रों में विशिष्ट मतदान केंद्रों पर आदिवासी मतदाता अधिक संख्या में मौजूद हैं, ये तीनों अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं और संसदीय क्षेत्र का हिस्सा हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.